www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, गुरुवार, 30 मई , 2024 | वर्ष-17 | अंक -54 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

पाकिस्तान के एटम बम से डराते हैं कांग्रेसी : अमित शाह 02

■ राजधानी में कामगारों को तीन घंटे तक... 03
■ पेयजल की किल्लत होना दिल्लीवालों के लिए...

■ इजरायल ने राफा शिविर पर बमबारी में संलिप्तता 07
■ नीदरलैंड के पूर्व जासूस प्रमुख शूफ को मिला...

कांग्रेस की सरकार होने के कारण केंद्र ने... 10

सार संक्षेप

इंडिया समूह की हवा से भाजपा के होश उड़े : अखिलेश

मिर्जापुर। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि इंडिया गठबंधन के पक्ष में चली हवा ने भारतीय जनता पार्टी के होश उड़ा दिए है। सपा प्रत्याशी के समर्थन में बरकछा में आयोजित सभा में श्री यादव ने कहा कि पश्चिम से जो इंडिया गठबंधन के पक्ष में हवा चली है उसने पूरब में आते आते भाजपा के लोगों का होश उड़ा दिया है। भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने का वायदा किया लेकिन आय तो दोगुनी नहीं हुई, बल्कि खेती की लागत बढ़ने से किसान संकट में आ गए। किसानों को कर्ज से राहत नहीं दी।

पेटीएम-अडानी डील पर कांग्रेस ने मोदी पर साधा निशाना

नई दिल्ली। खबर आई है कि अडानी समूह अपना विस्तार करते हुए पेटीएम में हिस्सेदारी खरीदने जा रहा है। इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने कहाकि याद कीजिए जब पेटीएम को पे टू मोदी कहा गया था। आत्मनिर्भर से परमात्मा निर्भर से अडानी निर्भर। जयराम ने डील को लेकर मीडिया मे चल रही खबरों को साझा करते हुए कहाकि प्रधानमंत्री को सवालों के घेरे में खड़ा किया। हालांकि पेटीएम ने इससे इनकार किया है। बयान जारी कर कहा गया कि मीडिया रिपोर्ट अटकलों पर आधारित है। गौतम अडानी की ओर से इसको लेकर कोई बयान सामने नहीं आया है।

डीआरडीओ ने किया रुद्रम- दो मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने हवा से सतह पर मार करने वाली रुद्रम- दो मिसाइल का वायु सेना के लड़ाकू विमान सुखोई से सफल परीक्षण किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मिसाइल के सफल परीक्षण पर डीआरडीओ , वायु सेना और उद्योग जगत को बधाई दी है। इससे भारतीय सशस्त्र बलों की ताकत कई गुणा बढ़ जाएगी।

राजधानी में टूटे गर्मी के सारे रिकॉर्ड

आसमान से बरसी आग, दिल्ली सबसे गर्म

मुंगेशपुर का तापमान 52.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

नई दिल्ली, 29 मई (देशबन्धु)। देशभर में गर्मी ने प्रचंड रूप धारण कर लिया है। कई शहरों में पारा 50 डिग्री के पार चला गया है और लोग भीषण लू का सामना कर रहे हैं। उधर मौसम विभाग ने फिलहाल किसी राहत की उम्मीद नहीं जताई है। कई राज्यों में अत्यधिक गर्मी और लू चलने की चेतावनी भी जारी की गई है। देश की राजधानी दिल्ली भी भीषण गर्मी का कहर झेल रही है। दिल्ली के मुंगेशपुर में अब तक का सर्वोच्च तापमान दर्ज किया गया। उत्तर-पश्चिम दिल्ली स्थित मौसम निगरानी केंद्र ने बताया कि बुधवार 29 मई को मुंगेशपुर का तापमान 52.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, इसके बाद बारिश की वजह से लोगों को थोड़ी राहत मिल सकी।

■ भीषण गर्मी से देश के दूसरे शहर भी तपे
■ राजस्थान का चूरू दूसरा सबसे गर्म शहर

चूरू में 50.5 डिग्री पहुंचा पारा

दिल्ली के बाद राजस्थान का चूरू शहर 50.5 डिग्री तापमान के साथ देश का दूसरा सबसे गर्म शहर रहा। राजस्थान में गर्मी से 23 से 29 मई तक 55 लोगों की मौत हो चुकी है। बिहार के भी कई जिलों में पारा 48 डिग्री के करीब पहुंच चुका है। भीषण गर्मी से यहां बुधवार को 8 जिलों में 80 बच्चे बेहोश हो गए। राज्य में दो दिन हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने देश के 7 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों- पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में बुधवार के लिए हीटवेव का रेड अलर्ट जारी किया है।

बिजली की खपत बढ़ी

देश की बिजली की डिमांड बढ़कर 239.96 गीगावॉट हो गई है, जो इस सीजन में अब तक सबसे ज्यादा है। माना जा रहा है कि आने वाले कुछ दिनों में पावर डिमांड बढ़कर पिछले साल के ऑल टाइम हाई 243.27 गीगावॉट को पार कर जाएगी।

पाइप से कार धोने पर जुर्माना

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने निर्देश दिया कि 30 मई को सुबह 8 बजे से टीमें तैनात की जाएंगी और पानी की बर्बादी करने वाले व्यक्ति पर 2000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। निर्माण स्थलों या व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर अवैध पानी के कनेक्शन को काट दिया जाएगा।

तापमान ने कब-कब तोड़े रिकॉर्ड

भारत में इससे पहले सबसे अधिक तापमान 51 डिग्री सेल्सियम 2016 में राजस्थान के फलौदी में दर्ज किया गया था। इसके बाद 2019 में चुरू में 50.8 डिग्री और 1956 में अलवर में 50.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था।

मानसून के लिए परिस्थितियां अनुकूल

केरल में अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन के लिए परिस्थितियां अनुकूल हो रही हैं। मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) ने बुधवार को कहा कि इसी अवधि के दौरान दक्षिण अरब सागर के कुछ और हिस्सों, मालदीव और कोमोरिन क्षेत्र के शेष हिस्सों, लक्षद्वीप क्षेत्र के कुछ हिस्सों, केरल, दक्षिण-पश्चिम, मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों, उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तथा पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने से परिस्थितियां अनुकूल हो रही हैं।

बूंदाबांदी से मिली कुछ राहत

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में हीट वेव से परेशान लोगों के लिए बुधवार की शाम राहत भरी रही। अचानक मौसम ने करवट ली और तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी देखने को मिली। बारिश के बाद लोगों को अब राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सेक्स वीडियो मामला

एसआईटी अधिकारियों ने प्रज्वल के घर की तलाशी ली

बेंगलुरु, 29 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) के अधिकारी और विशेष जांच दल (एसआईटी) सेक्स वीडियो मामले की जांच कर रहे हैं। टीम ने मामले के मुख्य आरोपी जेडी-एस के सांसद प्रज्वल रेवन्ना के हासन स्थित आवास की तलाशी ली।

■ टीम ने उंगलियों के निशान के नमूने भी एकत्र किए

10 घंटे से ज्यादा समय तक चली तलाशी

टीमों ने घर से बेड, गद्दे, कंबल, तकिए और अन्य सामान जब्त किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हासन सिटी पुलिस के साथ मिलकर चलाया गया तलाशी अभियान 10 घंटे से ज्यादा समय तक चला। टीम ने तलाशी के दौरान उंगलियों के निशान के नमूने भी एकत्र किए। एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना ने हाल ही में एक वीडियो जारी किया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि वह भारत वापस आएंगे और 31 मई को एसआईटी के सामने पेश होंगे। सूत्रों के अनुसार, हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना के भारत पहुंचते ही एसआईटी एयरपोर्ट से उसे हिरासत में लेने की तैयारी कर रही है। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा था कि प्रज्वल रेवन्ना की गिरफ्तारी का फैसला एसआईटी लेगी।

31 मई को भारत लौटने की संभावना

विशेष जांच दल (एसआईटी) के सूत्रों के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना के 31 मई की सुबह बंगलूरु पहुंचने की संभावना है। इस दौरान एसआईटी की टीम केम्पेगौड़ा एयरपोर्ट पर तैनात रहेंगे। अबतक प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ दो मामले दर्ज हैं। इस मामले की जांच कर रही एसआईटी ने दो लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों आरोपियों की पहचान नवीन गौड़ा और चेतन गौड़ा के तौर पर की गई थी। इन दोनों पर प्रज्वल से जुड़े वीडियो वाली पेन ड्राइव को वितरित करने का आरोप है।

मोदी के मौन व्रत पर निर्वाचन आयोग पहुंची कांग्रेस

नई दिल्ली, 29 मई (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 मई की शाम से 1 जून की शाम तक कन्याकुमारी के रॉक मेमोरियल पहुंचकर ध्यान लगाएंगे। इस खबर के बाद विपक्ष हमलावर हो गया। कांग्रेस नेता वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिघवी की अगुवाई में एक प्रतिनिधि मंडल आज चुनाव आयोग पहुंचकर इस संबंध में आपत्ति दर्ज कराई। सिघवी ने बताया कि उन्होंने चुनाव आयोग से कहा है कि प्रधानमंत्री के 48 घंटे के मौन काल में किसी को भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रचार करने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। कोई भी नेता कुछ भी करे लेकिन प्रतिबंधित समय में प्रचार नहीं होना चाहिए। उन्होने कहाकि चुनाव आयोग से शिकायत की गई है कि प्रधानमंत्री ने घोषणा की है, वे 30 मई की शाम से 1 जून की शाम तक मौन व्रत पर रहेंगे। यह चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है। यह प्रचार जारी रखने या खुद को सुर्खियों में बनाए रखने का हथकंडा है। सिघवी ने कहा कि यह मौन व्रत सातवें और अंतिम चरण के मतदान के समाप्त होने के बाद शुरू होना चाहिए।

खुद को सुर्खियों में बनाए रखने का हथकंडा बताया

ओडिशा को लूटने वालों को जेल भेजा जाएगा : मोदी

बारीपदा, 29 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि ओडिशा में कांग्रेस और बीजू जनता दल (बीजद) शासन के दौरान हुए सभी भ्रष्टाचार के मामलों की जांच की जाएगी और राज्य को लूटने वालों को जेल भेजा जाएगा, यह 'मोदी की गारंटी' है। श्री मोदी ने कांग्रेस और बीजद दोनों पर राज्य में गरीबी के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया है।

■ कांग्रेस व बीजद के शासन काल में हुए भ्रष्टाचार के मामलों की जांच होगी

केजरीवाल की अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाने की याचिका नामंजूर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने केजरीवाल की अंतरिम जमानत अवधि सात दिन बढ़ाने की मांग वाली याचिका को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। सीएम ने पीईटी-सीटी स्कैन समेत मेडिकल जांच कराने के लिए अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने की मांग की थी।

सात चरणों के चुनाव में बीस फीसदी आपराधिक पृष्ठभूमि के उम्मीदवार

अपराधियों को टिकट देने में भाजपा सबसे आगे

■ जोगेन्द्र सोलंकी

नई दिल्ली, 29 मई (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव के सातों चरणों में एडीआर की बहुप्रतिक्षित रिपोर्ट बुधवार को जारी हो गई जिससे पता चलता है कि किस दल ने अपराधिक छवि के कितने उम्मीदवारों का टिकट दिया इनमें कितनों के खिलाफ अपराधिक मामले है और कितने गंभीर अपराधों में लिप्त है। भाजपा से चुनाव लड़ने वाले अपराधिक पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों की तादाद सबसे ज्यादा है। एक से सात चरण के लिए चुनाव लड़ने वाले 8360 उम्मीदवारों में से 1333 राष्ट्रीय दलों से हैं, 532 राज्य दलों से हैं, 2580 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों से हैं और 3915 उम्मीदवार स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रहे हैं। एडीआर ने इस लोकसभा चुनाव लड़ रहे 8337 उम्मीदवारों का विश्लेषण किया जिनमें से 1643 (20 फीसदी) उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। आपराधिक मामलों में पार्टीवार उम्मीदवारों के विश्लेषण से खुलासा हुआ है कि भाजपा के 440 उम्मीदवारों में से 191 (43 फीसदी), कांग्रेस के 327 उम्मीदवारों में से 143 (44 फीसदी), बसपा के 487 उम्मीदवारों में से 63 (13 फीसदी), सीपीआई (एम) द्वारा मैदान में उतारे गए 52 उम्मीदवारों में से 33 (63 फीसदी) और 3903 निर्दलीय उम्मीदवारों में से 550 (14 फीसदी) ने अपने हलफनामों में अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। भाजपा के 440 उम्मीदवारों में से 130 (30 फीसदी), कांग्रेस के 327 उम्मीदवारों में से 88 (27 फीसदी), बसपा के 487 उम्मीदवारों में से 48 (10 फीसदी) ने अपने हलफनामों में अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

■ 440 में से 191 उम्मीदवारों पर अपराधिक मामलें दर्ज

देश

उवाच

भाजपा ने 2014 में सत्ता में आने के बाद फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य और किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था, लेकिन यह ऐसा कुछ भी नहीं कर पाए। भाजपा ने जरूरी चीजों की कीमतें न बढ़ने देने और दो करोड़ लोगों को रोजगार देने का भी वादा किया था लेकिन यह वादा भी पूरा नहीं कर पाए।

-वी.के.पांडियन, बीजद के नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	41.0	31.0
मुंबई	31.0	30.0
कोलकाता	22.0	19.0
चेन्नई	32.0	30.0

लोस चुनाव के बाद बढ़ेंगी लालू-तेजस्वी की मुश्किलें

- कोर्ट ने सीबीआई को दिया अंतिम चार्जशीट दाखिल करने का निर्देश
- जमीन के बदले नौकरी मामले में सात जून को होगी सुनवाई

पटना, 29 मई (देशबन्धु)। लालू यादव और राबड़ी देवी से जुड़े जमीन के बदले नौकरी से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई टल गई है। कोर्ट ने सीबीआई को कन्क्लूडिंग चार्जशीट दाखिल करने के लिए समय दे दिया है। अब इस मामले में अगली सुनवाई आगामी सात जून को होगी। लालू परिवार पर आरोप है कि उन्होंने जमीन लेकर लोगों को रेलवे में नौकरी दी है। लालू यादव पर आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2004-2009 के दौरान तत्कालीन केंद्रीय रेलमंत्री (लालू यादव) ने ग्रुप डी पद पर अलग-अलग पदों पर नियुक्ति के बदले में अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर जमीन लेकर उनसे आर्थिक लाभ प्राप्त किया है। सीबीआई ने यह भी आरोप लगाए हैं कि रेलवे में की गई भर्तियां भारतीय रेलवे के मानकों के दिशा-निर्देशों के अनुरूप नहीं थीं।

चार्जशीट दाखिल करने का समय मांगने के बाद टली सुनवाई

दरअसल, लैंड फॉर जॉब मामले में बुधवार को राऊज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई होनी थी। लेकिन सीबीआई द्वारा चार्जशीट दाखिल करने का समय मांगने के बाद सुनवाई टल गई। अब कोर्ट ने सीबीआई को आखिरी और कन्क्लुडिंग चार्जशीट दाखिल करने के लिए सात जून तक का वक्त दे दिया है। इसके बाद ऐसा माना जा रहा है कि अब इस मामले में लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। उधर, कोर्ट ने इस बात पर नाराजगी भी जताई है और सबीआई के यह कहने कि चार्जशीट दाखिल किए जाने के अंतिम चरण में है। कोर्ट ने कहा कि हर बार सुनवाई पर यही कहा जाता है। इस मामले में ईडी ने लालू प्रसाद यादव के अलावा उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती, बेटे तेजस्वी यादव आदि को पूछताछ के लिए बुला चुकी है। इस मामले में इडी द्वारा लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बड़ी बेटी मीसा भारती और बेटे तेजस्वी यादव समेत कई लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। जांच एजेंसी पहले ही इस मामले में लालू प्रसाद यादव समेत 17 लोगों के खिलाफ जांच कर रही है।

ग्रुप डी की नौकरी के लिए ली थी जमीन

आरोप है कि लालू यादव के रेल मंत्री रहने के दौरान 2004 से 2009 के बीच विभिन्न रेलवे डिवीजनों में ग्रुप डी के विभिन्न पदों पर नियुक्ति के लिए जमीन ली गई थी। लालू यादव ने इस जमीन को अपने परिवार के सदस्यों और संबंधित कंपनी एके इंफोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर स्थानांतरित करने के रूप में नौकरी लेने वाले से वित्तीय लाभ प्राप्त किया था। इसके साथ ही सीबीआई ने यह भी आरोप लगाया है कि रेलवे में इस तरह की नियुक्तियों के लिए तय दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया गया है। इन नियुक्तियों के लिए न तो विज्ञापन जारी किए गए और न ही कोई सार्वजनिक सूचना जारी की गई। फिर पटना में रहने वाले नियुक्त लोगों को देश के विभिन्न शहरों में पदस्थापित कर दिया गया।

जम्मू-कश्मीर में प्रचंड गर्मी के बीच पारा 47 के पार

जम्मू, 29 मई (देशबन्धु)। प्रचंड गर्मी इस बार जम्मू कश्मीर में भी नए रिकार्ड बना रही है। जम्मू संभाग के कई इलाकों में पारा 47 डिग्री को पार कर रहा है और लोगों की बदनसीबी यह है कि इतनी गर्मी में भी 8 से 10 घंटों की बिजली कटौती उन्हें सहन करने को मजबूर होना पड़ रहा है। यही नहीं, भीषण गर्मी और बिजली की आंख मिचौनी के बीच बिजली

विभाग अभी भी कई इलाकों में इस वायदे के साथ स्मार्ट मीटर लगाने की मुहिम छेड़े हुए है कि इनकी स्थापना के उपरांत 24 घंटे बिजली मिलेगी। इस वायदे की सच्चाई यह है कि तीन सालों से यह वादाखिलाफी खुद बिजली विभाग कर रहा है जो भयानक सर्दी और फिर भयानक गर्मी में 24 घंटे बिजली आपूर्ति करने के वायदों से मुकरने के लिए कई कारण गिना दे रहा है। और हर बार घोषित व अघोषित बिजली कटौती के समय कसे बढ़ा देता है। हालत यह है कि प्रचंड गर्मी के कारण बाजार सुने पड़े हुए हैं और पहाड़ आने वालों की गर्मी से दहकने लगे हैं। लोगों की दौड़ पहाड़ीस्थलों की ओर तो है पर वहां भी उन्हें बिजली कटौती के साथ ही प्रकृति की बेरहमी सहन करने को मजबूर होना पड़ रहा है। यह इसी से स्पष्ट है कि क्षमता से अधिक भरे हुए कश्मीर के पर्यटनस्थलों पर जाने वालों को भी बिजली कटौती और तापमान में वृद्धि का स्वाद चखना पड़ रहा है। जम्मू-कश्मीर में बढ़ती गर्मी को देखते हुए जम्मू कश्मीर प्रशासन ने जम्मू संभाग के ग्रीष्मकालीन क्षेत्र में सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों के लिए एक जून से 46 दिनों की ग्रीष्मकालीन छुट्टी की घोषणा जरूर की है। और जम्मू के जिला मजिस्ट्रेट ने क्षेत्र में हो रही भीषण गर्मी का हवाला देते हुए दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच किसी भी वाहन को खींचने या भार ढोने के लिए पशुओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है।

पाकिस्तान के एटम बम से डराते हैं कांग्रेसी : अमित शाह

लखनऊ/सोनभद्र, 29 मई (देशबन्धु)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि कांग्रेसी देश को पाकिस्तान के एटम बम का भय दिखाते हैं लेकिन भारतीय जनता पार्टी की मजबूत सरकार के होते जनता पड़ोसी देश के बम से नहीं डरती। सोनभद्र के चोपन क्षेत्र में राबर्ट्सगंज लोकसभा सीट से एनडीए गठबंधन प्रत्याशी रिंकी कोल व दुद्धी विधानसभा उप चुनाव के भाजपा प्रत्याशी श्रवण सिंह गोड़ के लिए आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस वाले हमे डराते हैं और कहते हैं कि पाकिस्तान के पास एटम बम है।

एनडीए गठबंधन प्रत्याशी के समर्थन में की मतदान की अपील

पीओके की बात मत करो, हम भाजपा वाले एटम बम से नहीं डरते हैं। पीओके भारत का है, रहेगा और हम इसको लेकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कश्मीर में तिरंगा फहराने का काम किया और आतंकवाद को समाप्त करने का काम किया। कांग्रेस के शासन में दस साल तक आलिया, मालिया, जमालिया भारत में घुस जाते थे और बम धमाके करते थे। कोई कुछ नहीं कर पता था। मोदी सरकार में पुरी और पुलवामा हमला हुआ तो आतंकवादियों के घर में घुस कर उनका खात्मा किया गया। पूर्वांचल को भाजपा ने मच्छर और माफिया से मुक्त करवा दिया। एक समय में यूपी में देशी कट्टे बनते थे लेकिन आज ब्रह्मोस मिसाइल और तोप के गोले बन रहे हैं। कट्टे की जगह डिफेंस कॉरिडोर और बूचड़ खानों की जगह गोशालाएं बन रही हैं।

आतंकवाद व नक्सलवाद का किया खत्मा

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा मोदी ने देश को सुरक्षित किया है। आतंकवाद और नक्सलवाद को खत्म किया। शाह ने कहा कि यह चुनाव राम भक्तों पर गोली चलाने वालों और राम का मंदिर बनाने वालों के बीच है। सोनभद्र में सपा ने अवैध खनन कराकर आदिवासियों का हक छीना है। नरेंद्र मोदी ने अलग से फंड बनाया है जो खनन से आए धन से आदिवासियों के विकास के काम आ रहा है। भाजपा ने गरीबों के लिए काम किया। सपा और कांग्रेस ने 12 लाख करोड़ के घोटाले किए। उन्होंने कहा कि सपा के शासन में उत्तर प्रदेश में माफिया परेशान करते थे। 2022 में भाजपा की सरकार बनी और यूपी में योगी मुख्यमंत्री बने और उन्होंने माफियाओं को उल्टा लटकाने का काम किया।

सार संक्षेप

राजौरी में एलओसी के पास वन क्षेत्र में लगी भीषण आग

जम्मू। जम्मू क्षेत्र के कुछ हिस्सों में गर्मी के प्रकोप के बीच राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा के पास वन क्षेत्र में विनाशकारी आग लगने की रिपोर्टें हैं। मंगलवार को राजौरी जिले के सावनी सस्सालकोटे वन क्षेत्र में आग लग गई व तेज हवाओं के कारण आसपास के इलाकों में फैल गई। आग पर काबू पाने के लिए वन विभाग और वन सुरक्षा बल ने अभियान शुरू किया है। बढ़ते तापमान के कारण क्षेत्र के कुछ हिस्सों में वन बेल्ट से प्रतिदिन लगभग 12 से 15 आग की घटनाएं सामने आ रही हैं।

मणिपुर में बाढ़ से हजारों घर जलमग्न

इम्फाल। मणिपुर में 27 मई को आए चक्रवाती तूफान 'रेमल' के कारण राज्य भर में हजारों घर बाढ़ में डूब गए। ऐतिहासिक कंगला किला भी पानी में डूब गया है। इसी बीच, पुलिस और स्वयंसेवकों ने बाढ़ प्रभावित घरों से बुजुर्गों तथा बच्चों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके ने कहा कि पिछले 48 घंटों में चक्रवात रेमल के कारण लगातार बारिश ने मणिपुर के लोगों के जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। राज्य के निचले इलाके जलमग्न हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय राजमार्ग 24 और अन्य प्रमुख रास्ते बाधित हैं। इससे पूरे राज्य में वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हुई है।

चंद्रबाबू नायडू अमेरिका से हैदराबाद लौटे

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू बुधवार को अमेरिका से हैदराबाद लौटे। राज्य में मतदान होने के बाद नायडू अमेरिका की यात्रा पर गए थे। पार्टी अध्यक्ष का राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। पार्टी सूत्रों के अनुसार नायडू और उनकी पत्नी 19 मई को आंध्र प्रदेश में मतदान के बाद अमेरिका चले गए थे।

सड़क दुर्घटना में परिवार के छह सदस्यों की मौत

सांगली। महाराष्ट्र में सांगली जिले के तासगांव तहसील में चिचानी तासगांव-मनेराजुरी मार्ग पर बुधवार तड़के सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौके पर मौत हो गई जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना बुधवार तड़के जिले के तासगांव-मनेराजुरी मार्ग पर तब हुई, जब एक ही परिवार के सदस्य कवठे-महांकाल तहसील के कोकाले गांव में एक रिश्तेदार के जन्मदिन में शामिल होने के बाद कार से लौट रहे थे। उसी दौरान तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर तासरी नहर में जा गिरी। दो महिलाओं और तीन बच्चों सहित एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई।

मप्र में गरीबी ने परिवारों को अवसाद में धकेला : कांग्रेस

भोपाल, 29 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में एक युवक द्वारा अपने परिवार के आठ सदस्यों की हत्या के बाद

- छिंदवाड़ा की घटना को लेकर पटवारी ने भाजपा सरकार को घेरा

आत्महत्या करने के मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि राज्य में बेरोजगारी और गरीबी ने परिवारों को अवसाद में धकेल दिया है। पटवारी ने एक्स पर की गई अपनी पोस्ट में आरोप लगाया कि जंगलराज की पराकाष्ठा को पार कर चुका मध्यप्रदेश कानून व्यवस्था के सबसे निचले स्तर पर आ चुका है। गरीबी, बेरोजगारी और आर्थिक तंगी ने बड़ी संख्या में परिवारों को तनाव और अवसाद में धकेल दिया है। महंगाई ने ग्रामीण इलाकों को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। दिखावे की तमाम सरकारी योजनाएं सिर्फ कागजों में ही गरीबी दूर करने का दावा कर रही हैं। जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। भाजपा सरकार ने पूर्व में 'आनंद विभाग' खोलने की नौटंकी करके उसमें कई अधिकारियों व कर्मचारियों की नियुक्ति की थी, लेकिन इसकी असफलता का इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रदेश के लोगों को आनंद की अनुभूति तो हुई नहीं, उलटा आत्महत्याओं का ग्राफ बढ़ा है।

उल्टा चोर कोतवाल को डांटे : महबूबा

- मतदान के दिन प्रदर्शन करने पर दर्ज हुई एफआई पर बोलीं पीडीपी प्रमुख

श्रीनगर, 29 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती के खिलाफ अनंतनाग राजौरी लोकसभा सीट पर मतदान के दिन आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के उल्लंघन के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। अनंतनाग राजौरी सीट के लिए पीडीपी की उम्मीदवार मुफ्ती ने 25 मई को अनंतनाग जिले के एक थाने के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव की पूर्व संध्या पर उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं और मतदान एजेंटों को हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने अपने खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने को 'सत्ता के सामने सच बोलने की पीडीपी द्वारा चुकाई गई कीमत' बताया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह देखना दिलचस्प है कि मेरे खिलाफ आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई है। मुफ्ती ने कहा कि उल्टा चोर कोतवाल को डांटे। गौरतलब है कि यह

प्राथमिकी मुफ्ती के आचार संहिता उल्लंघन पर सहायक निर्वाचन अधिकारी श्रीगुफवारा बिजबेहरा की ओर से दर्ज की गयी शिकायत पर आधारित है। शिकायत में कहा गया है कि 25 मई को समुफ्ती के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पीडीपी कार्यकर्ता बिजबेहरा शहर में एकत्र हुए और पीडीपी कार्यकर्ताओं को रिहा करने के लिए नारे लगाए, जो आचार संहिता का घोर उल्लंघन था।

आरोप है कि पीडीपी कार्यकर्ताओं के विशाल समूह ने मुख्य सड़क को भी अवरुद्ध कर दिया और मुख्य बिजबेहरा में एक घंटे से अधिक समय तक विरोध-प्रदर्शन किया, जो धारा 144 का उल्लंघन था। पुलिस को दी गई शिकायत में कहा गया है, सीआरपीसी की धारा 144 के

सत्ता के सामने सच बोलने की चुकाई है कीमत

पीडीपी प्रमुख ने कहा कि सत्ता के सामने सच बोलने की पीडीपी ने यह कीमत चुकाई है। हमारा विरोध स्थानीय प्रशासन के साथ मिलीभगत करके मतदान से पहले पीडीपी के सैकड़ों पोलिंग एजेंटों और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेने के खिलाफ था। फिर भी संतुष्ट न होने पर, उसी प्रशासन ने हमारे मतदाताओं को आतंकित करने और उन्हें वोट देने के अधिकार का प्रयोग करने से रोकने के लिए पारंपरिक पीडीपी के गढ़ वाले क्षेत्रों में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू कर दिया।

अनुसार, आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के दौरान चार जून तक चार लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध है। इसलिए, उपरोक्त आदेश का उल्लंघन करते हुए, यह अनुरोध किया जाता है कि मैडम महबूबा मुफ्ती के साथ-साथ उनके कार्यकर्ताओं के खिलाफ नियमों के तहत आवश्यक कार्रवाई शुरू की जाये, जिनकी संबंधित पुलिस प्राधिकरण ने पहचान की है।

नियंत्रण रेखा के पास दिखा पाकिस्तानी ड्रोन

जम्मू, 29 मई (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने मंगलवार की देर रात जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन की गतिविधि देखकर गोलीबारी की। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक बीएसएफ के जवानों ने खानेतर गैरीसन इलाके में नियंत्रण रेखा के पार से संदिग्ध ड्रोन की गतिविधि देखी। जवानों ने ड्रोन की ओर कुछ राउंड गोलियां चलायी। उन्होंने बताया कि इलाके की घेराबंदी कर दी गयी है और बुधवार सुबह इलाके में तलाश अभियान शुरू किया गया। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हाल ही में भारतीय क्षेत्र में ड्रोन के प्रवेश की सूचना देने वाले किसी भी व्यक्ति को तीन लाख रुपए का नकद इनाम देने की घोषणा की है।

- बीएसएफ ने की गोलीबारी

बिहार में गर्मी से सैकड़ों बच्चे बेहोश

- घटना के बाद नीतीश कुमार ने स्कूलों को बंद करने के दिए निर्देश

पटना, 29 मई (देशबन्धु)। भीषणतम गर्मी में सरकारी स्कूलों को खुला रखने के तुगलकी फरमान से बुधवार को बिहार के सरकारी स्कूल में सैकड़ों बच्चों की जान पर आफत आई। सरकारी स्कूलों में सैकड़ों बच्चों बेहोश होकर गिर पड़े। पूरे बिहार में हाहाकार के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नींद टूटी है। नीतीश कुमार ने मुख्य सचिव को कहा है कि सरकारी स्कूलों को फिलहाल बंद कर दिया जाये, लेकिन सवाल ये उठ रहा है कि क्या केके पाठक बिहार के मुख्यमंत्री की बात मानेंगे। नीतीश कुमार के कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक सीएम ने कहा है कि भीषण गर्मी और भयंकर लू की चपेट से बिहार में आपदा की स्थिति बन गई है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव

कई जगहों पर शिक्षक भी हीट स्ट्रोक से हुए बेहोश

बता दें कि भीषण गर्मी, लू और उमस के कारण बिहार के सरकारी स्कूलों में बुधवार को 100 से ज्यादा छात्र-छात्राएं बीमार हो गए। इनमें से कई बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। इससे स्कूलों में अफरातफरी मच गई। कई जगहों पर शिक्षक और अन्य कर्मचारी भी हीट स्ट्रोक से बेहोश हो गए। अभिभावकों में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक के खिलाफ रोष बढ़ता जा रहा है।भीषण गर्मी और लू के बावजूद स्कूलों में न तो छुट्टी की जा रही है और न ही समय में बदलाव किया जा रहा है।

ब्रजेश मेहरोत्रा को निर्देश दिया है कि वे जरूरत के मुताबिक सरकारी स्कूलों को बंद करने के लिए उचित कार्रवाई करें ताकि स्कूली बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित न हो।

मुख्यमंत्री ने भयंकर लू और भीषण गर्मी को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग के क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप की बैठक आयोजित करने को भी कहा है ताकि सरकार गर्मी और लू से पीड़ित लोगों की मदद कर सके। वैसे सवाल ये उठ रहा है कि केके पाठक राज्य के मुख्यमंत्री की बात मानेंगे। बिहार के मुख्यमंत्री विधानसभा में खडे होकर जो घोषणा करते रहे हैं उसे केके पाठक ठेंगा दिखाते रहे हैं।

जितेंद्र आव्हाड की हो गिरफ्तारी : उमेश

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-अजित पवार (राकांपा-अप) ने बुधवार को मांग की कि महाराष्ट्र सरकार को डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की तस्वीर फाड़ने और उसे रौंदने के आरोप में प्रतिद्वंद्वी राकांपा (शप) नेता जितेंद्र आव्हाड के खिलाफ तत्काल मामला दर्ज करके उन्हें गिरफ्तार करना चाहिए।

पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के मुख्य प्रवक्ता उमेश पाटिल ने कहा कि मनुस्मृति जलाने के नाम पर जितेंद्र आव्हाड ने डॉ. अंबेडकर की तस्वीर फाड़ दी और उसे रौंद दिया। उन्होंने आव्हाड को रायगढ़ जिले के महाड में कथित तौर पर मनुस्मृति जलाने का स्टंट करके राज्य में माहौल खराब करने के लिए जिम्मेदार ठहराया। डॉ. अंबेडकर की तस्वीर फाड़ने के लिए आव्हाड के खिलाफ राकांपा (शप) अध्यक्ष शरद पवार क्या कार्रवाई करने जा रहे हैं, मांग की कि उन्हें पार्टी से निकाल दिया जाना चाहिए।

गुजरात के 26 मतगणना केंद्रों पर आवश्यक तैयारियां हुईं पूरी : भारती

गांधीनगर, 28 मई (एजेंसियां)। गुजरात की मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी. भारती ने मंगलवार को कहा कि राज्य के 26 मतगणना केंद्रों पर आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पी. भारती की अध्यक्षता में लोकसभा आम चुनाव-2024 एवं गुजरात विधानसभा उपचुनाव की मतगणना के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आज समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक में राज्य के 26 मतगणना केंद्रों के साथ राज्य पुलिस के नोडल अधिकारी और सभी जिला निर्वाचन अधिकारी भी शामिल हुए और चार जून को होने वाली मतगणना की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

उन्होंने कहा कि राज्य के सभी 26 केंद्रों पर चार जून को सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू होगी। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी मतदान केन्द्रों पर आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। आणंद लोकसभा क्षेत्र में दो मतगणना केंद्र जबकि अन्य सभी लोकसभा क्षेत्रों में एक-एक मतगणना केंद्र पर वोटों की गिनती चार जून को सुबह आठ बजे से शुरू की जाएगी।

पूरी मतगणना प्रक्रिया के दौरान 56 मतगणना पर्यवेक्षक, 30 चुनाव अधिकारी और 180 सहायक चुनाव अधिकारी ड्यूटी पर रहेंगे। इसके अलावा लगभग 614 अतिरिक्त सहायक चुनाव अधिकारियों को डाक मतपत्र और इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रसारित डाक मतपत्र प्रणालियों के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है। दो जून तक मतगणना के लिए सभी पर्यवेक्षक ड्यूटी स्थल पर उपस्थित हो जायेंगे। प्रत्येक मतगणना टेबल पर एक माइक्रो ऑब्जर्वर, एक मतगणना पर्यवेक्षक एवं एक मतगणना सहायक की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा काउंटिंग हॉल में दो माइक्रो ऑब्जर्वर रखे जायेंगे और पूरी मतगणना प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाएगी।

उम्मीद *जम्मू-कश्मीर में पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों की बल्ले-बल्ले*

मध्य मई तक दस लाख से अधिक पर्यटकों ने किया घाटी का रुख

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 29 मई (देशबन्धु)। कश्मीर की इस बार बल्ले-बल्ले हो रही है क्योंकि 15 मई तक इस साल अभी तक 10 लाख टूरिस्ट कश्मीर का दौरा कर नया रिकार्ड कायम कर चुके हैं और पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों को उम्मीद है कि इस साल एक नया रिकार्ड कायम हो सकता है। इस उम्मीद को अगले कई महीनों के लिए चल रही फुल बुकिंग पंख लगा रही है।

यह पूरी तरह से सच है कि मध्य मई तक दस लाख से अधिक पर्यटक कश्मीर आ चुके हैं। ऐसे में जम्मू-कश्मीर प्रशासन इस साल पर्यटकों की रिकार्ड तोड़ संख्या के लिए तैयार है। कश्मीर में इस साल पर्यटन में उछाल देखा जा रहा है और विदेशी पर्यटकों की अच्छी-खासी आमद हो रही है।

इस सीजन में होटल, हाउसबोट और होमस्टे पूरी तरह से भरे हुए हैं। कश्मीर पर्यटन निदेशक राजा याकूब के शब्दों में, मई के मध्य तक हमें दस

- इस साल एक नया रिकॉर्ड कायम होने की उम्मीद

लाख से अधिक पर्यटक मिल चुके हैं। पिछले साल की तुलना में इस साल विदेशी पर्यटकों की अच्छी आमद के साथ यह अच्छा सीजन है। पर्यटन निदेशक कहते थे कि सर्दियों, वसंत और गर्मियों में अब तक पर्यटकों की निरंतर आमद को देखते हुए उन्हें पिछले रिकार्ड को पार करने की उम्मीद है। उनका कहना था कि इस साल पर्यटकों की भारी आमद का पिछले साल का रिकॉर्ड टूट जाएगा। हम इस साल रिकार्ड तोड़ने वाली संख्या के लिए तैयार हैं। याकूब कहते थे कि मुख्य पर्यटन स्थलों के अलावा दकसुम, दूधपथरी और अन्य आफबीट जगहों पर भी इस साल अच्छी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं। याकूब के बकौल, अच्छी बात यह है कि हम देख रहे हैं कि पर्यटक कश्मीर में आफबीट डेस्टिनेशन की खोज कर रहे हैं। दकसुम से लेकर दूधपथरी, केरन और अन्य जगहों पर पर्यटक जाना पसंद करते हैं।

पर्यटन निदेशक के दावों का समर्थन ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन आफ कश्मीर ने भी किया है, जिसका दावा है कि गर्मी के मौसम में कश्मीर, भारत और दुनिया भर के पर्यटकों की बुकिंग से भरा हुआ है। हम इस समय पर्यटकों की निरंतर आवाजाही देख रहे हैं। हमें उम्मीद है कि यह प्रवाह बाकी महीनों में भी जारी रहेगा और हम पिछले पर्यटन रिकॉर्ड को तोड़ने की उम्मीद कर रहे हैं। कश्मीर में इस समय गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु से बड़ी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं, जहां इस मौसम में तापमान असामान्य रूप से अधिक है। ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन आफ कश्मीर के अनुसार, इस समय गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और चेन्नई से पर्यटकों की अधिक आवाजाही देखी जा रही है। कश्मीर को बंगलौर से भी अच्छी संख्या में पर्यटक मिल रहे हैं। जबकि होटल व्यवसायियों का कहना था कि वर्तमान में जून के दूसरे सप्ताह तक सभी होटल बुक हैं। होटल व्यवसायी वहीद अहमद बजाज कहते थे कि हमारे पास अभी 100 प्रतिशत आक्यूपेंसी है। जून के दूसरे सप्ताह में महाराष्ट्र और गुजरात में गर्मी की छुट्टियां खत्म हो जाएंगी, इसलिए जून से हमें नई दिल्ली और पंजाब से पर्यटक मिलेंगे।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

मास्टर जी : संगठन में ही शक्ति है का एक अच्छा सा उदाहरण दो...!
छात्र : जेब में एक बीड़ी हो तो टूट जाती है और पूरा बंडल हो तो नहीं टूटता...!
बेचारे मास्टर जी अब तक बेहोश हैं...!

राजधानी में कामगारों को तीन घंटे तक मिलेगी काम से छुट्टी

भीषण गर्मी को देखते हुए उपराज्यपाल ने दिया आदेश

नई दिल्ली, 29 मई (देशबन्धु)। देश की राजधानी दिल्ली में गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। मंगलवार को पहली बार दिलली के तीन क्षेत्र नजफगढ़, नरेला और मुंगेशपुर में तापमान 50 डिग्री के करीब दर्ज किया गया। इस स्थिति को देखते हुए बुधवार को दिल्ली के उपराज्यपाल ने गर्मी से बचाव के लिए कई अहम फैसले लिए हैं। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने भयंकर गर्मी को देखते हुए लेबर एवं श्रमिकों के लिए दोपहर 12-3 बजे सवेतन छुट्टी रखने के आदेश दिए हैं। उपराज्यपाल कार्यालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि इतनी भीषण गर्मी में भी 'समर हीट एक्शन प्लान' के लिए अभी तक मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल या उनके मंत्रियों द्वारा अभी तक कोई कदम नहीं उठाए गए हैं, उपराज्यपाल ने इसकी आलोचना की है। गर्म हवाओं के थपेड़ों से बचाव के लिए एलजी द्वारा लिए गए फैसलों में

भीषण गर्मी में समर हीट एक्शन प्लान के लिए दिल्ली सरकार ने अभी तक नहीं उठाए कोई कदम : वीके सक्सेना

कहा गया है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने श्रमिकों के लिए दोपहर में छुट्टी का प्रावधान 20 मई ही लागू कर दिया है। लेकिन दिल्ली सरकार के तहत आने वाली दिल्ली जल बोर्ड, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम अब तक ऐसा नहीं कर रहीं। अपने आदेश में उपराज्यपाल ने साफ किया है कि इस तीन घंटे की छुट्टी के दौरान श्रमिकों के वेतन में कटौती नहीं होगी। दिल्ली में गर्मी और हीट वेव जारी है। मौसम विभाग ने लू का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, राजधानी के तीन केंद्रों पर तापमान 50 डिग्री के पास पहुंच गया। विभाग ने कहा कि अभी कम से कम दो दिन प्रचंड गर्मी और लू से लोगों को राहत नहीं मिलने वाली है।

बस स्टैंड पर घड़ों में पानी रखने के निर्देश

उपराज्यपाल ने समर हीट ऐक्शन प्लान मुख्य सचिव को तत्काल बैठक करने के निर्देश जारी करते हुए निर्माण स्थलों पर श्रमिकों के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी, नारियल पानी उपलब्ध कराने और बसों के लिए धूप में इंतजार कर रहे यात्रियों और पैदल यात्रियों को राहत देने के लिए बस स्टैंड पर घड़ों में पानी रखने का निर्देश भी दिया है। इसके अलावा गरीब श्रमिकों को लू से बचाने के लिए छाया, कूलर की व्यवस्था की जाए साथ ही एसटीपी का पानी सड़कों पर छिड़ने के लिए लगाया जाना चाहिए। उपराज्यपाल ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि तत्काल सभी कार्य विभागों के अधिकारियों की बैठक बुलाएं-पीडब्ल्यूडी को, डीजेबी, आई एंड एफसी, एमसीडी, एनडीएमसी, बिजली विभाग, डीयूएसआईबी को श्रमिकों और कर्मचारियों को अत्यधिक गर्मी से बचाने के निर्देश दिए जाए। साथ ही उन्होंने पीने के पानी के साथ मिट्टी के बर्तनों का भी निर्देश दिया है।

आयानगर के 1967 से 2023 तक के अधिकतम तापमान के आंकड़े को देखें तो 28 मई 1988 को 47.4 डिग्री और 11 जून 2019 को तापमान 47 दर्ज किया गया। जबकि गत मंगलवार को 47.6 दर्ज किया गया। वहीं, रिज में मंगलवार को तापमान 47.5 दर्ज किया गया, जो ऑल टाइम रिकॉर्ड बना।

शोरूम की पहली वर्षगांठ पर रक्तदान शिविर आयोजित

नई दिल्ली, 29 मई (देशबन्धु)। खूबसूरत ज्वेलरी के लिए मशहूर किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने नई दिल्ली के द्वारका में अपने एक्सक्लूसिव शोरूम के एक साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस खास मौके पर कंपनी ने द्वारका के लोगों का शुक्रिया अदा करने के लिए एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिन्होंने इस पूरे सफर में हमेशा अपना समर्थन प्रदान किया है। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा कि जैसा कि हम नई दिल्ली के द्वारका में अपने एक्सक्लूसिव शोरूम की पहली वर्षगांठ मना रहे हैं, हमें इस रक्तदान शिविर के माध्यम से अपने समुदाय की भलाई में योगदान करने का सम्मान प्राप्त हो रहा है। किसना में, हम आभूषणों से परे समाज में एक महत्वपूर्ण प्रभाव डालने में विश्वास करते हैं, और यह पहल हमारी सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के डायरेक्टर, श्री पराग शाह ने कहा कि आज, दिल्ली के द्वारका में हमारे एक्सक्लूसिव शोरूम की पहली वर्षगांठ मनाते हुए, हम समुदाय को कुछ वापस देने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहरा रहे हैं। यह रक्तदान शिविर करुणा और एकजुटता के हमारे मूल्यों का प्रमाण है, जो आभूषण की दुनिया से अलग एक सकारात्मक प्रभाव बनाने के हमारे निरंतर मिशन को दर्शाता है। किसना के फ्रेंचाइजी पार्टनर अमित बंसल एवं श्री बिन्देश खंडेलवाल ने कहा की दिल्ली के द्वारका में हमारे शोरूम की पहली वर्षगांठ के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन करना हमें गर्व और आभार से भर देता है।

केजरीवाल के बाद पत्नी सुनीता की बढ़ीं मुश्किलें

दिल्ली हाईकोर्ट में दायर की जनहित याचिका

नई दिल्ली, 29 मई (देशबन्धु)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के खिलाफ सोशल मीडिया पर कोर्ट की सुनवाई के वीडियो क्लिप पोस्ट करने के लिए प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई है। जनहित याचिका अधिवक्ता वैभव सिंह द्वारा दायर की गई है, जिन्होंने कई सोशल मीडिया हैंडल का नाम भी लिया है, जिन्होंने दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट को संबोधित करने के लिए अरविंद केजरीवाल का ऑडियो/वीडियो पोस्ट किया है। सिंह ने घटना की विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा जांच की मांग की है। सिंह ने अपनी याचिका में तर्क दिया है कि केजरीवाल द्वारा 28 मार्च को राउज एवेन्यू कोर्ट को संबोधित करने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) और अन्य विपक्षी दलों से जुड़े कई सोशल

मीडिया हैंडल ने कोर्ट की कार्यवाही की वीडियो/ऑडियो रिकॉर्डिंग बनाई और उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया। 28 मार्च को केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति मामले के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा कोर्ट में पेश किया गया था। केजरीवाल ने व्यक्तिगत रूप से कोर्ट को संबोधित किया और कहा कि ईडी भाजपा के लिए जबरन वसूली का रैकेट चला रहा है।

सिंह के अनुसार सुनवाई खत्म होने के तुरंत बाद कई सोशल मीडिया हैंडल ने कोर्ट की कार्यवाही की ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग को पोस्ट, रीपोस्ट, फॉरवर्ड, शेयर, रीशेयर करना शुरू कर दिया।

सार संक्षेप

फुरो इनोवेशन ने पारिस्थितिक शांति के दृष्टिकोण को समझाया

नई दिल्ली। दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में फुरो इनोवेशन ने संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक दिवस पर भविष्य के लिए फिट, साथ मिलकर बेहतर निर्माण थीम के तहत पारिस्थितिक शांति के लिए अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट किया। संगठन ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि धरती माता के साथ और पारिस्थितिक शांति के बिना कोई भविष्य नहीं है। संगठन ने दिल्ली की एक्यूआई से संबंधित समस्याओं के लिए कुछ इनोवेटिव समाधान और श्वेत पत्र भी साझा किए। संगठन शहीद नायकों को सम्मानित करने तथा महात्मा गांधी के शांति मूल्यों और एक स्वस्थ समाज बनाने में उनकी भूमिका को याद करने के लिए विभिन्न विशेषज्ञ क्षेत्रों के लोगों को एक साथ लाया। संस्थापक रचना शर्मा, जो हार्वर्ड एलुमनी एंटरप्रेन्योर की संस्थापक सदस्य भी रही हैं और हार्वर्ड बिजनेस स्कूल की पूर्व छात्रा हैं, के सक्षम नेतृत्व में प्रेस वार्ता ने इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि एक ऐसे संस्थान की सख्त जरूरत है जो अपने दृष्टिकोण में भविष्यवादी हो और स्पष्ट रूप से परिभाषित प्रक्रियाओं और लक्ष्यों के साथ जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन को संभव बनाने पर केंद्रित हो। संस्थान को सशक्त बनाने के लिए एक अनुरोध सरकार से किया गया है। जिसका एक प्रोटोटाइप वेन डायग्राम ऑफ पीस की मदद से दिखाया गया है। जिसके अनुसार साझा दर्शन की संभावनाएं जो एकता में जलवायु संबंधी मुद्दों में मदद कर सकती हैं। कोई अन्य महाशक्ति हमारी मदद नहीं कर सकती। संगठन की ओर से कहा गया कि हमारी शक्ति हमारे भीतर है, यह महात्मा गांधी की शिक्षाओं में है जिसे हम भूल गए हैं। भारत के नागरिकों को जिम्मेदारी लेनी होगी, युवाओं को जिम्मेदारी लेनी होगी।

फिट एंड फ्लेक्स ने अपनी ब्रेकफास्ट सीरियल कैटेगरी लॉन्च की

नई दिल्ली। देश में पोषक और स्वास्थ्यवर्धक उत्पादों के लिए मशहूर अहमदाबाद के प्रसिद्ध एफएमसीजी ब्रांड फिट एंड फ्लेक्स, ने अब 100 प्रतिशत बेक्ड, ओट्स-आधारित ब्रेकफास्ट सीरियल्स और स्नैक्स लॉन्च किए हैं। कंपनी ने ब्रेकफास्ट सीरियल कैटेगरी में विस्तार करते हुए पावर ओट्स पेश किया है। ये ओट्स दो वैरिएंट्स पीनट बटर चॉकलेट और हनी में उपलब्ध हैं, जो आपके ब्रेकफास्ट के एक्सपीरियंस को एक नया आयाम देने के लिए तैयार है। फिट एंड फ्लेक्स के फाउंडर, पथिक पटेल, ने पावर ओट्स के ब्रिकी पर जोर देते हुए कहा कि यहां सबसे बड़ा अंतर यह है कि ये रेडी टू ईट हैं, इसे पकाने की जरूरत नहीं है क्योंकि इन्हें बेक किया गया है। यह विशेषता पावर ओट्स की पौषणता को उजागर करती है, जो पारंपरिक ओट्स उत्पादों में नहीं मिलती।पकाने की आवश्यकता को खत्म करके, पावर ओट्स उन बिजी लोगों को टेंशन फ्री सोल्यूशन देते हैं, जो पौष्टिक नाश्ते के ऑप्शन ढूंढ रहे हैं। यह भारत को अधिक पौष्टिक और स्वादिष्ट ऑप्शन देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। हाल ही में, हमें शार्क टैंक सीजन 3 में दिखाया गया है और हमारे उत्पादों ने शार्क्स से प्रशंसा प्राप्त की, जिससे दर्शकों में उत्साह बढ़ा।

गेमिंग के शौकीनों ने उठाया लुत्फ

नई दिल्ली। नॉडविन गेमिंग वेलोरन चैलेंजर्स साउथ एशिया के साथ साझेदारी करते हुए वेगस मॉल ने 18 और 19 मई को लैन फिनाले का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस मौके पर दिल्ली में गेमिंग स्पिरिट का शानदार प्रदर्शन देखा गया। दो दिनों तक चली लैन फिनाले के दौरान गेमिंग के शौकीनों ने टेक्केन, शतरंज, क्रिकेट और क्लैश ऑफ क्लैन्स जैसे खेलों का लुत्फ उठाया और अपने कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दूसरे दिन समापन समारोह का आयोजन किया गया जहां विजेताओं को पुरस्कारों से नवाजा गया। पूरे कार्यक्रम को नॉडविन गेमिंग के यूट्यूब चैनल पर भी लाइव प्रसारित किया गया, जिससे प्रशंसकों ने इसका लुत्फ उठाया।

पेयजल की किल्लत होना दिल्ली वालों के लिए बड़ी समस्या : देवेंद्र

नई दिल्ली, 29 मई (देशबन्धु)। भीषण गर्मी के बीच दिल्ली में पैदा हुए जल संकट को लेकर कांग्रेस दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने सभी पार्टियों से राजनीति छोड़ समस्या का समाधान निकालने की अपील की है। उनका कहना है कि भीषण गर्मी में पीने के पानी की किल्लत होना दिल्लीवालों के लिए बड़ी समस्या है। यादव ने कहा कि यमुना में जल स्तर कम होने पर दिल्लीवासियों को पानी की समस्या झेलनी पड़ रही है। हरियाणा सरकार को तत्काल यमुना नदी में तजेवाला के पास से पानी को अधिक मात्रा में छोड़ना चाहिए ताकि भीषण गर्मी में पानी की समस्या झेल रहे दिल्लीवालों को राहत मिले। उन्होंने कहा कि पानी की गर्मी में पीने के पानी के लिए तरस रहे लोग को राहत पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार, दिल्ली के

■ **कांग्रेस ने की सभी पार्टियों से राजनीति छोड़ समस्या का समाधान निकालने की अपील**

उपराज्यपाल और दिल्ली सरकार को आपस में समन्वय स्थापित करके यमुना में पानी छोड़ने के लिए हरियाणा सरकार को बाध्य करना चाहिए। देवेन्द्र यादव ने कहा कि संबंधित एजेंसियों को इस अभूतपूर्व गर्मी से सबक लेना चाहिए और जल भंडारण क्षमता को बढ़ाना चाहिए, क्योंकि दिल्ली जल बोर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, राजधानी में

पानी को छोड़कर अपनी नैतिक जिम्मेदारी निभाएं हरियाणा सरकार

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हिमाचल प्रदेश से दिल्ली को मिलने वाले पानी को हरियाणा सरकार तुरंत छोड़कर अपनी नैतिक जिम्मेदारी निभाएं। यह समस्या जनता की जरुरत से जुड़ा हुआ मुद्दा है इस पर किसी भी पार्टी को अपने फायदे के लिए राजनीति नहीं करनी चाहिए।

दैनिक जलापूर्ति 1,290 एमजीडी मिलियन गैलन की आवश्यकता के मुकाबले घटकर 969 की प्रतिदिन एमजीडी रह गई है। सरकार को भी एमजीडी बढ़ाने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए।

■ राजधानी दिल्ली में भीषण गर्मी के बीच बुधवार शाम अचानक आई आंधी व तेज बरसात के बाद सुहाने मौसम का आनंद लेते युवा। फोटो इम्तियाज खान

पूर्वी दिल्ली में आग लगने से 17 कारें जलकर हुईं खाक

नई दिल्ली, 29 मई (देशबन्धु)। पूर्वी दिल्ली के मधु विहार में नगर निगम द्वारा संचालित पार्किंग क्षेत्र में आग लगने से 17 कार जलकर खाक हो गईं। दिल्ली अग्निशमन सेवा डीएफएस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना देर रात एक बजकर 17 मिनट पर मिली। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। दमकल की नौ गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया और चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारी ने बताया कि ये कार स्थानीय लोगों की हैं जो

चांदनी चौक में पांच दुकानें क्षतिग्रस्त

किराये पर पार्किंग क्षेत्र में अपना वाहन खड़ा करते हैं। आग लगने की घटना में एक एसयूवी समेत 17 कार जलकर खाक हो गयीं। डीएफएस अधिकारी यशवंत मीणा ने बताया कि कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए लेकिन हमने बाकियों को बचा लिया। घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ऐसा संदेह है कि यह घटना पार्किंग क्षेत्र में झाड़ियों में आग लगने के कारण हुई होगी।

भाजपा ने लापरवाही बरतने का लगाया आरोप

इस बीच, प्रदेश भाजपा प्रवक्ता शंकर कपूर ने एक बयान में दिल्ली नगर निगम पर मधु विहार पार्किंग स्थल में आग की घटना के सिलसिले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया एवं कहा कि चूंकि वहां मूलभूत अग्निशामक उपकरण नहीं लगाया गया था, इसलिए यह घटना घटी। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह पार्किंग स्थल एमसीडी का है या नहीं। नगर निगम ने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। कपूर ने मांग की कि जो वाहन आग में जल गए, उनके मालिकों को निगम क्षतिपूर्ति दे। चिलचिलाती गर्मी के मद्देनजर सभी पार्किंग ठेकेदारों को ऐसे सुविधा केंद्रों पर मूलभूत अग्निशामक उपकरण लगाने का तत्काल निर्देश दिया जाए।

मासिक धर्म पर जागरूकता को आगे आईं श्रेया घोषाल व सुनिधि चौहान

नई दिल्ली, 29 मई (देशबन्धु)। प्रॉक्टर एंड गैंबल के भारत की प्रमुख फेमिनिन-केयर ब्रांड व्हिस्पर ने भारत की सबसे बड़ी आवाज़ों श्रेया घोषाल और सुनिधि चौहान के साथ देश का अपना पीरियड गीत लॉन्च करके इतिहास रच दिया है। दोनों संगीतकारों ने पीरियड गीत के अपने संस्करण बनाए हैं, जिसे आज विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर लॉन्च किया गया है। व्हिस्पर ने अब तक 100 मिलियन से अधिक लड़कियों और महिलाओं को पीरियड शिक्षा प्रदान की है और अपनी लोकप्रिय 'किप गर्ल्स इन स्कूल' मुहिम के पांचवें संस्करण में युवा लड़कियों में मासिक धर्म की जल्दी शुरुआत पर ध्यान केंद्रित कर रही है। युवा मन के लिए बेहद प्रासंगिक, शिक्षाप्रद गीतों के माध्यम से, इसका उद्देश्य है कि हर भारतीय इसे गाए और इस पर विश्वास करे पीरियड्स स्वस्थ होने का संकेत है। श्रेया घोषाल और सुनिधि चौहान ने पीरियड गीत के अपने-अपने संस्करण बनाए।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली, 29 मई (देशबन्धु)। दसवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2024 के लिए 26वें दिन का काउंट डाउन कार्यक्रम ग्लोबल योग और एलायंस द्वारा विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, आयुष मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी की विशिष्ट भूमिका रही इस

कार्यक्रम में प्रख्यात योग विशेषज्ञ एवं ग्लोबल योग एलायंस के अध्यक्ष योग शिरोमणि डॉक्टर गोपाल जी विशेष रूप से उपस्थित थे, जिन्होंने मानव जीवन में योग की उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर 45 मिनट का कॉमन योग प्रोटोकॉल भी आयोजित किया गया, जिसमें एक हज़ार प्रतिभगियों ने भाग लिया। ग्लोबल योग एलायंस के संयुक्त सचिव और समन्वयक अमन मक्कड़ कॉमन योग प्रोटोकॉल के मास्टर ऑफ सेरेमनी थे। इस अवसर पर दिव्या अग्रवाल (पूर्व राष्ट्रीय योगासन चैंपियन) का आर्टिस्टिक योग का प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा। कार्यक्रम में इंजीनियर ट्रस्टी और सीईओ विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी ओंकार वगीरआ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या-1, नॉलेज पार्क-4 ग्रेटर नोएडा सिटी, जिला गौतमबुद्धनगर उ०प्र०

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की आवासीय योजना के अन्तर्गत आवंटित **आवंटन संख्या- PCH0169358 भूखण्ड संख्या-सी-69, क्षेत्रफल 506.01 वर्गमीटर, सैक्टर-फाई-04. का आवंटन श्रीमती अंजली सिंह पत्नी श्री अशोक कुमार सिंह** को है। आवंटी **श्रीमती अंजली सिंह का स्वर्गवास दिनांक 27.02.2024** को हो चुका है। मृत्यु के उपरान्त उनके पति **Dr.Ashok Kumar Singh S/o Sh. Seeta Ram Singh R/o H.No-B-42, Sector-20, Noida** ने अपने पक्ष में नामान्तरित किये जाने हेतु नामान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत किया गया हैं।
उपरोक्त के संबंध में अवगत कराना है कि इस नामान्तरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशित किये जाने के 35 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति प्राधिकरण के सम्पत्ति विभाग में दर्ज करा सकता है। अन्यथा उनके पति द्वारा प्रस्तुत प्रत्यावेदन/नामान्तरण पत्र के आधार पर उपरोक्त आवंटित भूखण्ड का नामान्तरण **Dr.Ashok Kumar Singh S/o Sh.Seeta Ram Singh R/o H.No-B-42, Sector-20, Noida** वारिसान/उनके पति के पक्ष में नामान्तरण कर दिया जायेगा।

विशेषकार्याधिकारी-(सम्पत्ति)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथमतल, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, ब्लाक-पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, पिन कोड-201308
जिला गौतमबुद्ध नगर (उ0प्र0) दूरभाष नं0-0120-2395151, फैक्स नं0-0120-2395150

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के Residential Township योजना के अन्तर्गत M/S SDS INFRACON PVT. LTD. को आवंटित भूखण्ड संख्या-टी0एस-01, सैक्टर-26ए पर उनके द्वारा निर्मित परियोजना NRI Township में भूखण्ड संख्या-102 ब्लाक-बी, सैक्टर-26ए क्षेत्रफल-133.775 वर्गमीटर Sh. Sanjeev Sharma S/o Late Sh. Babu Lal Sharma के नाम सब-लीज है। Sh. Sanjeev Sharma की मृत्यु के उपरांत उनके पुत्र Sh. Siddhant Sharma द्वारा उक्त भूखण्ड का नामांतरण (Death Mutation) अपने पक्ष में किये जाने हेतु प्राधिकरण में आवेदन किया गया है।
उपरोक्तानुसार नामांतरण (Death Mutation) के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति है तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिनों के भीतर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में उक्त सम्पत्ति Late Sh. Sanjeev Sharma के पुत्र Sh. Siddhant Sharma के नाम पर दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (सम्पत्ति)

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्लाट न0-1 सैक्टर नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी
जिला-गौतमबुद्ध नगर।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की सी०ओ०पी01 आवासीय भूखण्ड योजना के अन्तर्गत भूखण्ड संख्या-ए-169, सैक्टर-आर.एच.ओ-01, आकार-120 वर्गमीटर आवंटन संख्या-सी11539, के आवंटी श्री मोहिन्द्र कुमार चोपडा पुत्र श्री नौहरिया राम चोपडा के नाम आवंटित है। आवंटी श्री मोहिन्द्र कुमार चोपडा पुत्र श्री नौहरिया राम चोपडा के मृत्यु दिनांक 02.08.2023 को हो जाने के उपरान्त उक्त भूखण्ड को वारिसान के आधार पर उनके पुत्र श्री संदीप चोपडा पुत्र स्वं० मोहिन्द्र कुमार चोपडा निवासी-ग्राम-मकान नं0-1545, सेक्टर-37, ग्रेटर नोएडा जिला-गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश-201303 द्वारा उक्त भूखण्ड को अपने पक्ष में नामान्तरण करने हेतु प्राधिकरण कार्यालय में प्रपत्र प्रस्तुत किये हैं। इस नामान्तरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो सूचना के प्रकाशन की तिथि से 35 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय मे दर्ज कराने का कष्ट करें। अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों मे उक्त भूखण्ड का नामांतरण श्री मोहिन्द्र कुमार चोपडा पुत्र श्री नौहरिया राम चोपडा के स्थान पर उक्त भूखण्ड को उनके पुत्र श्री संदीप चोपडा पुत्र स्वं० मोहिन्द्र कुमार चोपडा निवासी-ग्राम-मकान नं0-1545, सेक्टर-37, ग्रेटर नोएडा जिला-गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश-201303 के नाम दर्ज कर दिया जायेगा।

विषेश कार्याधिकारी (सम्पत्ति)
ग्रेटर नौएडा प्राधिकरण

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव
निविदा सूचना
इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई-प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली-110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र0 सं0	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1	19240560A	सेट ऑफ हुर्थ कपलिंग स्टार	14 सेट	21.06.24
2	09242704	गार्ड सीट	1569 नग	21.06.24
3	12241793	5 वाट (मैक्स) टुबुलर एल ई डी ट्यूबेस	53436 नग	24.06.24
4	03240006A	फ्लेक्सिबल पोली विनाइल क्लोराइड (पी वी सी) प्लोरिंग फॉर ए सी कोचेस	3923 मीटर	24.06.24
5	07240193	ओवर हॉलिंग किट फॉर लेवलिंग वाल्व	1579 सेट	25.06.24
6	07241076	कॉलर, फिनिश मचिनेड फॉर डायरेक्ट माउंटेड रोलर बेअरिंग	12502 नग	25.06.24
7	07240173	गिलास असेंबली (तोहेनेड सेफ्टी गिलास & गिलास वाइपर)	6363 नग	25.06.24
8	09242404	सनूबर स्प्रिंग	3796 नग	28.06.24
9	09242578	होस असेंबली	3350 सेट	01.07.24
10	20243126	रिवाइज्ड अरेंजमेंट ऑफ ट्रांस स्क्रू कपलिंग	371 नग	01.07.24
11	09242321	पी ओ एच किट	4547 सेट	09.07.24
12	19240418	मैन कंप्रेसर (आयल लुब्रीकॉटेड) फॉर इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव	09 नग	15.07.24
13	19240084	एम ओ एच किट फॉर सेचेरोन कंटक्टर टाइप	282 सेट	29.07.24
14	07230264C	बी आई- फोल्डिंग लावाटोरी डोर	71 नग	13.08.24

निविदा शर्तें: 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।
टेंडर नोटिस सं0 19/2024-2025 दिनांक: 29.05.2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1607/24

कैपिटल ज़ोन

उवाच

पांचों लोग एक दूसरे को जानते है और ठगी की घटना को अंजाम देते थे। उसके बाकी साथियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। इनके पास से 19 मोबाइल फोन, 223 सिम, 2 लेपटॉप, 7 आधार कार्ड, विदेशी मुद्रा कुल 15 नोट और 23110 रुपए, चाइनीज पासपोर्ट, 2 अंतरराष्ट्रीय ड्राइविंग लाइसेंस मिला : **विद्या सागर, डीसीपी**

राष्ट्रीय बाल अधिकार आयोग का मांस निर्यातक कम्पनी पर छापा

■ 57 बच्चे मुक्त कराए, इनमें 31 नाबालिग लड़कियां भी शामिल
■ सभी बच्चे अमानवीय परिस्थिति में मिले

गाजियाबाद, 29 मई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम ने थाना क्षेत्र मसूरी डासना स्थित इंटरनेशनल एग्रो फूड्स बूचड खाना में अमानवीय परिस्थिति में कार्यरत 57 बच्चो को रैस्क्यू आपरेशन के तहत मुक्त कराया। इनमें 31 नाबालिग लड़कियां भी शामिल हैं।

एसीपी नरेश कुमार ने बताया कि नई दिल्ली को शिकायत प्राप्त हुई थी कि गाजियाबाद में एक स्लॉटर हाउस चलाया जा रहा है। जिसमें बिहार, पश्चिम बंगाल राज्य से लगभग 40 बच्चे उक्त स्लॉटर हाउस में अमानवीय परिस्थिति में कार्य करने के लिए मजबूर किया जाता है।

मामले की संवेदनशीलता व गंभीरता को देखते हुए आज राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, नई दिल्ली की टीम, मुक्ति फाउंडेशन की टीम ने आज बूचड़खाने पर छापा मारा तथा वहां से 57 नाबालिग बच्चो को मुक्त कराया गया। इनमें 31 नाबालिग लडकियां व 26 नाबालिग लड़के शामिल हैं।जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश बिहार व बंगाल आदि राज्यो के रहने वाले हैं। जिनका चिकित्सीय परीक्षण कराया जा रहा हैं। बूचड़खाने में ये सभी बच्चे अमानवीय परिस्थितियों में कार्य करते हुए पाए गए। इंटरनेशनल एग्रो फूड्स का मेन कारोबार मीट प्रोसेसिंग, फ्रीजिंग व भारत से बाहर अन्य देशो में एक्सपोर्ट का है। बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

टीम में अपर पुलिस उपायुक्त अपराध, श्रम विभाग की टीम, उप-जिलाधिकारी, सहायक पुलिस आयुक्त मसूरी, एएचटीयू थाना प्रभारी, चाइल्ड लाइन की टीम शामिल थी। उन्होंने बताया कि मसूरी थाना क्षेत्रान्तर्गत इंटरनेशनल एग्रो फूड्स जोकि एक मीट फैक्ट्री हैं तथा पशुओं के मांस संवर्धन तथा निर्यात का कार्य करती हैं।

सरकारी भूमि कब्जाने वालों पर विभाग करें कार्रवाई : विक्रमादित्य सिंह मलिक

गाजियाबाद, 29 मई (देशबन्धु)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के आदेश के बाद गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत तेजी से सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त करने की कार्यवाही चल रही है। संपत्ति विभाग द्वारा रिक्त निगम की भूमि पर गाजियाबाद नगर निगम का बोर्ड भी लगाया जा रहा है तथा नगर आयुक्त द्वारा निगम की रिक्त भूमि पर बाउंड्री करने के लिए निर्देश निर्माण विभाग को जारी किए हैं, संपत्ति विभाग द्वारा सिटी जोन तथा मोहन नगर जोन अंतर्गत निगम की रिक्त कराई गई भूमि पर बोर्ड लगाए गए हैं।

गाजियाबाद नगर निगम द्वारा सिटी जोन अंतर्गत लगभग 50 करोड़ की भूमि पर गाजियाबाद नगर निगम के बोर्ड लगाए गए। जिसमें नंदग्राम स्थित घुकना, खसरा नंबर 402 सादिक नगर खसरा नंबर 912, नूर नगर खसरा नंबर 41, सिहानी खसरा नंबर 36 मे गाजियाबाद नगर निगम के पीले रंग के बोर्ड स्थाई रूप से लगाए हैं। इसी क्रम में मोहन नगर जोन अंतर्गत भी लगभग 50 करोड़ की सिक्ंदरपुर

■ नगर निगम की 50 करोड़ की रिक्त भूमि पर संपत्ति विभाग ने लगाए बोर्ड

गांव क्षेत्र में खसरा नंबर 293 तथा 122 पर भी गाजियाबाद नगर निगम के बोर्ड स्थापित कर गए हैं। संपत्ति विभाग द्वारा बोर्ड स्थापित करने के साथ-साथ निर्माण विभाग के अधिकारियों को सूचना भी दी गई है तथा नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार शीघ्र ही उक्त भूमि पर स्थाई रूप से बाउंड्री का कार्य कराया जाएगा।

शहर को शुद्ध पेयजल आपूर्ति कराना जलकल विभाग की पहली प्राथमिकता : नगर आयुक्त

गाजियाबाद। भीषण गर्मी के मौसम में नगर निगम में विजयनगर क्षेत्र में 10 नए पंप सेट लगाकर जलापूर्ति की समस्या का समाधान किया है नगर आयुक्त ने बताया कि विजयनगर ज़ोन से पानी की समस्या संज्ञान में आई थी। वार्ड संख्या तीन पुराना विजयनगर अंबेडकर नगर पहुंचकर, क्षेत्र वासियों को गंदे पानी से निजात दिलाया गया। अवर अभियंता शीशमणि यादव तथा अधिशासी अभियंता आस कुमार को विजयनगर के सभी अन्य क्षेत्रों में भी मॉनिटरिंग करने की निर्देश दिए गए। वार्ड संख्या 26 भूर भारत नगर, तथा गौपूरी मे नई मोटर लगाकर जलापूर्ति को सरल किया गया। वार्ड संख्या 58 शिवपुरी, वार्ड संख्या 25 शंकर पुरी, वार्ड संख्या 58 मवई, वार्ड संख्या 55 ए ब्लॉक प्रताप विहार, वार्ड संख्या 15 चरण सिंह कॉलोनी प्रताप विहार, वार्ड संख्या 3 अंबेडकर भवन, वार्ड संख्या 01 भीम नगर, वार्ड संख्या 23 कैलाश नगर के अंतर्गत जल कल विभाग द्वारा व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करते हुए कार्यवाही दो दिन के भीतर करने की योजना बनाई गई है, वर्तमान में नलकूप द्वारा पानी दिया जा रहा है जिसको और अधिक सुधार कर विभाग शहर हित में कार्यवाही कर रहा है।

■ नगर निगम ने 10 नए पम्प सेट लगाकर विजयनगर की जलापूर्ति की समस्या का कराया समाधान

सार संक्षेप

ट्रैक्टर पर बाइक का नंबर लगाने वाला पकड़े

नोएडा। ट्रैक्टर पर बाइक का नंबर लगाकर घूम रहे चालक को यातायात विभाग ने गिरफ्तार कर लिया। चालक के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। एक्सप्रेसवे थाने में दी शिकायत में आरक्षी मानवेंद्र सिंह ने बताया कि यातायात व्यवस्था के संचालन के लिए वह पंचशील अंडरपास के पास ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान गलत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर को शिकायतकर्ता ने रोका। मानवेंद्र के साथ ड्यूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल अकिलेश ने जब ई चालान ऐप पर चेक किया तो सामने आया कि ट्रैक्टर पर बाइक की नंबर प्लेट लगी हुई थी। इसके बाद शिकायतकर्ता और उसके साथी ने ट्रैक्टर चालक को वाहन समेत कोतवाली ले आई। चालक प्रिंस सोरखा गांव का रहने वाला है।

हिट एंड रन मामले में दो लोगों को पकड़ा

नोएडा। कंचनजंगा मार्केट के पास बेकाबू ऑडी कार की टक्कर से बुजुर्ग की मौत होने के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। यही दोनों लोग ऑडी में सवार थे। कार एक दिन पहले दिल्ली के एम्स के सामने एक निर्माणाधीन साइट से बरामद की गई थी। इसके लिए पुलिस ने 150 से ज्यादा स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली थी। दरअसल रविवार को सुबह साढ़े पांच बजे के आसपास एक बुजुर्ग को ऑडी कार ने टक्कर मार दी थी। उस समय कार की रफ्तार करीब 100 किमी प्रतिघंटा थी। रफ्तार ज्यादा होने के कारण कार का नंबर सीसीटीवी कैमरे में ठीक से कैद नहीं हो पाया है। हादसे में बुजुर्ग की मौत हो गई थी। वह आकाशवाणी के सेवानिवृत्ति कर्मचारी थे। पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार चालक लव कुमार उर्फ मामू व साथ में बैठे प्रिंस कुमार को मेट्रो स्टेशन गेट नंबर 1 सेक्टर 52 नोएडा के पास से गिरफ्तार किया।

पति ने की पत्नी की गला दबाकर हत्या

नोएडा। सेक्टर चार स्थित एक कंपनी में कहासुनी के बाद एक व्यक्ति ने गला दबाकर अपनी पत्नी की हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक महिला के भाई की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फरार आरोपी की तलाश में दबिश जारी है। एडिशनल डीसीपी मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि काजल और राजा बाबू शिकोहाबाद के रहने वाले थे। दोनों ने साढ़े तीन साल पहले प्रेम विवाह किया था। दोनों वर्तमान में हरौला गांव में रहते थे और सेक्टर चार स्थित एक्सपेनडिको ट्रेड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में सफाईकर्मी का काम करते थे। मंगलवार सुबह पांच बजे काजल और राजा में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद काजल कंपनी में सफाई करने चली गई। आठ बजे के करीब राजा कंपनी पहुंचा और कहासुनी के बाद काजल की हत्या गला दबाकर कर दी।

मोबाइल टावरों के उपकरण चोरी करने वाले को दबोचा

गाजियाबाद, 29 मई (देशबन्धु)। क्राइम ब्रान्च पुलिस ने मोबाइल टावरों के उपकरण चोरी करने वाले अन्तरराज्यीय बदमाश को गिरफ्तार किया है। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित था। उसके कब्जे से चोरी का करीब 12 लाख रूपए का माल बरामद किए गए है। एडीसीपी क्राइम सच्चिदाननद ने बताया कि तीन मई को क्राईम ब्रान्च पुलिस ने गाजियाबाद, दिल्ली एनसीआर क्षेत्र, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, बिहार, महाराष्ट्र व मध्यप्रदेश में जियो व एअरटेल के मोबाइल टावरों से बैट्री, आरआर यूनिट व अन्य इलैक्ट्रानिक डिवाईस चोरी करने वाले अन्तरराज्यीय गिरोह के 6 शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 04 करोड़ रूपए का मोबाइल टावरो से चोरी का माल बरामद किया था। इसी क्रम मे आज क्राइम ब्रांच पुलिस ने इस गैंग के 50 हजार रूपए के इनामी फरार शातिर बदमाश जुबैर को थाना नन्दग्राम क्षेत्र से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से जियो व एअरटेल कम्पनी के टावरों की 02 रेडियो रिसीवर यूनिट बरामद हुई।

कब्जे से चोरी का करीब 12 लाख रूपए का माल बरामद

जुबैर ने बताया कि उसकी बहन की शादी जावेद मीरापुरिया के छोटे भाई वसीम से हुई हैं। पढाई के बाद जुबैर ने गुजरात में अपने भाई के साथ पुराने एलईडी बल्ब की फेरी लगाने का काम किया तथा कुछ दिन कबाड़ खरीदने बेचने की भी फेरी का भी काम किया । पर इसमें ज्यादा फायदा नही हुआ और गुजरात से वापस आ गया। वापस आने के बाद काम के सिलसिले में वह अपने जीजा वसीम से मिला जिसने उसे मोबाइल टावर के आरआरयू व अन्य उपकरण की चोरी व उसमे काफी लाभ होने की बात बताई और चोरी करने वालो से मिलवा दिया। तभी से वह उनके साथ मोबाइल टावरों से चोरी करने लगा। इसके बाद जुबैर ने अपने जीजा के बडे भाई जावेद मीरापुरिया की बताई हुई पार्टियों के साथ चोरी कर व अन्य पार्टियो से चोरी का माल लेकर वसीम व जावेद को पहुंचाने लगा । अभियुक्त ने बताया कि पिछले कुछ वर्षो से मोबाइल टावरों की बैट्री, रेडियो रिसीवर यूनिट व अन्य इलैक्ट्रोनिक डिवाईस की चोर बजारी में काफी मांग चल रही है। मोबाइल टावरों पर लगे उपकरण काफी महंगे होते है और इनको चुराना काफी आसान होता है और इसकों ट्रान्सपोर्ट करने में कोई समझ भी नही पाता हैं। पूछताछ करने पर पकड़े गए अभियुक्त जुबैर ने यह भी बताया कि इन लोगो ने पश्चिमी बंगाल, बिहार महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गाजियाबाद, नोएडा दिल्ली एनसीआर व पश्चिमी उत्तर प्रदेश मे कई स्थानों पर मोबाइल टावरो से रेडियो रिसिवर यूनिट, बैट्री व अन्य कीमती उपकरण चोरी किए है।

बारिश से नोएडा वासियों को मिली थोड़ी राहत

नोएडा, 29 मई (देशबन्धु)। नोएडा में बुधवार शाम को अचानक मौसम में बदलाव हुआ। तेज हवा के साथ बारिश होने लगी। इससे लोगों को तेज गर्मी से राहत मिली। हालांकि इस दौरान तेज हवा से सेक्टर-127 में यूपी पोल गिरा। जिससे यातायात प्रभावित हुआ। इसके अलावा कई सेक्टरों में बिजली सप्लाई भी प्रभावित हुई। बारिश के तापमान में तेजी से गिरवट दर्ज की गई। हालांकि हवा रुकने से लोगों को एक बार फिर गर्मी झेलनी पड़ रही है। इसका असर ये हुआ कि नोएडा में आगामी 4 जून तक मौसम में उतार छड़ाव देखने को मिलेगा। आईएमडी की रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार को अधिकतम तापमान 45 डिग्री और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियर रहेगा। दिन भर धूप और हल्के बादल भी छाएंगे। यही स्थिति 31 मई को भी रहेगी। इसके बाद 1 जून को गरज के साथ बारिश के आसार है। जिससे तापमान में तीन डिग्री तक की गिरावाट आएगी। अधिकतम तापमान 42 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री तक रहेगा। 2 से लेकर 4 जून तक तेज धूल भरी आंधी चलेंगी। फिलहाल बुधवार शाम को बारिश ने लोगों को थोड़ी राहत जरुर दी।

■ कई स्थानों पर बिजली सप्लाई बाधित

सीसीटीएनएस में प्रदेश स्तर पर कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर का तीसरा स्थान

नोएडा, 29 मई (देशबन्धु)। क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम (सीसीटीएनएस) में कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर ने प्रदेश स्तर पर अप्रैल में तीसरी रैंक हासिल की है। आंकड़ा बुधवार को जारी किया गया है। सीसीटीएनएस एक व्यापक और एकीकृत प्लेटफॉर्म है, जो अपराध और अपराधियों से संबंधित जानकारी और रिकॉर्ड को ऑनलाइन विभिन्न पुलिस एजेंसियों को साझा करने की सुविधा प्रदान करता है। इसका उद्देश्य देशभर में पुलिस की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करना और अपराध नियंत्रण में तेजी लाना है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बताया कि सीसीटीएनस को प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए कई प्रयास किए गए हैं। इसके तहत प्रभावी डाटा एंट्री व सभी अपराध संबंधित घटनाओं और आरोपियों की जानकारी को त्वरित और सटीक तरीके से सीसीटीएनएस पोर्टल पर अपलोड की जाती है। प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर पुलिस कर्मियों को सीसीटीएनएस के उपयोग और इसके फायदों के बारे में बताया जाता है। तकनीकी सुधार के तहत पुलिस थानों में आवश्यक तकनीकी उपकरणों और इंटरनेट सुविधाओं को बढ़ाया गया है। साथ ही विभिन्न पुलिस थानों और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाता है।

■ प्रदेश स्तर पर पहला स्थान हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित

प्राधिकरण ने चलाया बुलडोजर 5040 वर्गमीटर जमीन से हटाया अवैध निर्माण

नोएडा, 29 मई (देशबन्धु)। प्राधिकरण की ओर से लगातार अतिक्रमण अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में बुधवार को दो स्थानों पर 5040 वर्गमीटर जमीन से अवैध

■ दो एरिया में जमीन की कीमत करीब 10.62 करोड़

निर्माण को ध्वस्त किया गया। जिसकी कुल कीमत 10.62 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। प्राधिकरण ने बताया कि वर्क सर्किल-8 के सेक्टर-144 में अवैध निर्माण को ध्वस्त कराया गया। यहां 1800 वर्गमीटर जमीन पर अवैध रूप से अस्थायी दुकाना बनी थी। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में इन दुकानों को हटाया गया। इस जमीन की कीमत करीब 9 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। इसके अलावा वर्क सर्किल-10 गांव कोंडली में खसरा नंबर 403 से अवैध निर्माण हटाया गया। यहां जमीन के चारो ओर अवैध रूप से बाउंड्री वाल की गई थी। मौके पर वर्क सर्किल के अवर अभियंता, फील्ड स्टाफ और पुलिस कर्मियों की मदद से अवैध निर्माण हटाया गया। इस जमीन का एरिया करीब 3240 वर्गमीटर था। इसकी बाजार की कीमत करीब 1.62 करोड़ रुपए आंकी जा रही है।

प्राधिकरण श्रमिकों के काम की टाइमिंग में बदलाव

नोएडा, 29 मई (देशबन्धु)। भीषण गर्मी को देखते हुए नोएडा प्राधिकरण के कर्मचारियों के समय में बदलाव किया गया है। सिविल, जल, उद्यान और विद्युत विभाग के विकास और अनुरक्षण कार्य में शामिल कर्मचारी सुबह 10 से शाम 4 बजे तक धूप में काम नहीं करेंगे। इनकी ड्यूटी टाइमिंग सुबह 6 से सुबह 10 बजे तक और शाम को 4 से रात 8 बजे तक की होगी। इसी तरह जन स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों की ड्यूटी सुबह 6 से दोपहर 12 तक ही होगी। ये टाइमिंग जब तक मौसम और तापमान में बदलाव नहीं होता तब तक जारी रहेगी। वहीं नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में काम करने वाले बिल्डर साइट के श्रमिक और लेबर भी सुबह 6 से दोपहर 12 बजे तक ही काम करेंगे। प्राधिकरण सीईओ ने बताया कि गर्मी को देखते हुए ये निर्णय लिया गया है। इसके अलावा 60 व्यक्तियों के लिए सेक्टर-21ए नोएडा स्टेडियम में एक रेन बसेरा भी बनाया जा रहा है। जिसका काम 30 मई तक पूरा कर लिया जाएगा। जिसमें आराम करने के साथ पेय जल और वाटर कूलर का इंतजाम किया जा रहा है।

■ सिविल, जल, उद्यान व विद्युत विभाग के कर्मी सुबह 10 से शाम 4 बजे तक फील्ड पर नहीं आएंगे

भारतीय सिम से विदेश में रहकर ठगी करने वाले पांच गिरफ्तार

नोएडा, 29 मई (देशबन्धु)। भारतीय सिम से एक्टिव सोशल मीडिया एकाउंट के जरिए विदेश से ठगी करने वाले गैंग के पांच लोगों को पुलिस ने पकड़ा है। इसमें एक चाइना का नागरिक भी है। ये बिजनेस वीजा पर इंडिया आया है। डीसीपी विद्या सागर ने बताया कि पांचों लोग एक दूसरे को जानते है और ठगी की घटना को अंजाम देते थे। उसके बाकी साथियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

इनके पास से 19 मोबाइल फोन, 223 सिम, 02 लेपटाप, 7 आधार कार्ड, विदेशी मुद्रा कुल 15 नोट और 23110 रुपए, चाइनीज पासपोर्ट, 02 अंतरराष्ट्रीय ड्राइविंग लाइसेंस मिला।

डीसीपी ने बताया कि लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर थाना एक्सप्रेस वे पुलिस ने उनको गिरफ्तार किया। इनकी पहचान तेनजिन कालसंग, कृष्ण मुरारी, त्सेरिंग धोनतुप , शोभित तिवारी और चाइना का नागरिक जहू जुनकाई हुई है। इसमें तेनजिन ट्रांसलेटर का काम करते है और कृष्ण मुरारी खाते प्रोवाइड कराने का काम करता था। इसके अलावा फर्जी सिम त्सेरिंग धोन्दुप देता था। एक बार सिम मिलने के बाद त्सेरिंग उस सिम को एक्टिवेट करके यहां सोशल मीडिया अकाउंट बनाकर उसे चाइना के नागरिक को देता था।

■ चाइना का नागरिक भी शामिल, 223 सिम बरामद
■ 20 खातों को किया गया फ्रीज

सिम चाइना का नागरिक अपने साथ दुबई ले जाता था। यही से ठगी की जाती थी। ठगी का पैसा कृष्ण मुरारी के द्वारा उपलब्ध कराए गए खातों में भेजा जाता था। यहां पैसा निकाला जाता और जिस भी व्यक्ति का खाता होता था उसके कुछ रुपए दे दिए जाते थे। मसलन आम खाता होने पर उसे 5 हजार रुपए और कॉरपोरेट खाता होने पर 20 रुपए दिए जाते थे।

पुलिस को अब तक की जांच में करीब 20 खाते मिले है जिनको फ्रीज करा दिया गया है। इनमे एक खाते में 51 लाख रुपए के ट्रांसजेक्शन की जानकारी मिली है। ये पैसा कहा से आया किसका है इसकी जानकारी की जा रही है। डीसीपी ने बताया कि इस गैंग में कई और लोग शामिल है इनको भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। इससे पहले किसी प्रकार से ये ठगी करते थे इसकी जांच की जा रही है।

पानी की समस्या को लेकर सौंपा ज्ञापन

■ 6 जून को कार्यालय पर धरना प्रदर्शन की चेतावनी

खोड़ा, 29 मई (देशबन्धु)। निकाय क्षेत्र में पेयजल की मांग को लेकर खोड़ा रेजिडेंट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने नगर पालिका परिषद के अवर अभियंता (जल) नवनीत गुप्ता को ज्ञापन सौंपकर 6 जून को नगर पालिका परिषद कार्यालय के समक्ष धरना एव प्रदर्शन की चेतावनी दी है। अवर अभियंता को सौपे ज्ञापन में के आर ए अध्यक्ष दीपक जोशी ने कहा कि बारह लाख आबादी वाली कालोनी में पेयजल की समस्या दिन प्रतिदिन विकराल रूप धारण करती जा रही है। पानी की समस्या का समाधान न होने से क्षेत्र की जनता में रोष है।

जलापूर्ति के अभाव में लोग मकानों को किराए पर देकर दिल्ली नोएडा इंदिरापुरम में शिफ्ट हो रहे है। इससे क्षेत्र की आर्थिक स्थिति

प्रभावित हो रही है। लोगों के पलायन का असर व्यापार और धंधे पर भी पड़ेगा।

चुनाव के दौरान पानी का मुद्दा जोर शोर से जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाया जाता है। तरह तरह से आश्वस्त किया जाता है। परंतु चुनाव सम्पन्न होने के उपरांत सारे मुद्दे ठंडे बस्ते में बंद हो जाते है। नवंबर माह के दौरान पेयजल स्कूल अस्पताल सरकारी जमीनों को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांगों को लेकर तीन लोग आई टी आई गेट पर तेरह दिनों तक आमरण अनशन पर बैठे रहे। लखनऊ में नगर विकास मंत्री से मुलाकात करके पानी की समस्या को लेकर वार्ता हुई। पेयजल को लेकर 253 करोड़ रुपए का बजट पास होने की बात भी बताई गई। सात माह का समय बीत जाने के बावजूद अभी तक पानी की समस्या के समाधान पर कोई कार्य होता नही दिखाई देता।

लोगों को ब्याज पर पैसे लेकर बोरो पर पांच लाख रुपए खर्च हो रहे है। बोरो की संख्या अत्यधिक होने की वजह से धरती खोखली हो रही है। जिसकी वजह से भयंकर दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। ज्ञापन सौंपते समय अमरचंद ठेकेदार उमेश सत्यपाल मनोहर दत्त देवतल्ला हंसदत्त बेलवाल बुधीबल्लभ सत्ती केशवराम बृजमोहन गोसाई दीपक पाण्डेय बॉबी मेहरा गोपाल पाण्डेय बिशन सिंह नेगी नवीन गड़ाकोटी सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी के के मिश्र का कहना है कि निकाय क्षेत्र में पेयजल के लिए 197 करोड़ पांच साल मेंटीनेंस ऑपरेटिंग चार्ज सहित कुल 214 करोड़ की स्वीकृति मिल गई है।

प्रमुख सचिव से वित्तीय स्वीकृति मिलने के उपरांत जल निगम की टीम द्वारा सेक्टर 62 से पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू कराया जाएगा। नोएडा प्राधिकरण द्वारा खोड़ा को 50 एम एल डी गंगाजल देने पर सहमति दी गई है।

नोएडा एमिटी में 'टेक्नोवेट 2024' आयोजित

नोएडा, 29 मई (देशबन्धु)। सेक्टर-125 स्थित एमिटी में दो दिन का वार्षिक इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट एवं पोस्टर प्रस्तुति 'टेक्नोवेट 2024' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ धानुका एग्रीटेक के समूह मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी कपिल मेहरोत्रा ने किया। इस कार्यक्रम में 300 से ज्यादा स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। कपिल मेहरोत्रा ने कहा कि इस टेक्नोवेट के जरिए स्टूडेंट्स आपकी प्रतिभा को विशेषज्ञों सामने प्रस्तुत कर अपने अंदर एक आत्मविश्वास भर सकते है।

इस टेक्नोवेट में बीटेक इलेक्ट्रीकल एंड इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग के रिजुल ठाकुर और आकर्षित ठाकुर ने वायरलेस डिवाइस डिजाइन फॉर मिल्क पॉपिंग एंड स्पलिंग प्रिवेनशन, बीटेक मैकेनिकल के साहिल और अशफ मलिक ने डिजाइन एंड इंपलिमेंटशन ऑफ 8 लेग्गड सेमी ऑटोनॉमस स्पाइडर रोबोट यूजिंग थियों जानसेन लिंकेज सहित कई अन्य स्टूडेंट्स ने प्रस्तुती दी। इस अवसर पर एमिटी ने अन्य विद्यालयों के छात्रों ने भी टेक्नोवेट 2024 का भ्रमण किया।

■ 300 स्टूडेंट्स ने लिया हिस्सा

एचसीएल टेक के प्रशांत मागो ने कहा कि यह स्टूडेंट्स के लिए सुनहरा अवसर है। जब वे अपने प्रोजेक्ट्स के महत्व को सामने ला सकते है। उन्होंने छात्रों को सलाह देते हुए कहा कि आने वाले पांच सालों के बाद उत्पन्न होने वाली समस्याओं के निवारण पर शोध करें। अपने प्रोजेक्ट के व्यापार के अलावा पर्यावरण और स्थायित्व मूल्यों के महत्व को भी समझें। जीवन में जोखिम ले और भविष्य को लेकर सदैव शंकित ना रहे।

उवाच

आपकी जायज मांगों को सरकार व संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा और भूमि अधिग्रहण कानून 2013 में उल्लिखित किसानों के अधिकार और उनके उन्नयन के लिए दिए गए प्रावधानों को पूरी तरीके से लागू करवाया जाएगा। इस संबंध में लखनऊ से लेकर जनपद के अधिकारियों से विभिन्न स्तर की वार्ता भी विगत दिनों में हो चुकी है और स्पष्ट कहा जा चुका है कि विकास के लिए जमीन देने वाले किसानों का हित सर्वोपरि रखा जाएगा : **धीरेन्द्र सिंह, जेवर विधायक**

कैपिटल ज़ोन

मतगणना में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होगी क्षम्य : मनीष कुमार वर्मा

- **मतगणना स्थल पर तैयारी को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों के साथ की बैठक**
- **मतगणना स्थल पर सुरक्षा के मद्देनजर वाहन प्रवेश प्रतिबंधित रहेंगे, सिर्फ आब्जर्वरों के वाहन ही मतगणना स्थल तक जाएंगे : जिला निर्वाचन अधिकारी**

ग्रेटर नोएडा, 29 मई (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव के मतगणना की तैयारी को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने एनआईसी के सभागार में 4 जून को होने वाले मतगणना की व्यवस्था को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि बढ़ते तापमान को देखते हुए सभी मूलभूत व्यवस्थाओं को सकुशल ढंग से पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाए। मतगणना स्थल पर सुरक्षा के मद्देनजर वाहन प्रवेश प्रतिबंधित रहेंगे, सिर्फ आब्जर्वरों के वाहन ही मतगणना स्थल तक जाएंगे।

मतगणना स्थल पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कम्युनिकेशन सेंटर, पब्लिक कम्युनिकेशन सेंटर एवं मीडिया सेंटर बनाते हुए उनमें सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तथा सुविधा समय रहते सुनिश्चित कर दी जाए। उन्होंने कहा कि मतगणना दिवस से पहले मीडिया में एडवाइजरी जारी करा दी जाएगी कि फूल मंडी के किस गेट से एंट्री होगी और कहां पर पार्किंग व्यवस्था की गई है, इसकी सूचना पहले से ही राजनीतिक पार्टियों, उम्मीदवारों, अभिकर्ताओं तथा मीडिया बन्धुओं को दे दी जाए, ताकि मतगणना के दिन किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि उम्मीदवारों, अभिकर्ताओं, मीडिया बन्धुओं तथा मतगणना कार्मिकों को जो पास जारी किए जाएं उनका एक नमूना पहले से ही पुलिस को भी उपलब्ध करा दिया जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी आपसी समन्वय बनाते हुए निर्वाचन कार्य को सकुशलता से पूर्ण करेंगे।

उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने दायित्वों को कुशलतापूर्ण निवर्हन करते हुए समय-समय पर मतगणना स्थल का निरीक्षण करेंगे और अपनी निगरानी में कार्य को सम्पन्न कराएंगे। इस बात का विशेष ध्यान रहें कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल कुमार, मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर नितिन मदान, नगर मजिस्ट्रेट धर्मेंद्र सिंह, डिप्टी कलेक्टर अनुज नेहरा, चारूल यादव, समस्त उप जिलाधिकारी, ए.आर.ओ. सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

तीन दिवसीय भारत फिल्म फेस्टिवल का शुभारंभ

- **देश से करीब 60 से अधिक फिल्मों का हुआ है रजिस्ट्रेशन**

ग्रेटर नोएडा, 29 मई (देशबन्धु)। आईआईएमटी कॉलेज समूह और एईजीडी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की क्रांतितीर्थ श्रृंखला के तहत तीन दिवसीय भारत फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत हुई। फिल्म फेस्टिवल में मुख्य अतिथि के रूप में जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र के डॉयरेक्टर आशुतोष भटनागर, गेस्ट ऑफ प्राइम के रूप में तात्या टोपे के प्रपौत्र डॉ. राजेश टोपे, गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में फिल्म डॉयरेक्टर कामाख्या एन. सिंह, एईजीडी के फाउंडर अश्विनी कुमार त्यागी, उड़ान एनजीओ की संयोजक डॉ. श्रुति मिश्रा और मुख्य वक्ता के रूप में प्रफुल्ल केतकर का स्वागत आईआईएमटी कॉलेज समूह के प्रबंध निदेशक डॉ. मयंक अग्रवाल ने किया। इस मौके पर आशुतोष भटनागर ने कहा कि भारत के अमृतकाल में आज से 25 साल बाद जब हम स्वतंत्रता की शताब्दी मना रहे हो भारत को हम जहां लेकर जाना चाहते है वहां ले जाएं। इसके लिए कलम और कैमरे से राष्ट्र का निर्माण हो सकता है। फिल्म डॉयरेक्टर कामाख्या एन सिंह ने फिल्मों निर्माण पर बात करते हुए कहा कि फिल्म निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण का रिसर्च करने वाले का होता क्योंकि वह अपनी मेहनत से छोटे से छोटे बिंदुओं पर काम करता है। तब जाकर उस पर कोई फिल्म बनती है। इस दौरान के तात्या टोपे के प्रपौत्र डॉ राजेश टोपे ने भारत के प्राचीन इतिहास पर प्रकाश डाला।

वहीं प्रफुल्ल केतकर ने भी छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का ऐसा इतिहास लिखा गया है कि जैसे 1857 से 1947 तक जो कुछ हुआ वह हुआ। इस दौरान दिल्ली-एनसीआर सहित देश से करीब 60 से अधिक फिल्मों का रजिस्ट्रेशन हुआ। इस मौके पर सभी कॉलेज के डॉयरेक्टर, डीन, एचओडी सहित अनेक छात्र मौजूद रहे।

एयरपोर्ट के तीसरे चरण में अधिग्रहित की जाने वाली भूमि से प्रभावित किसानों से विधायक का संवाद

- **जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी मांग शासन स्तर पर उठाएंगे**

ग्रेटर नोएडा, 29 मई(देशबन्धु)। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के तीसरे चरण हेतु भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है, जहां किसानों ने गांवों का विस्थापन, उचित मुआवजा व अन्य विषयों को लेकर विरोध प्रकट किया था। बुधवार को जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने ग्राम नीमका में प्रभावित ग्रामों के एक प्रतिनिधिमंडल से संवाद किया, जिसमें किसानों ने विस्तार से अपनी समस्याएं विधायक के सम्मुख रखी।

गांव के पूर्व प्रधान अरविन्द्र सिंह ने बताया कि अधिसूचना के माध्यम से, हमें शहर घोषित किया गया था, लेकिन जब सामाजिक समाघात का सर्वेक्षण करने के लिए लोग आए तो, उनके रिकॉर्ड में ग्राम नीमका दर्ज था। हम अभी तक नही समझ पाए है कि हमारी जमीन का अधिग्रहण शहर के रूप में हो रहा है या ग्राम के रूप में।

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने प्रतिनिधिमंडल को पूर्ण आश्वस्त करते हुए कहा कि आपकी जायज मांगों को सरकार व संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा और भूमि अधिग्रहण कानून 2013 में उल्लिखित किसानों के अधिकार और उनके उन्नयन के लिए दिए गए प्रावधानों को पूरी तरीके से लागू करवाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में लखनऊ से लेकर जनपद के अधिकारियों से विभिन्न स्तर की वार्ता भी विगत दिनों में हो चुकी है और स्पष्ट कहा जा चुका है कि विकास के लिए जमीन देने वाले किसानों का हित सर्वोपरि रखा जाएगा।

बैठक में मुख्य रूप से पंडित विजय शंकर शर्मा, तेजपाल सिंह, कल्लू, हरेन्द्र सिंह, चौधरी रविन्द्र सिंह, मनोज फौजी, अरविन्द्र प्रधान, राकेश सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

रालोद ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौ. चरण सिंह की पुण्यतिथि मनाई

ग्रेटर नोएडा, 29 मई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय लोक दल के कार्यकर्ताओं ने स्वतंत्रता सेनानी किसानों के मसीहा भारत रत्न चौधरी चरण सिंह, भूतपूर्व प्रधानमंत्री की 37वीं पुण्यतिथि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कार्यालय पर मनाई और लोगों को मीठा पानी पिलवाया।

इस मौके पर जनार्दन भाटी जिला अध्यक्ष ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने अपनी राजनीतिक जीवन में सदैव गरीब किसान मजदूर छोटे व्यापारी युवा एवं अल्पसंख्यकों के लिए संघर्ष किया। देश के प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने ग्राम विकास मंत्रालय का गठन किया, जिसके द्वारा गांव का विकास अच्छी तरीके से हो सके उनके द्वारा किए गए। इस देश के विकास में मील का पत्थर साबित हो रहा है, हम सभी लोगों को गर्व है इस बात का एक गरीब किसान का बेटा इस देश के सबसे सम्मानित पद पर पहुंचकर किसान और मजदूर का सम्मान बढ़ाया। हम सभी राष्ट्रीय लोक दल के कार्यकर्ता उन्हीं को आदर्श मानते हुए अपने क्षेत्र और देश की सेवा करें।

इस मौके पर महेश आर्या, राष्ट्रीय सचिव अजीत सिंह दौला, इंद्रवीर सिंह भाटी, प्रियंका अत्रि, वीरेंद्र पूनिया, चौधरी गजेंद्र सिंह, सुबोध कुमार, गोपाल सिंह, गजेंद्र सिंह, जसवीर भाटी, विनीत भाटी, विनोद भाटी आदि मौजूद रहे।

विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के तहत ग्रामीण महिलाओं को किया जागरुक

ग्रेटर नोएडा, 29 मइ (देशबन्धु)। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान के ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र ढाडा और शहरी स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र कासना में तैनात प्रशिक्षुओं ने विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाने के लिए एक स्वास्थ्य वार्ता का आयोजन किया। यह वार्ता दो सत्रों में विभाजित थी। एक सहायक नर्स दाइयों (एएनएम) के लिए और दूसरा जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) वार्डों के सामने उपस्थित लोगों के लिए, जिसमें रोगियों और उनके रिश्तेदारों सहित विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

इस दौरान वार्ता में कहा गया कि परिवारों में मासिक धर्म के बारे में खुली चर्चा को प्रोत्साहित करें, संकेत और लक्षण, चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल कब लेनी चाहिए, पोषण, पीरियड्स के दौरान उचित पोषण के महत्व पर जोर दें। **स्वच्छता आचरण:** मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने पर जोर दें। **उचित निपटान:** सैनिटरी पैड के उचित निपटान पर मार्गदर्शन प्रदान करें। मुद्दों को संबोधित करना, मासिक धर्म के दौरान सामान्य मुद्दों और असुविधाओं पर चर्चा करें। **प्रश्नोत्तर सत्र:** प्रतिभागियों को सवाल पूछने और स्पष्टीकरण मांगने का अवसर मिला। **सैनिटरी पैड डिस्ट्रीब्यूशन:** आशा और एएनएम के साथ-साथ ओडी, वार्ड में भाग लेने वाले रोगियों को पैड वितरित किए गए। कार्यक्रम का आयोजन सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा आरएचटीसी और यूएचटीसी की फैकल्टी प्रभारी डॉ. दीपशिखा वर्मा और डॉ. कृति के निर्देशन में किया गया था।

शैक्षणिक सहयोग व तकनीकी को बढ़ाने के लिए आईओटी अकादमी के साथ समझौता

ग्रेटर नोएडा, 29 मई (देशबन्धु)। शैक्षणिक सहयोग और तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देने को लेकर हरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी आईओटी अकादमी, नोएडा के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एचआईएमटी परिसर में आयोजित हस्ताक्षर समारोह ने शैक्षिक अवसरों और उद्योग-शैक्षणिक संबंधों को बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई रणनीतिक साझेदारी की शुरुआत को चिह्नित किया। यह सहयोग मौजूदा पाठ्यक्रम में उन्नत प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रमों को एकीकृत करके छात्रों, शिक्षकों और पेशेवरों को लाभान्वित करने के लिए तैयार है। कार्यक्रम में समूह निदेशक डॉ. सुधीर कुमार, कार्यकारी निदेशक डॉ. विक्रांत चौधरी, एचआईएमटी कॉलेज ऑफ फार्मेसी के निदेशक डॉ. अनुज मित्तल, हरलाल कॉलेज ऑफ लॉ के प्राचार्य डॉ. त्रिभुवन कुमार अग्रवाल, डॉ. दिनेश कुमार एचओडी, बायोटेक्नोलॉजी और नरेंद्र उपाध्याय विभागाध्यक्ष आईटी उपस्थित थे। समझौता ज्ञापन पर एचआईएमटी के निदेशक डॉ. पंकज कुमार और आईओटी अकादमी के निदेशक कौशलेंद्र सिंह सिसौदिया ने हस्ताक्षर किए।

भूटान के जिला विद्यालय निरीक्षक के बीस सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल ने किया दौरा

- **टीम के सदस्यों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति सहित विभिन्न तकनीकों के बारे में जाना**

ग्रेटर नोएडा, 29 मई (देशबन्धु)। समसारा विद्यालय में बुधवार को भूटान के डिस्ट्रिक्ट इंस्पेक्टर ऑफ स्कूल (डीआईओएस) के 20 सदस्यों के प्रतिनिधि मंडल ने समसारा विद्यालय का एक महत्वपूर्ण दौरा किया। उनका स्वागत भारतीय संस्कृति के अनुसार तिलक लगाकर किया गया। इसके पश्चात दीप प्रज्वलन की पद्धति को पूरी तरह से अपनाया गया। प्रतिनिधि मंडल ने समसारा विद्यालय की शैक्षिक तकनीक की तारीफ की और वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर (आधारभूतसंरचना) को सराहा। इसके पश्चात समसारा विद्यालय की प्रधानाचार्या कैप्टन प्रवीन राय ने प्रतिनिधि मंडल के समक्ष राष्ट्रीय शिक्षा नीति और नेशनल कर्कुलम फ्रेमवर्क की विशेषताओं पर एक प्रस्तूति करण प्रस्तुत की। अपने इस दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया, जिसमें विकसित तकनीक की अत्यधिक प्रशंसा की।

समसारा विद्यालय तकनीकी माध्यमों से शिक्षण के क्षेत्र में नए-नए आयामों को छू रहा है। समसारा विद्यालय विद्यार्थियों में करके सीखने की प्रवृत्ति का विकास करता है। साथ ही उन्हें भविष्य में सफलता के भिन्न आयामों की भी जानकारी प्रदान करता है। समसारा विद्यालय की प्रबंधकीय समिति ने भूटान के डीआईओएस के 20 सदस्यों के प्रतिनिधि मंडल के इस दौरे को शिक्षण तकनीकी के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। जिससे अलग-अलग देशों के साथ समन्वय के साथ काम किया जा सके और सभी देश एक दूसरे के शिक्षण तकनीक का फायदा उठा सके।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

एआईसीटीई आइडिया लैब से विद्यार्थियों को मिलेगी सीखने की सुविधा : प्रो. सीताराम

ग्रेटर नोएडा, 29 मई (देशबन्धु)। जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट (जीएलबीआईटीएम) ने अपने कैम्पस में एआईसीटीई आइडिया (आइडिया डेवलपमेंट, इवैल्यूएशन एंड एप्लीकेशन) लैब की स्थापना की हैं। जिसका उद्घाटन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के चेयरमैन प्रो. टीजी सीताराम ने फीता काटकर किया।

- **अभी देशभर में 150 और आइडिया लैब स्थापित की जाएंगी : प्रो. टीजी सीताराम**

प्रो. सीताराम ने संबोधित करते हुए कहा कि अभी देशभर में 150 और आइडिया लैब स्थापित की जाएंगी। उन्होंने संस्थान में स्थापित लैब का निरीक्षण किया और प्रसंशा करते हुए निर्देश दिया कि लैब को छात्रों के उपयोग के लिए निरंतर खुला रखा जाना चाहिए, ताकि सीखने के अवसर ज्यादा मिल सकें। उन्होंने जीएल बजाज के छात्रों को नवाचार और कौशल विकास के लिए आइडिया लैब का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया और इस बात पर जोर दिया कि भविष्य की सफलता केवल डिग्री से ही नहीं कौशल से भी प्रेरित होगी। एआईसीटीई के चेयरमैन ने छात्रों में नवाचार और लीक से हटकर सोचने की दृढ़ इच्छा को बढ़ावा देने के लिए जीएल बजाज के निरंतर प्रयासों की प्रशंसा की और छात्रों से इस संसाधन का सर्वोत्तम उपयोग करने और जो संभव है उसकी सीमाओं को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। जीएल बजाज शिक्षण संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कार्तिकेय अग्रवाल ने एआईसीटीई चेयरमैन का स्वागत किया और कार्यक्रम में शामिल होकर मार्गदर्शन करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा यह आइडिया लैब विद्यार्थियों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के मूल सिद्धांतों को समझाने तथा उसका व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कराने में सहायक सिद्ध होगी और लैब की स्थापना से विद्यार्थियों को शोध और नवाचार के लिए उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कॉलेज के निदेशक डॉ. मानस कुमार मिश्रा ने कहा कि छात्रों को इस लैब में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के बुनियादी सिद्धांतों का व्यवहारिक अनुभव होगा।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पारसौल में उप जिलाधिकारी सदर जनपद गौतबुद्धनगर द्वारा प्रस्तुत परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र 411/एस0टी0-एस0डी0एम0/2024 दिनांक 24.05.2024 के अनुसार मृतकों श्रीमती रतनकौर पत्नी श्री स्व0 श्री जगपाल व जगपाल पुत्र बनवीर सिंह के स्थान पर निम्न प्रकार मृतकों के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काशतकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
पारसौल	97	रतनकौर पत्नी स्व0 श्री जगपाल सिंह व श्री जगपाल सिंह पुत्र श्री बनवीर सिंह नि0 पारसौल परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	श्री सुनील मलिक	पुत्र	59 वर्ष	विवाहित
			श्री संजीव मलिक	पुत्र	57 वर्ष	विवाहित
			श्री राजीव मलिक	पुत्र	52 वर्ष	विवाहित
			श्रीमती सुजाता चौधरी	पुत्री	49 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड, व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमशियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम रौनीजा में उप जिलाधिकारी जेवर द्वारा जारी परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 241/एस0टी0-एस0डी0एम0/2023 दिनांक 30.01.2023 से प्राप्त वारिसान प्रमाण प्रमाण पत्र के अनुसार निम्न प्रकार मृतक शीलचन्द पुत्र चेता निवासी ग्राम रौनीजा, परगना जेवर, तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर के स्थान पर उनके वारिसान/सदस्यों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

क्रम संख्या	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काशतकार का नाम व पता	मृतक के पारिवारिक सदस्यो के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विवाहित/अविवाहित
1	रौनीजा	361/2 345 651 353/3 355	शीलचन्द पुत्र चेता निवासी ग्राम रौनीजा, परगना जेवर, तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर	राजवती	पत्नी	67 वर्ष	विधवा
				रामचन्द	पुत्र	50 वर्ष	विवाहित
				देवेन्द्र	पुत्र	42 वर्ष	विवाहित
				सत्तन	पुत्र	40 वर्ष	विवाहित
				ओमप्रकाश	पुत्र	40 वर्ष	विवाहित
				जीतू	पुत्र	33 वर्ष	विवाहित
				राजेश	पुत्री	49 वर्ष	विवाहित
				राजबाला	पुत्री	39 वर्ष	विवाहित
				ममता	पुत्री	36 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड संबंधी अभिलेखो में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमशियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, उपजिलाधिकारी, सदर गौतमबुद्धनगर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र सं0 266/एस0टी0-एस0डी0एम/2024 दिनांक 28.03.2024 स्व0 हरस्वरूप पुत्र स्व0 श्री अंगना नि0 अटटा गुजरान परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यु दिनांक 01.02.2021, को हो चुकी हैं, इसके साथ के उसके वारिसानो मे से एक पुत्र स्व गोपाल पुत्र हरस्वरूप की मृत्यु दिनांक 13.01.2022 को हो चुकी है। जिसके अनुसार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काशतकार का नाम व पता	मृतक के पारिवारिक सदस्यो के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
जगनपुर अफजलपुर	683, 687, 688, 689, 691, 717, 718	स्व0 हरस्वरूप पुत्र स्व0 श्री अंगना नि0 अटटा गुजरान परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर।	श्री चरन सिंह	पुत्र	65 वर्ष	
			श्री चरणपाल	पुत्र	52 वर्ष	
			श्री सतपाल	पुत्र	51 वर्ष	
			श्री लेखराज	पुत्र	58 वर्ष	
			श्रीमती सावित्री पत्नी स्व0 गोपाल	पुत्रवधु	38 वर्ष	विधवा
			श्री विशाल पुत्र स्व0 गोपाल	पोत्र	20 वर्ष	
			श्री अनिकेत पुत्र स्व0 गोपाल	पोत्र	17 वर्ष	
			श्री नितिन पुत्र स्व0 गोपाल	पोत्र	14 वर्ष	
			श्रीमती विद्या देवी	पुत्री	47 वर्ष	विवाहित
			श्रीमती सरोज	पुत्री	46 वर्ष	विवाहित
			श्रीमती रेखा	पुत्री	46 वर्ष	विवाहित
			श्रीमती सुन्दरी	पुत्री	46 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखो में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, राजस्व विभाग राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सरकार द्वारा जिला अधिकारी (साउथ ईस्ट दिल्ली) से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र. 90660000223598 दिनांक 10.03.2024 के अनुसार मृतक स्व0 श्रीमति सस्ती पत्नी स्व दुलीचन्द, नि0 ग्राम 54 मीठापुर गाव, बदरपुर, साउथ ईस्ट दिल्ली भारत 110044 की मृत्यु दिनांक 25.06.2012 को हो चुकी है, जिसके अनुसार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खाता संख्या	खसरा संख्या	मृतक काशतकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	आयु लगभग	मृतक से संबंध	विवाहित अविवाहित
अट्टा गुजरान	39	239	श्रीमति सरती पत्नी स्व दुलीचन्द, नि0 ग्राम 54 मीठापुर गांव, बदरपुर, साउथ ईस्ट दिल्ली भारत 110044	श्री छतरपाल	53 वर्ष	पुत्र	विवाहित
				श्रीमती धर्मवती	53 वर्ष	पुत्री	विवाहित
				श्रीमती कस्तुरी देवी	71 वर्ष	पुत्री	विवाहित
				श्रीमती सुरेश देवी	62 वर्ष	पुत्री	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अदंर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, गुरूवार 30 मई 2024

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

गांधी को फिल्म से जानने वाले

वाराणसी कहें या बनारस या फिर काशी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लोकसभा क्षेत्र जहां से वे तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। यहां 1 जून को मतदान होगा। यहीं पर है बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय। इसे बनाया था महामना पं. मदन मोहन मालवीय ने। उनकी प्रेरणा थे महात्मा गांधी। गांधी जी को पंडित जी से भी लगाव था, काशी से भी और स्वाभाविकत: बीएचयू से भी। इसलिये 5 फरवरी, 2015 को उसके स्थापना दिवस समारोह में वे विशेष रूप से उपस्थित हुए थे। दक्षिण अफ्रीका से लौटे थे और अपने राजनीतिक गुरु गोपाल कृष्ण गोखले की सलाह पर भारत का कोना-कोना देख आये थे। दरभंगा के महाराज के शरीर पर आभूषण देखकर कहा था कि अब मुझे पता चला कि देश सोने की चिड़िया से गरीब कैसे बना। अपने भाषण में उन्होंने छात्रों से पूछा था कि वे कैसा स्वराज चाहते हैं।

उसी लोकसभा क्षेत्र से देश का प्रतिनिधित्व करने वाले मोदी जी कहते हैं कि गांधी का पता दुनिया को रिचर्ड एटनबरो की फिल्म देखने के बाद पता चला। है न गज़ब, कि जो गांधी गुजरात के थे, उसके मोदी मुख्यमंत्री रहे। गांधी का नाम वे साल में पांच-सात बार ले ही लेते हैं। देश हो या विदेश, हर जगह गांधी का उल्लेख करते हैं। उन्हें अगर मलाल है कि गांधी को वैसा नहीं जाना जाता जिस प्रकार नेल्सन मंडेला और मार्टिन लूथर किंग को जाना जाता है। मोदी शायद यह नहीं जानते कि जिन लोगों का वे नाम लेते हैं, वे खुद को ही गांधी के अनुयायी मानते हैं। एक चैनल को साक्षात्कार देते वक्त जब वे कहते हैं कि हमने, यानी देश ने ऐसे कोई प्रयास नहीं किये कि दुनिया में लोग उन्हें जानें। दरअसल मोदी कांग्रेस की आलोचना करने के लिये यह कह रहे थे परन्तु ऐसा कहकर वे अपनी कुटिलता व अल्प ज्ञान का ही परिचय दे गये थे। वे नहीं जानते कि बहुत युवावस्था में जब वे दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद व श्रमिकों के साथ होने वाले अन्याय के खिलाफ लड़ रहे थे, तभी से दुनिया उन्हें जान गयी थी। गोखले उन्हें भारत आमंत्रित करने वहां जाते हैं। सत्य व अहिंसा दो ऐसे सिद्धांत उन्होंने दुनिया को दिये, जिससे सारा विश्व ही उनका मुरीद हो उठा था। महान मानवतावादी रूसी लेखक लियो टॉलस्टॉय से उनका पत्र व्यवहार होता था। गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने जाते हैं तो उनसे मिलने महानतम अभिनेता चार्ली चैपलिन आते हैं, दुनिया के सबसे बड़े वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन उनसे मिलने के बाद कह उठते हैं कि आने वाले वर्षों की पीढ़ियां इस बात पर शायद ही यकीन करेगी कि गांधी नाम का हाड़-मांस का पुतला कभी इस धरती पर चला था।

गांधी के लिए दीवानगी कुछ यूं थी कि अंग्रेजी साहित्यकार मुल्कराज आनंद उनसे साक्षात्कार करने भारत आते हैं और बीबीसी का पत्रकार उनके साथ चलता हुआ नमक तोड़ो सत्याग्रह को कवर करता है, जिसे वह ग्रेट दांडी मार्च कहता है। 1931 में दूसरे गोलमेज सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए जब गांधीजी गए तो ब्रिटिश प्रधानमंत्री से भी मिले, जिस पर फ्रेंक मॉरिस ने कहा था, 'एक अधनंगे फकीर को ब्रिटिश प्रधानमंत्री से बातचीत के लिए सेंट जेम्स पैलेस की सीढ़ियां चढ़ने का नजारा अपने आप में अनोखा और दिव्य प्रभाव पैदा करने वाला था।'

गांधी वही अधनंगे फकीर थे जो दुनिया के सबसे ताकतवर ब्रितानी शासक की आंख में आंख डालकर कहने की हिम्मत रखते थे कि उनके शरीर पर इतने कम कपड़े इसलिये हैं क्योंकि उनके जैसे देश के लोगों के हिस्से तो आपने पहन रखे हैं। उसी इंग्लैंड में वह उन्हीं कपड़ा मिल मजदूरों की बस्ती में रूकते हैं जो भारत में छेड़े गए विदेशी वस्त्रों के खिलाफ चल रहे आंदोलन के कारण बेकार हो गये थे।

भारत की आजादी के पहले और बाद में भी गांधी के मुरीद देश ही नहीं विदेशों में भी थे। आंग सान सू, कैलेनबाख, मीरा बेन, नेल्सन मंडेला से लेकर बराक ओबामा तक, कितने नाम लें और कितने छोड़ें। आज भी दुनिया भर में सबसे ज्यादा मूर्तियां व डाक टिकट गांधीजी पर हैं। यहां तक कि लंदन में वेस्टमिंस्टर परिसर में भी उनकी मूर्ति है, जबकि गांधीजी ने इन्हीं अंग्रेजों के खिलाफ लड़े थे।

30 जनवरी 1948 को जब गांधीजी की हत्या नाथूराम गोडसे ने की थी, तो इस शोक में केवल भारत ही नहीं समूची मानवता डूब गई थी। उनकी मृत्यु पर दुनिया भर के झंडे झुक गये थे। आजाद भारत में एक परंपरा ही बन गई है कि जब भी किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष का दौरा होता है तो गांधी समाधि राजघाट पर जाकर श्रद्धांजलि दी जाती है, गांधी स्मृति में पौधारोपण किया जाता है।

ये सारी बातें आम भारतीयों को पता है, दुनिया भी गांधी के बारे में काफी कुछ जानती है। लेकिन शायद दस सालों से देश के प्रधानमंत्री पद पर आसीन नरेन्द्र मोदी को ही इन बातों का पता नहीं था। तभी उन्होंने ऐसा बयान दिया। राहुल गांधी ने बिल्कुल सही लिखा है कि सिर्फ 'एंटायर पॉलिटिकल साइंस' के छात्र को ही महात्मा गांधी के बारे में जानने के लिये फिल्म देखने की ज़रूरत रही होगी।

गांधी को कौन कितना जानता है या नहीं जानता है, इस पर राय देने की जगह अगर प्रधानमंत्री इस बात पर गौर फरमाते कि 10 सालों में गांधीजी के खिलाफ देश में किस तरह घृणा का माहौल बनाया गया है, किस तरह गांधी की हत्या करने वाले गोडसे को महिमामंडित करने का खेल रचा गया है, तो बेहतर होता।

ध्यान की राजनीति या राजनीति का ध्यान

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

खबर आई है कि आम चुनावों के आखिरी चरण के लिए प्रचार खत्म होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी कन्याकुमारी में विवेकानंद स्मारक जाकर ध्यान में लीन होने वाले हैं। 30 मई को पंजाब में प्रचार करने के बाद वे सीधा तमिलनाडु जाएंगे। 31 मई से 1 जून तक श्री मोदी विवेकानंद रॉक मेमोरियल में बने ध्यान मंडपम में करीब 24 घंटों का ध्यान लगाएंगे। 132 साल पहले 1892 में स्वामी विवेकानंद ने समुद्र में जब यह शिला देखी थी, तो उससे प्रभावित हुए थे, वे तैर कर इस शिला पर पहुंचे और फिर 25, 26, 27 दिसंबर तीन दिनों तक यहां ध्यान लगाया था। कहा जाता है कि यहीं उन्हें भारत माता की दिव्य अवधारणा की अनुभूति हुई थी। पाठकों को पता ही होगा, स्वामी विवेकानंद का मूल नाम नरेन्द्र था, विवेकानंद नाम उन्हें आध्यात्म के रास्ते पर चलने के बाद मिला। अब यह तो परमात्मा ही जानें, या फिर खुद को परमात्मा का अंश बताने वाले नरेन्द्र मोदी जानें कि आगे जाकर वे अपने लिए कौन सा नाम चाहते हैं या फिर नरेन्द्र होकर ही उन्होंने वह सिद्धि हासिल कर ली है, जिसके लिए अनेक लोगों ने बरसों की तपस्या की है।

गौरतलब है कि नरेन्द्र मोदी इससे पहले 2019 में केदारनाथ की रुद्र गुफा में इसी तरह आखिरी चरण के मतदान के वक्त ध्यान करने पहुंचे थे। गेरुआ वस्त्र और आंखों पर लगा चश्मा, लेकिन बंद आंखों से कैमरे की उपस्थिति में किस तरह ध्यान लगाया, इसका रहस्य जानने को अब भी देश उत्सुक है। 2014 में भी श्री मोदी चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद शिवाजी के प्रतापगढ़ किले पहुंचे थे, जहां अफजल खान को शिवाजी ने बघनखा से मारा था। हालांकि इस जगह उन्होंने ध्यान तो शायद नहीं लगाया होगा, या फिर वे खुद को इतना सिद्ध मानते हैं कि वे उस जगह पर भी ध्यान लगा सकते हैं, जहां किसी की हत्या की गई हो। बहरहाल, 2015 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी कोलकाता के बेलूर मठ गए थे और उसी कमरे में कुछ देर ध्यान उन्होंने लगाया था, जहां स्वामी विवेकानंद ध्यान लगाया करते थे।

ध्यान की राजनीति या राजनीति का ध्यान, कुछ भी कहें, प्रधानमंत्री इस खेल के पुराने खिलाड़ी लगते हैं। इसलिए उनसे कुछ सवाल हैं। मसलन, इस बार ध्यान करने के लिए उन्होंने विवेकानंद स्मारक की क्यों चुना। क्या राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत यहीं से की थी, और वे भी विवेकानंद मेमोरियल गए थे, इस वजह से श्री मोदी वहां पहुंच रहे हैं। भाजपा के एक नेता का दावा है कि यहां आकर श्री मोदी राष्ट्रीय एकता का संदेश देना चाहते हैं, क्योंकि यहां पूर्वी और पश्चिमी तट रेखाएं मिलती हैं। लेकिन भौगोलिक एकता तो भारत में बनी ही हुई है, असल मसला तो भावनात्मक एकता का है। क्या श्री मोदी अपने ध्यान से इस एकता को मजबूत करने में कोई मदद कर सकते हैं। सवाल तो यह भी है कि नरेन्द्र मोदी पिछले तीन महीनों से लगातार चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं, उससे पहले पांच साल अलग-अलग विधानसभा चुनावों, नगरीय निकायों और पंचायत चुनावों में व्यस्त रहे, और इस दौरान वक्त मिलने पर कभी विदेश यात्रा पर जाना पड़ा, कभी ट्रेनों को हरी झंडी दिखानी पड़ी और कभी नौकरी के नियुक्ति पत्र बांटने पड़े, तो अब उन्हें थोड़ी फुर्सत मिली, तो क्या बेहतर नहीं होता कि वे प्रधानमंत्री कार्यालय में थोड़ा वक्त गुजार लेते। 24 घंटे अपने कार्यालय में ही ध्यान कर लेते तो कुछ नहीं बिगड़ता। बल्कि तमिलनाडु तक जाने का खर्च बचता, और आम लोगों को भी तकलीफ नहीं होती, जिनके लिए श्री मोदी की यात्रा के दौरान विवेकानंद स्मारक बंद किया जा रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय में श्री मोदी ध्यान करने बैठते तो शायद उन्हें देश की दशा और दिशा का ध्यान भी हो जाता। नरेन्द्र मोदी चाहते तो दिल्ली के आस-पास मथुरा-वृंदावन में ही ध्यान कर लेते। सारनाथ या बोधगया भी जा सकते थे या गुजरात में भी ध्यान के स्थलों की कमी नहीं है। लेकिन उनके मन में शायद यह बात आई हो कि अब मैंने खुद को परमात्मा का अंश बता दिया है तो विपक्ष के नेताओं या अपनी पार्टी या संघ में भी ऐसा कोई नहीं है, जिससे मैं होड़ कर सकूं, विश्वगुरु हूं तो दुनिया का भी कोई नेता मेरे मुकाबिल नहीं ठहरता, गांधी-नेहरू-पटेल-भगत सिंह से भी कोई वास्ता नहीं, तो फिर क्यों न सीधे स्वामी विवेकानंद से ही होड़ करूं। कोई आध्यात्मिक सिद्धि हासिल हो न हो, नाम तो हो ही जाएगा कि इस शिला पर दो नरेन्द्रों ने ध्यान लगाया था।

> **कन्याकुमारी में समुद्र की उस चट्टान को देखने से पहले स्वामी विवेकानंद ने कम से कम पांच साल तक भारत दर्शन किया था। इस दौरान स्वामीजी ने भारत की विविध धार्मिक परंपराओं, सामाजिक रीति-रिवाजों, शिक्षा प्रणाली आदि को करीब से देखा और समझा, इसके साथ-साथ लोगों की पीड़ा, गरीबी और उसके कारणों पर विचार किया। इसके बाद भारत के उत्थान के बारे में विचार किया।**

इससे पहले कि नरेन्द्र मोदी ध्यानमग्न हो जाएं, उनका ध्यान कुछ और जरूरी बातों की तरफ दिलाना जरूरी है। जैसे स्वामीजी को इस शिला पर ध्यान करते हुए भारत माता की जिस छवि के दर्शन हुए थे, आज उस छवि को अनेक खतरों और चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। राहुल गांधी ने संसद में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान दिए अपने भाषण में मणिपुर की महिलाओं पर हुए अत्याचार का जिक्र कर भारत माता पर मंडराए इसी खतरे की ओर प्रधानमंत्री का ध्यान दिलाना चाहा था। तब तो राहुल गांधी को नसीहत मिल गई कि इस तरह भारत माता का नाम न लें। लेकिन श्री मोदी जब ध्यान के लिए आंखें बंद करेंगे तो क्या उन्हें मणिपुर की पीड़िताओं की वेदना महसूस हो पाएगी। क्या उन्हें पुलवामा, गलवान और देश के अलग-अलग हिस्सों में शहीद हुए सैनिकों की विधवाओं, माताओं, बेटियों, बहनों के दुख में भारत माता का दुख नजर आएगा। क्या ध्यान करते हुए प्रधानमंत्री मोदी अपने इस पांच और पिछले पांच साल के कार्यकाल के बारे में भी विचार करेंगे। क्योंकि ध्यान के लिए आत्मशुद्धि जरूरी है और आत्मशुद्धि के लिए आत्ममंथन जरूरी है। श्री मोदी क्या इस बात पर गौर करेंगे कि नोटबंदी के उनके फैसले से इस देश के आम आदमी को किस तकलीफ से गुजरना पड़ा है। इसके बाद एक झटके में लिए गए लॉकडाउन के फैसले ने देश में कैसी अफरा-तफरी मचा दी थी। अमीरी-गरीबी का भेद तो हमेशा से ही रहा है, लेकिन मार्च 2020 के बाद से यह भेद अपने क्रूर और विद्रूप रूप को निस्संकोच सामने ले आया। जहां संपन्न लोगों के लिए घरों में बंद रहकर परिजनों के साथ समय बिताना आसान था, लेकिन इसी दौरान तपती धूप में लाखों लोग पैदल घरों की तरफ निकल पड़े और न जाने कितने लोगों ने बेघर और बेरोजगार होकर कोरोना से ग्रसित हुए बिना ही दम तोड़ दिया। क्या प्रधानमंत्री को गंगा के किनारे लगे लाशों के ढेर और देर रात तक श्मशान में जलते शव भी ध्यान की मुद्रा में दिखेंगे। क्या उन्हें दिल्ली की सीमाओं पर साल भर तक डटे किसानों के चेहरे ध्यान के दौरान नजर आएंगे या वे हताशा से भरे उन नौजवानों की सूरत नजर आएगी, जिन्होंने जीवन के सुनहरे साल नौकरी की तलाश में गंवा दिए। इन नौजवानों में बहुतों ने स्वामी विवेकानंद को अपना आदर्श बनाया होगा, जिन्होंने कहा था कि उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। बेरोजगार, निराश नौजवानों के लक्ष्यों को मोदी सरकार की नीतियों ने किस तरह लील लिया, क्या इस पर मोदीजी ध्यान करेंगे।

कन्याकुमारी में समुद्र की उस चट्टान को देखने से पहले स्वामी विवेकानंद ने कम से कम पांच साल तक भारत दर्शन किया था। इस दौरान स्वामीजी ने भारत की विविध धार्मिक परंपराओं, सामाजिक रीति-रिवाजों, शिक्षा प्रणाली आदि को करीब से देखा और समझा, इसके साथ-साथ लोगों की पीड़ा, गरीबी और उसके कारणों पर विचार किया। इसके बाद भारत के उत्थान के बारे में विचार किया। नरेन्द्र मोदी के पास बतौर प्रधानमंत्री पूरे दस साल थे कि वे भी इसी तरह भारत को करीब से समझने की कोशिश करते। लेकिन उन्होंने अपनी ऊर्जा और प्रधानमंत्री कार्यालय के संसाधनों का इस्तेमाल हिंदुत्व को बढ़ावा देने में ही लगा दिया। इसलिए अब कपड़ों से लोगों की पहचान के बाद उन्हें साप्ताहिक छुट्टियों का संबंध धर्म से जोड़ना पड़ रहा है। अवकाश रविवार को हो या शुक्रवार को या सप्ताह के किसी भी दिन हो, लोगों की मूल समस्याएं उससे हल नहीं होंगी। जीवनस्तर तभी ऊंचा उठेगा, जब सरकार ईमानदारी से काम करे। 24 घंटों के ध्यान के दौरान नरेन्द्र मोदी इस सवाल पर भी गौर करें कि जब वे 18-18 घंटे काम करने का दावा करते हैं, उस के बाद भी उनके परिवारजनों को 5 किलो अनाज का मोहताज क्यों होना पड़ रहा है। क्यों गर्म हवाओं या ठिठुराती सर्दी में हाड़-तोड़ मेहनत करके दो वक्त की रोटी का इंतजाम नहीं हो पा रहा। क्यों अर्थव्यवस्था की गिरावट से लेकर मौसम के बिगड़ने की मार गरीबों को ही सहनी पड़ रही है। क्यों गंगा समेत देश की नदियां अब भी मैली हैं, क्यों पहाड़ धसक रहे हैं, क्यों जंगलों में आग फैल रही है।

बहुत सारे सवाल हैं मोदीजी, सब पर विचार करें तो ध्यान के 24 घंटे कम पड़ जाएंगे। लेकिन केवल आंखें मूंदना हो, तो कोई बात नहीं, देश तो 10 सालों से इन आंखों को यूं ही फिरते देखता आया है।

इंडिया ब्लॉक के 1 जून को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उम्मीद

■ डॉ. ज्ञान पाठक

लोकसभा चुनाव 2024 के अंतिम 7वें चरण ने दोहरा गौरव प्राप्त किया है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वाराणसी में सबसे अच्छा समय प्रदान करता है, लेकिन आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 1 जून को मतदान के लिए निर्धारित अधिकांश लोकसभा क्षेत्रों में सबसे खराब समय भी प्रस्तुत करता है। अंतिम 57सीटों के लिए चुनाव प्रचार 30 मई को समाप्त हो जायेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं, जहां उन्हें आरामदायक जीत की उम्मीद है, लेकिन चिंता की बात यह है कि जीत के अंतर में भी कोई भी हार उनके अपने निर्वाचन क्षेत्र में लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता खोने का संकेत देगी। इसलिए उन्होंने और उनके आरएसएस-भाजपा कुनबे ने 2019 में हुए पिछले लोकसभा चुनाव में अपनी जीत के अंतर को 4,79,505 से बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। भाजपा नेता इस जीत के अंतर को दोगुना करने का दावा कर रहे हैं, जो इस समय संभव नहीं लगता। पिछले चुनाव में सपा प्रत्याशी शालिनी यादव दूसरे स्थान पर रही थीं, हालांकि इस बार सीट बंटवारे के तहत कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार हैं। जाहिर है, इंडिया ब्लॉक2019 की तुलना में कड़ी टक्कर दे रहा है।

गौरतलब है कि 2019 में जब सपा और कांग्रेस ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था, तब उन्हें 18.40 और 14.38 फीसदी वोट मिले थे। पीएम मोदी ने 63.62 फीसदी वोट हासिल किये थे, जिसमें 7.25 फीसदी स्विंगवोट थे, क्योंकि वे पुलवामा की लहर पर सवार थे। जनवरी 2024 में राम मंदिर उद्घाटन ने उनके पक्ष में जनभावना को बढ़ाया था, लेकिन उसके बाद से यह कम होता जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में वाराणसी समेत कुल 13 लोकसभा सीटों पर मतदान होना है और तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रहे पीएम मोदी एक भी सीट नहीं गंवाना चाहते। राज्य में पिछले छह चरणों के चुनाव में भाजपा ने आधा दर्जन से अधिक सीटों पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, जिसका मतलब है कि पार्टी 2019 में जीती गई 62सीटों में से कुछ खोने का जोखिम उठा रही है।

पार्टी के लिए अब यह बड़ी चिंता की बात है कि कम से कम तीन सीटों- बलिया, गाजीपुर, घोसी- पर सपा के उम्मीदवारों ने भाजपा के उम्मीदवारों की नींद उड़ा दी है। जहां तक भाजपा की सहयोगी पार्टी अपना दल (एस) की बात है तो उसके उम्मीदवारों को मिर्जापुर और रॉबर्ट्सगंज सीटों पर मामूली बढ़त हासिल है। इससे पहले एनडीए की एक और सहयोगी पार्टी रालोद ने भी दो सीटों को छोड़कर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। 2019 में राज्य से एनडीए की सीटों की संख्या 64 थी, जिसमें अपना दल (एस) की दो सीटें थीं।

भाजपा ने इस बार राज्य की कुल 80सीटों में से 74 सीटें खुद के लिए और 4 सीटें सहयोगियों के लिए जीतने का लक्ष्य रखा था। हालांकि, राज्य में पार्टी अपने लक्ष्य से काफी पीछे है। उसे अपनी 62 सीटें बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। चुनाव के आखिरी चरण में महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव, सलेमपुर, चंदौली और निश्चित रूप से वाराणसी में भाजपा का पलड़ा भारी दिख रहा है। अगर हम आखिरी चरण में भाजपा के प्रदर्शन की तुलना करें तो उत्तर प्रदेश में एनडीए के लिए स्थिति बेहतर है, हालांकि इंडिया ब्लॉक तीन सीटों पर उसे मात दे सकता है।

अन्य राज्यों में पार्टी का प्रदर्शन पहले के चरणों की तुलना में काफी खराब दिख रहा है। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की एकमात्र सीट और पंजाब की 13सीटों पर भाजपा को इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवारों से बड़ी चुनौती मिलती दिख रही है। चंडीगढ़ में कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन है और कांग्रेस भाजपा के नये उम्मीदवार को कांग्रेस उम्मीदवार कड़ी टक्कर दे रहे हैं। सत्ता विरोधी लहर को भांपते हुए भाजपा ने अपने मौजूदा सांसद को टिकट न देकर नये उम्मीदवार को चुनावी रणभूमि में उतारा है। कांग्रेस के पास चंडीगढ़ सीट पर कब्ज़ा करने का बहुत अच्छा मौका है, जिसे 2019 के चुनाव में फिल्म अभिनेत्री किरण खेर ने जीता था।

भाजपा ने 2019 के चुनाव में पंजाब में दो सीटें - गुरुदासपुर और होशियारपुर - जीती थीं। उस समय भाजपा और शिरोमणि अकाली दल ने मिलकर चुनाव लड़ा था। अब वे सभी 13सीटों पर अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं, भाजपा पहली बार सभी सीट लड़ रही है। हालांकि पंजाब में आप और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे की कोई व्यवस्था नहीं है, लेकिन वे मुख्य प्रतियोगी के रूप में उभरे हैं। भाजपा राज्य में हार की लड़ाई में अपनी सीटों को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है।

भाजपा को बिहार में भी अपनी उम्मीदें धराशायी होती दिख रही हैं, जहां इस चरण में 8 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होना है। इन आठ सीटों में से, भाजपा को केवल एक पटना साहिब सीट पर बढ़त मिलती दिख रही है, जबकि उसकी सहयोगी जेडी(यू) नालंदा में अच्छा प्रदर्शन करती दिख रही है। सासाराम में कांग्रेस उम्मीदवार का पलड़ा भारी है, जबकि राजद पाटलिपुत्र, बक्सर और जहानाबाद में एनडीए उम्मीदवारों को कड़ी टक्कर दे रहा है। वामपंथी राजनीति के लिए अच्छी खबर हो सकती है, क्योंकि राजद और कांग्रेस के साथ इंडिया गठबंधन में सहयोगी सीपीआई (एमएल) एल को दो निर्वाचन क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है।

> **भाजपा को बिहार में भी अपनी उम्मीदें धराशायी होती दिख रही हैं, जहां इस चरण में 8 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होना है। इन आठ सीटों में से, भाजपा को केवल एक पटना साहिब सीट पर बढ़त मिलती दिख रही है, जबकि उसकी सहयोगी जेडी(यू) नालंदा में अच्छा प्रदर्शन करती दिख रही है। सासाराम में कांग्रेस उम्मीदवार का पलड़ा भारी है।**

भाजपा ने हिमाचल प्रदेश में सभी चार सीटों पर जीत का भरोसा जताया है। हालांकि, स्थिति उतनी अनुकूल नहीं है। मंडी और हमीरपुर सीटों पर अभी भी भाजपा को बढ़त हासिल है, लेकिन कांगड़ा और शिमला सीटों पर उसके उम्मीदवारों को स्थानीय मुद्दों के कारण कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

झारखंड में अब राजनीतिक स्थिति बदल गयी है, जो भाजपा के खिलाफ जा रही है, जिसने राज्य में 2019 के चुनाव में 14 में से 11 सीटें जीती थीं, जबकि उसकी सहयोगी आजसू पार्टी ने 1 सीट जीती थी। दोनों इस बार भी सहयोगी के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन वोटों के उनसे दूर होकर नयी पार्टी जेबीकेएसएस और इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवारों के पास चले जाने से उन्हें काफी नुकसान होने वाला है। एनडीए ने पिछले चरणों में खराब प्रदर्शन किया है। तीन निर्वाचन क्षेत्रों - राजमहल, दुमका और गोड्डा में मौजूदा चरण में मतदान होने जा रहा है, लेकिन केवल गोड्डा सीट पर ही भाजपा को कुछ उम्मीद है। भाजपा के निशिकांत दुबे का कांग्रेस के प्रदीप यादव से कड़ा मुकाबला है। हालांकि, राजमहल और दुमका में झामुमो को बढ़त मिलती दिख रही है।

जिन दो राज्यों से भाजपा को काफी उम्मीदें थीं, वे हैं - ओडिशा और पश्चिम बंगाल। भाजपा ने 2019 में ओडिशा में 8 सीटें जीती थीं और उसे अपनी संख्या बढ़ाने की काफी उम्मीद है। बीजद ने राज्य की 21 में से 12 सीटें जीती थीं। हालांकि, पीएम नरेंद्र मोदी के सीएम नवीन पटनायक पर निजी हमले के कारण, लोग हाल ही में पटनायक के प्रति सहानुभूति रखते पाये गये हैं। इससे भाजपा की अधिक सीटें जीतने की संभावना प्रभावित हो सकती है। अब मयूरभंज, बालासोर, भद्रक, जयपुर, केंद्रपाड़ा और जगतसिंहपुर समेत सिर्फ 7 सीटों पर मतदान होना है। प्रचार के आखिरी चरण में बीजद मजबूत होकर उभरी है, जिससे भाजपा नेतृत्व के लिए चिंता की बात है।

भाजपा ने पश्चिम बंगाल से 35 सीटें जीतने का बहुत ऊंचा लक्ष्य रखा था, जबकि 2019 के चुनाव में उसने 18 सीटें जीती थीं। यह राजनीतिक रूप से सबसे संवेदनशील तीन राज्यों में से एक है, अन्य दो उत्तर प्रदेश और बिहार हैं, जहां सभी 7 चरणों में चुनाव होने थे। राज्य में टीएमसी और भाजपा के बीच तीखा ध्रुवीकरण देखा गया है, और इसलिए, कांग्रेस और वाम दलों सहित अन्य सभी दलों की राजनीतिक किस्मत खराब हो गयी है। अंतिम चरण में बंगाल की नौ सीटों पर मतदान हो रहा है। ये सभी फिलहाल टीएमसी के पास हैं। ऐसा लगता है कि कोलकाता और आसपास के जिलों में प्रचार के आखिरी चरण में प्रधानमंत्री की बड़ी रैलियों और रोड शो के बावजूद, भाजपा के लिए इन नौ सीटों में से कोई भी नयी सीट जीतना मुश्किल होगा। हालांकि, भाजपा ने अधिकांश सीटों पर अपने संगठनात्मक तंत्र को इष्टतम स्तर पर जुटाया है। परिणाम 4 जून को ही ज्ञात होंगे।

पावन प्रसंग

विनम्रता का पाठ

तथागत बोधिवृक्ष को साष्टांग दंडवत कर रहे थे उन्हें देख शिष्यों ने आश्चर्य से पूछा आप तो पूर्ण हैं फिर इस तुच्छ वृक्ष को इतना सम्मान क्यों दे रहे हैं?

बुद्ध ने कहा- 'आप सबको यह बोध कराने के लिए कि जो झुकता है, सो बड़ा होता है। ऐसा न हो कि आप लोग अहंकारी बनकर नमन की परंपरा भुला दो।' हर मनुष्य में गुण-दोष होते हैं। इसलिए अच्छा वही है कि दूसरों के दोषों पर ध्यान न देकर उनके गुणों को परखा जाए और आपस में मिलजुल कर एक दूसरे को सुधारने का प्रयास करते हुए प्रेमपूर्वक आगे बढ़ा जाए। ऐसा करने से दोष अपने आप कम होने लगेंगे।

अपशब्दों को ससम्मान लौटाएं- भगवान बुद्ध भिक्षाटन करते हुए एक ऐसे ब्राह्मण के घर पहुंचे जो बुद्ध से प्रेम नहीं घृणा करते थे? बुद्ध से परिचित नहीं होने के कारण घर आए तपस्वी संन्यासी का पहले ब्राह्मण ने खूब सत्कार किया, लेकिन जैसे ही उसे पता चला कि वह स्वयं बुद्ध हैं, तो उसने खूब अपशब्द कहे और तुरंत निकल जाने को कहा।

बुद्ध निस्पृह भाव से बड़ी देर तक ब्राह्मण की बात सुनते रहे। जब उन सज्जन ने बोलना बंद किया तो उन्होंने पूछा-'द्विजवर, आपके यहां कोई अतिथि आते होंगे तो आप उनका सुंदर भोजन और मिष्ठान्न से स्वागत करते होंगे।'

'इसमें क्या शक है? ब्राह्मण ने उत्तर दिया।

'और यदि किसी कारणवश अतिथि उन्हें स्वीकार न करें, तो आप उन्हें फेंक देते होंगे?' बुद्ध ने पूछा।

'फेंक क्यों देते हैं' हम स्वयं उन्हें ग्रहण कर लेते हैं।' बड़े विश्वास के साथ ब्राह्मण का उत्तर मिला।

'तो हम आपकी गालियों की यह भेंट भी स्वीकार नहीं करते। अपनी वस्तु आप ग्रहण कीजिए।' यह कहकर बुद्ध मुस्कराते हुए वहां से चल पड़े।

भगवान बुद्ध गंभीर और सौम्य शांति की दीप्ति बिखेरते हुए शांत मुद्रा में आगे बढ़ रहे थे। उनके शिष्य पंक्तिबद्ध होकर उनके पीछे थे। लक्ष्य था राजगृह। वहां पहुंच कर वहां के निवासियों को धर्म का उपदेश देना था। तभी राह में भेड़ों का एक झुंड निकला। भेड़ों के पीछ उनका मालिक गड़रिया भेड़ के एक बच्चे को कंधे पर उठाए चल रहा था। तथागत ने सोचा कि शायद भेड़ के बच्चे को कोई पीड़ा है। उसकी पीड़ा को अनुभव करते हुए उन्होंने गड़रिये को रोककर उसे कंधे पर उठाने का कारण पूछा।

साधुवेश तेजस्वी संन्यासी को सामने देखकर गड़रिये का मन श्रद्धा से भर उठा। उसने बड़ी विनम्रता से कहा। इस मेमने के पैर में चोट है, जिसके कारण यह चल नहीं पा रहा है। बुद्ध कातर हो उठे। उन्होंने मेमने के पीड़ित अंग का स्पर्श किया। तथागत का स्पर्श पाकर मूक पशु को जैसे राहत मिली हो। उसने आंखें मूंद लीं और भीगी पलकों से चुपचाप दो-चार आंसू बहा दिए। तभी गड़रिये ने पूछा- भंते! आपको इस मेमने के पैर की चोट से इतनी व्यथा है, तो फिर थोड़ी देर बाद जब इन भेड़ों को एक साथ अग्नि में समर्पित किया जाएगा तो आपको कितनी पीड़ा होगी?' क्या कहा? शांत बुद्ध का मुखमंडल उग्र हो उठा। क्या ये भेड़ें बलि देने के लिए ले जाई जा रही हैं, कौन अभागा इन निरीह निरपराध भेड़ों की बलि चढ़ाकर स्वर्गप्राप्ति का सौभाग्य लूटना चाहता है?

राजगृह के अधिपति अजातशत्रु। कहते है- 'उसने अपने पिता का वध किया था। उसी पाप के प्रायश्चित स्वरूप वह यज्ञ रचा है।'

भगवान बुद्ध जब राजभवन पहुंचे, तो पाया कि गड़रिये ने जो कहा था, वह अक्षरश: सत्य था। उन्होंने अजातशत्रु को एक तिनका तोड़ कर देते हुए कहा इसे जोड़ो। जिस तरह यह तिनका जुड़ नहीं सकता उसी तरह हत्या का पाप निरीह पशुओं को बलि देने से कम नहीं हो सकता बल्कि और अधिक पाप चढ़ जाएगा। तब अजातश्त्रु उनके चरणों में गिरकर माफी मांगी।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

आधुनिकता का अंधानुकरण, ओझल होती परंपराएं

वर्तमान में आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम इस तरह तेज भाग रहे हैं कि हमारी सनातनी परंपराएं धीरे-धीरे पीछे छूट रही हैं और हम आधुनिकता तथा परंपराओं के बीच त्रिशंकु बन कर लटक रहे हैं। भारतीय वैदिक, सनातनी संस्कृति हमें अपने भारतीय होने का एहसास कराती है जो हमें विश्व के अन्य देशों से विकास की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत में अनेक परंपराएं ऐसी हैं जो सामाजिक जीवन को अधिक सभ्य एवं अच्छा इंसान बनाए रखने में योगदान देती है। जिनसे मनुष्यता का जीवन जीने की प्रेरणा भी मिलती है। यांत्रिक उपकरणों की तरह जिंदगी जीना भी कोई जीना है। यह भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य का घालमेल ही है जो मनुष्य के जीवन को यंत्रवत बना देता है। जो आने वाले कल के लिए घातक भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन की कुछ विशेषताएं भी हैं, जो हमारे विचारों को अधिक तार्किक तथा बौद्धिक बनाती है। जिससे हम अपना जीवन तार्किक तथा बौद्धिक बना सकते हैं। जिन्हें हम अपने जीवन में क्रियान्वित कर अपने मनुष्य जाति के जीवन को अधिक सार्थक एवं सुलभ बना सकते हैं। निसंदेह हमें रूढ़िवादी या एकदम पुरातन पंथी संस्कृति से लगाव न रखकर पाश्चात्य संस्कृति के जो फायदे हैं, उन्हें अपनाकर अपना जीवन सरल सार्थक एवं सुगम बना सकते हैं परंतु आज वर्तमान में हमने पश्चिम दर्शन से खोखला आधुनिकवाद ओढ़ लिया है, हम न अत्यंत आधुनिक ही हो सके हैं और ना ही सही-सही संस्कारित परंपरावादी ही बन पाए हैं। हम पाश्चात्य दर्शन और भारतीय संस्कार और परंपरा के बीच त्रिशंकु बन कर झूल रहे हैं। विवेकानंद जी ने कहा है कि वीणा के तार को इतना भी न कसो कि वह टूट जाए, और इतना भी ढीला न छोड़ो कि वह बज भी ना पाए, मूलत: हमें दोनों संस्कृतियों की समग्र अच्छाइयों को आत्मसात कर उनकी बुराइयों को त्यागना होगा तब ही जीवन सफल हो सकेगा। भारतीय संस्कृति अध्यात्म प्रधान है। जबकि पश्चिमी सभ्यता भौतिकता लिए होती है, और उसमें भौतिकता की प्रधानता होती है। आध्यात्मिक प्रधान संस्कृति से तात्पर्य भौतिकता वादी दृष्टिकोण से दूर रहकर भौतिकता वादी होने का ही है। प्राचीन काल से ही भारत देश में 'अतिथि देवो भव' और 'वसुधैव कुटुंबकम्' वाली संस्कृति रही है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर, विश्वास, भावना, आस्था, धर्म, रीति रिवाज जैसे तथ्यों से भरी पड़ी है। धर्म प्रधान संस्कृति होने के कारण ही इसे आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाला देश माना गया है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में यदि कहें तो ईश्वरत और त्याग पर्यायवाची शब्द है। संस्कृति और सदाचार उसकी बाह्य अभिव्यक्तियां है। परंपरागत दृष्टिकोण से हम अपने धार्मिक तथा आध्यात्मिक दर्शन को लेकर बहुत हद तक अपने आप को एवं देश को महिमामंडित करने में लगे रहते हैं। किंतु आज आवश्यकता इस बात की है कि हमें पूर्ण रूप से आध्यात्मिक ना होकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर इस तथ्य का मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि 21 सदी में पांचवी एवं छठवीं सदी की मान्यताएं तथा परंपराएं जारी रख उन्हें अपना सकते हैं क्या?, आज जब दुनिया वैज्ञानिक चमत्कारों से भरी पड़ी है। दुनिया विज्ञान की प्रगति से चांद तो क्या सूर्य को भी खंगालने का प्रयास कर रही है। मानव का क्लोन बनाकर ईश्वर की सत्ता को चुनौती देने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में धार्मिक संस्कृति तथा आध्यात्मिकता को आवश्यकता से अधिक महत्व एवं परंपरा में लाना प्रासंगिक एवं तार्किक होगा।

संजीव ठाकुर

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770

ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

दक्षिण अफ्रीका में आम चुनाव के लिए शुरू हुआ मतदान

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका में आम चुनाव 2024 के तहत बुधवार सुबह से मतदान शुरू हो गया। दक्षिण अफ्रीका का चुनाव आयोग (अक्सर स्वतंत्र चुनाव आयोग या आईईसी के रूप में जाना जाता है) के अनुसार, देश भर में 23,000 से अधिक मतदान केंद्रों पर दो करोड 70 लाख से अधिक मतदाता नई राष्ट्रीय असेंबली और प्रांतीय विधानसभाओं का चुनाव के मद्देनजर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। वर्ष 2024 के राष्ट्रीय और प्रांतीय चुनाव, जो दक्षिण अफ्रीका की स्वतंत्रता और लोकतंत्र के 30 साल पूरे हो रहे है। वर्ष 1994 में रंगभेद समाप्त होने के बाद से देश में सातवी बार आम चुनाव हो रहे हैं। आईईसी ने कहा कि चुनाव के नतीजे रविवार को घोषित किए जाएंगे।

इजरायल ने राफा शिविर पर बमबारी में संलिप्तता से इनकार किया

गाजा, 29 मई (एजेंसियां)। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने मंगलवार को राफा शहर के पास अल-मवासी इलाके में एक शिविर पर हुए बम विस्फोट में अपनी संलिप्तता से इनकार किया, जिसमें कम से कम 21 लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए थे। आईडीएफ ने एक बयान में कहा कि पिछले कुछ घंटों की रिपोर्टों के विपरीत, आईडीएफ ने अल-मवासी में मानवीय क्षेत्र में हमला नहीं किया। आईडीएफ ने यह भी सुझाव दिया कि हथियारों का छिपा हुआ भंडार घातक विस्फोटों का वास्तविक कारण हो सकता है। राफा में सुरक्षा सूत्रों ने पहले 'शिन्हुआ' को बताया था कि इजरायली तोपखाने ने अल-मवासी क्षेत्र में विस्थापितों के लिए तंबुओं पर बमबारी की, जो एक मानवीय क्षेत्र है जहां विस्थापित गाजावासी आईडीएफ के आदेश के आधार पर शरण लेते हैं। स्थानीय चिकित्सा सूत्रों ने 'शिन्हुआ' को बताया कि बमबारी में महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि बमबारी में कम से कम 64 लोग घायल हो गए, जिनमें 10 की हालत गंभीर है। यह घटना उत्तर-पश्चिमी राफा में विस्थापित नागरिकों के तंबुओं पर इजरायल के हवाई हमले के एक दिन बाद हुई, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 45 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। सोमवार को इजरायली सांसदों को संबोधित करते हुए इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार के हवाई हमले को दुर्भाग्य से कुछ दुखद गलत हुआ कहा और त्रासदी की जांच करने का वादा किया।

राफा में इजरायल ने किया फिर हमला

गाजा। इजरायल ने बुधवार को दक्षिणी गाजा शहर राफा में फिर से हमला किया। हमास पर अपने युद्ध में नागरिकों की मौत पर बढ़ती चिंता के बावजूद इजरायल ने अपनी कार्रवाई बदलने का कोई संकेत नहीं दिखाया है जिसके कारण युद्धविराम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किए जा रहे अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में रूकावट आ रही है। राफा में मीडिया की ओर से आज तड़के नए हमलों की सूचना दी। इसके कुछ ही घंटों बाद प्रत्यक्षदर्शियों और एक फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्र ने कहा कि इजरायली टैंक शहर के मध्य में घुस गए हैं। एक स्थानीय नागरिक अब्दुल खतीब ने कहा कि लोग इस समय अपने घरों के अंदर हैं क्योंकि जो कोई भी आगे बढ़ता है उसे इजरायली ड्रोन से गोली मार दी जा रही है।

नीदरलैंड के पूर्व जासूस प्रमुख शूफ को मिला देश के नए प्रधानमंत्री बनने का प्रस्ताव

एम्सटर्डम, 29 मई (एजेंसियां)। नीदरलैंड की जनरल इंटेलिजेंस एंड सिक्योरिटी सर्विस के पूर्व महानिदेशक महानिर्देशक डिक शूफ ने कहा है कि उन्हें देश का अगला प्रधानमंत्री बनने का प्रस्ताव मिला है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गयी। रिपोर्ट्स के अनुसार नयी डच गठबंधन सरकार ने शूफ का नाम देश के नये प्रधानमंत्री के रूप में आगे करने का प्रस्ताव तैयार किया था। इस गठबंधन में पार्टी फॉर फ्रीडम (पीवीवी), पीपुल्स पार्टी फॉर फ्रीडम एंड डेमोक्रेसी (वीवीडी), न्यू सोशल कॉन्ट्रैक्ट पार्टी (एनएससी) और फार्मर-सिटिजन मूवमेंट पार्टी (बीबीबी) शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 67 वर्षीय श्री शूफ के 26 जून को पदभार ग्रहण करने की संभावना है। रिपोर्ट में पूर्व खुफिया प्रमुख के हवाले से कहा गया है कि वह पूरे देश के लिए एक नेता बनने की योजना बना रहे हैं और पद पर रहते हुए 'पार्टीविहीन' रहना चाहते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री को पारंपरिक रूप से गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी के सदस्य के रूप में चुना जाता है, जो वर्तमान में गीर्ट वाइल्डर्स के नेतृत्व वाली पीवीवी है। साथ ही श्री शूफ ने कहा है कि उन्हें चरमपंथी रुख अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। श्री शूफ ने कहा कि मेरे लिए यह बहुत ही भावुक क्षण हैं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे प्रधानमंत्री पद संभालने का कभी प्रस्ताव भी मे मिलेगा। यह बहुत ही खास है और मैं अच्छी तरह से यह भी जानता हूं कि नीदरलैंड का प्रधानमंत्री होना अपने आप में एक जिम्मेदारी भरा काम है। डच प्रसारक आरटीएल न्यूज़ ने मई के मध्य में सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि पूर्व डच आंतरिक और साम्राज्य संबंध मंत्री रोनाल्ड प्लास्टरक, जिन्होंने वर्तमान गठबंधन पर बातचीत की शुरुआत में मध्यस्थ के रूप में काम किया था, प्रधानमंत्री पद के लिए सबसे संभावित उम्मीदवार हो सकते हैं।

सुडोकू 6570

				1		2	9	5
7				6		4		
					8		6	
						5	2	
1		5				6		9
	4	7						
	6		9					
		2		5				1
3	9	1		8				

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6570

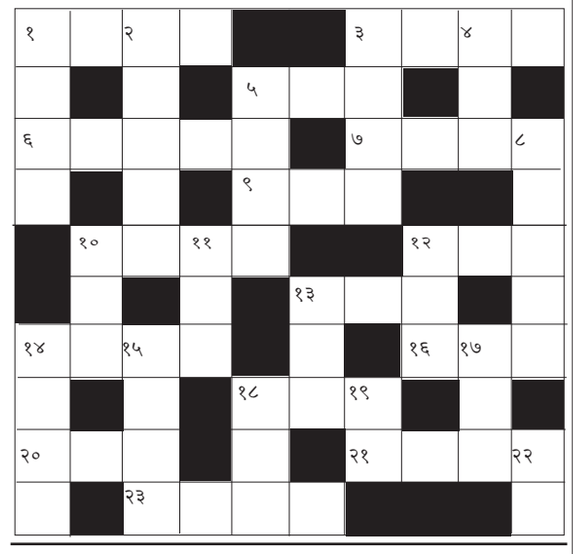

बायें से दायें:-

१. किसी काम या सेवा के बदले स्वेच्छापूर्वक दिया जाने वाला पारिश्रमिक
३. बहुत ही मशहूर
५. पागल
६. अमृत जैसे मीठे बोल
७. लोगों की राय
९. स्वाद लेना
१०. जांचने वाला, परीक्षण करने वाला
१२.निर्भयता, धृष्टता (उर्दू)
१३. बहू, वधू
१४. अधीरता , उतावली, शीघ्रता
१६. निमंत्रण (उर्दू)
१८. योग्यता
२०. खिसकाना, सरकाना, किसी वस्तु, व्यक्ति आदि को एक स्थान से दूसरे स्थान पर करना
२१. विवाह, शादी
२३. पीड़ा से भरा

ऊपर से नीचे:-

१. इंसानियत
२. एक लिपि, जिससे हिंदी, संस्कृत, मराठी आदि लिखी जाती है
३. सोया हुआ आदमी, आधी रात
४. अत्याचार (उर्दू)
५. बांटने वाला
८. जांच- पड़ताल (उर्दू)
१०. लेकिन
११. शक्ति, सामर्थ्य
१२. असंगत, बेतुका भद्दा, अशिष्ट (उर्दू)
१३. शुद्ध, पाक
१४. खुदकुशी
१५. युद्ध भूमि में होने वाली आवाज
१७. जल देवता, समुद्र
१८. पोषण करना, परवरिश करना
१९. उष्णता, गरमी
२२. यदि

वर्ग पहेली-6569

१ व्य	था	२ क	था	■	■	३ सि	कं	४ द	रा
व	■	मा	■	५ मु	खि	या	■	र्श	■
६ सा	कि	न	■	ला	■	७ स	म	क	८ क्ष
य	■	दा	■	९ य	मि	त	■	■	मा
■	१० बे	र	११ ह	म	■	■	१२ कु	रू	प
■	हा	■	वा	■	१३ अ	स	ली	■	न
१४ बु	ल	१५ बु	ला	■	प	■	१६ न	१७ त	■
द्धि	■	न	■	१८ आ	द	१९ त	■	न	■
२० म	स्त	क	■	ल	■	२१ न	वा	ग	२२ त
त्ता	■	२३ र	ह	स्य	म	य	■	■	र्ज

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : गुरूवार 30 मई, 2024 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 7

राशिफल

मेष - आज आप समाज, मित्रों से सम्बंधित कामों में व्यस्त रहेंगे। उनके लिए पैसे भी खर्च हो सकते हैं। हालांकि अचानक धन लाभ होने से आप खुश भी हो जाएंगे। सरकारी कामकाज अच्छी तरह पूरे होंगे।

वृषभ - आज आप नए काम की शुरुआत कर सकेंगे। भाग्य आपके साथ है। नौकरी करने वालों के लिए दिन अच्छा है। उनकी आय बढ़ेगी और नौकरी में पदोन्नति हो सकती है। आप सरकार की तरफ से लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

मिथुन - आज आपको थोड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। थकान और सुस्ती अनुभव करेंगे। सोचे अनुसार काम नहीं हो सकेगा। आपके मन में चिंता रहेगी। ऑफिस में सहकर्मी आपको निराश करेंगे।

कर्क - उग्रता और नकारात्मकता आपके मन को बेचैन कर देंगे। मन पर नियंत्रण रखना आवश्यक है। खान-पान में सावधानी रखना आवश्यक है। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। परिवार में थोड़ी अशांति रहेगी।

सिंह - आपके वैवाहिक जीवन में थोड़ा मतभेद होने से आप दु:ख का अनुभव करेंगे। पति अथवा पत्नी की तबीयत खराब होने की आशंका बनी रहेगी। इस कारण आप सांसारिक विषयों से दूर रहेंगे।

कन्या - आज परिस्थिति आपके अनुकूल रहेगी। आपके घर-परिवार में सुख- शांति रहेगी। इस कारण मानसिक प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। आपके जीवन में कुछ सुखद प्रसंग बन सकते हैं। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला - आज बौद्धिक काम और चर्चा आपके लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। आज आप कल्पना और सृजनशीलता का अच्छा उपयोग कर सकेंगे। आप अपने बच्चों की अच्छी प्रगति से संतोष का अनुभव करेंगे।

वृश्चिक - आज आपको तन-मन में किसी बात का डर बना रहेगा। सगे-सम्बंधियों के साथ संघर्ष आपको विचलित कर सकते हैं। माता का स्वास्थ्य खराब होने की आशंका है। आर्थिक हानि और समाज मे अपयश मिलने की संभावना है।

धनु - आप अध्यात्म में विशेष रुचि रखेंगे। मानसिक शांति और आनंद प्राप्त कर सकेंगे। दोस्तों के साथ आपके संबंध अधिक प्रगाढ़ होंगे। आज आप नए काम शुरू कर सकेंगे। ।

मकर - वाणी पर संयम रखेंगे, तो बहुत सी कठिनाइयों से बच सकेंगे। परिजनों के साथ छोटे-मोटे मतभेद आपको मानसिक रूप से अस्वस्थ करेंगे। आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना पड़ेगा। शेयर या सट्टे में आप पूंजी निवेश कर सकेंगे।

कुंभ - आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से ताजगी का अनुभव करेंगे। आर्थिक दृष्टि से आपका आज का दिन लाभदायक साबित होगा। आप मित्रों और सगे-सम्बंधियों के साथ स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठा सकेंगे।

मीन - आज आपका मन एकाग्र नहीं हो रहेगा। आपको भय और उलझन का अनुभव होगा। आपके द्वारा धार्मिक कार्यक्रम में खर्च करने की संभावना है। प्रियजनों से बिछड़ना आपको परेशान करेगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

रूसी हस्तक्षेप के संदेह में यूरोपीय संसद के कार्यालयों पर पुलिस का छापा

मॉस्को, 29 मई (एजेंसियां)। बेल्जियम के ब्रूसेल्स और फ्रांस के स्ट्रासबर्ग में यूरोपीय संसद के कार्यालयों पर पुलिस ने बुधवार को इस संदेह के लिए छापा मारा कि एक कर्मचारी ने रूसी हस्तक्षेप को बढ़ावा देने में मदद की थी। बेल्जियम के मीडिया के हवाले से अभियोजक कार्यालय ने एक बयान में कहा कि यह छापा रूसी हस्तक्षेप के संकेतों से संबंधित एक आपराधिक संगठन में भागीदारी के मामले से संबंधित है। बेल्जियम की न्यायपालिका ने आरोप लगाया कि यूरोपीय संसद के सदस्यों से अंग्रेजी भाषा की समाचार वेबसाइट 'वॉयस ऑफ यूरोप' के माध्यम से रूसी प्रचार को बढ़ावा देने के लिए संपर्क किया गया और उन्हें भुगतान किया गया, जिस पर यूरोपीय संघ ने पिछले सप्ताह रूसी समर्थक को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। बेल्जियम के

■ ब्रूसेल्स स्थित उनके घर पर भी छापा मारा गया

अभियोजकों द्वारा सहयोगी के रूप में वर्णित संदिग्ध पर आरोप है कि उसने रूसी हितों को बढ़ावा देने की कथित योजना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ब्रूसेल्स स्थित उनके घर पर भी छापा मारा गया। बेल्जियम के सरकारी प्रसारक आरटीबीएफ ने जांच से जुड़े एक सूत्र के हवाले से कहा कि जांच के दायरे में आया व्यक्ति डच फोरम फॉर डेमोक्रेसी पार्टी के यूरोपीय संसद सदस्य मार्सेल डी ग्रेफ का सहायक और दक्षिणपंथी जर्मन एएफडी पार्टी के मैक्सिमिलियन क्रा का पूर्व सहायक है। बेल्जियम के प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर डी क्रू ने अप्रैल में घोषणा की थी कि संघीय अभियोजकों ने जून के चुनावों में यूरोपीय संसद में संदिग्ध रूसी हस्तक्षेप की जांच शुरू की।

बलूचिस्तान में बस नाले में गिरी, 28 की मौत

इस्लामाबाद, 29 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में बलूचिस्तान प्रांत के वाशुक जिले में बुधवार को एक बस बड़े नाले में गिर गई। इस हादसे में कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। बस ग्वादर से क्वेटा जा रही थी। इसी दौरान बस का एक टायर फट गया और अनियंत्रित होकर नाले में गिर गई। हादसे में घायल लोगों को इलाज के लिए बसिमा सिविल अस्पताल पहुंचाया गया है। सूत्रों ने कहा, कुछ घायलों की हालत गंभीर है, इसलिए मरने वालों की संख्या में इजाफा हो सकता है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। पीएम शहबाज शरीफ ने कहा कि इस कठिन समय में हम शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़े हैं। प्रधानमंत्री शरीफ और बुगती ने अधिकारियों को घायलों को हर संभव चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने का भी आदेश दिया है। सीएम बुगती ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की। पाकिस्तान में सड़कों की हालत खराब होने से अक्सर हादसे होते रहते हैं। इसकी मुख्य वजह निवेश की कमी बताई जा रही है।

विश्व बैंक ने रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए 70 करोड़ अमरीकी डालर की मंजूरी दी

ढाका, 29 मई (एजेंसियां)। विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक मंडल ने बंगलादेश में मेजबान समुदायों और विस्थापित रोहिंग्या आबादी दोनों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करने और आपदा और सामाजिक लचीलापन सुनिश्चित करने के लिए कुल 70 करोड़ अमेरिकी डॉलर की दो परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है। वाशिंगटन स्थित विश्व बैंक ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि मेजबान समुदायों और विस्थापित रोहिंग्या जनसंख्या परियोजना के लिए 35 करोड़ अमेरिकी डॉलर की समावेशी सेवाएं और अवसर के लिए जबकि 35 करोड़ अमेरिकी डॉलर मेजबान और रोहिंग्या जीवन संवर्धन परियोजना के लिए बंगलादेशी मेजबान समुदायों और रोहिंग्या लोगों को एक साथ सहायता प्रदान करेंगे क्योंकि यह संकट अपने सातवें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। बयान के अनुसार, म्यांमार से लगभग 10 लाख विस्थापित रोहिंग्या लोग वर्तमान में बंगलादेश में रह रहे हैं। बंगलादेश और भूटान के लिए विश्व बैंक के कंट्री डायरेक्टर अब्दुलाय सेक ने कहा कि हम लगभग 10 लाख रोहिंग्या लोगों का समर्थन करने में बंगलादेश सरकार की उदारता की सराहना करते हैं। हम मेजबान समुदायों पर आए भारी दबाव को भी पहचानते हैं। उन्होंने कहा कि संकट अपने सातवें वर्ष में प्रवेश करने के साथ, दीर्घकालिक योजना और स्थायी समाधान महत्वपूर्ण हो गए हैं, जबकि अल्पकालिक, तत्कालिक आवश्यकताओं को भी संबोधित करते हैं।

ट्रंप गुप्त धन मामले में चुनाव कानून उल्लंघन के दोषी साबित : अभियोजक

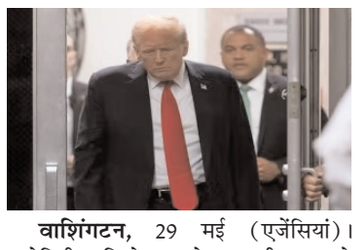

वाशिंगटन, 29 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी अभियोजक जोशुआ स्टीनग्लास ने जूरी से कहा है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गुप्त धन मामले में अभियोजन पक्ष ने साबित कर दिया है कि वह (श्री ट्रंप) चुनाव कानूनों के उल्लंघन के दोषी हैं। श्री ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने वयस्क फिल्म स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को 2006 में उनके बीच हुए यौन संबंध के बारे में सार्वजनिक रूप से बताने से चुप कराने के लिए किए गए कथित गुप्त धन भुगतान से संबंधित व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी की। श्री ट्रंप पर यह भी आरोप है कि 2016 के चुनाव से पहले उन्होंने चुप्पी साध ली। सीएनएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि श्री ट्रंप ने आरोपों और डेनियल्स के साथ कोई संपर्क होने से इनकार किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मंगलवार को अंतिम दलील देते हुए अभियोजक ने कहा कि यह साबित हो गया है कि श्री ट्रंप ने चुनाव कानून का उल्लंघन करने, सहायता करने या छिपाने का प्रयास किया था। रिपोर्ट में अभियोजक के हवाले से कहा गया है कि श्री स्टीनग्लास ने कहा कि एक साजिश थी। अभियोजक की समापन बहस लगभग पांच घंटे तक चली। अभियोजक ने जूरी को बताया कि इस बात के बहुत सारे सबूत हैं कि यह भुगतान डेनियल्स को किया गया था। जूरी बुधवार को न्यायाधीश जुआन मर्चन के 12-सदस्यीय जूरी को निर्देश देने के बाद इस बात पर विचार-विमर्श शुरू करेगी कि श्री ट्रंप को दोषी ठहराया जाए या नहीं। सुनवाई के बाद श्री ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर कहा कि मुकदमे में 'धांधली' हुई है।

आरोप

वयस्क फिल्म स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को 2006 में उनके बीच हुए यौन संबंध के बारे में सार्वजनिक रूप से बताने से चुप कराने के लिए किए गए कथित गुप्त धन भुगतान से संबंधित व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी की।

आज का इतिहास

1539- स्पेन के खोजी हर्नान्डो डी सोटो ने फ्लोरिडा की खोज की।
1574-हेनरी तृतीय फ्रांस के राजा बने। हेनरी तृतीय , हाउस ऑफ़ वलाइस के एक सम्राट थे, जिन्हें 1573 से 1575 तक पोलिश-लिथुआनियाई राष्ट्रमंडल का सम्राट चुना गया और 1574 से फ्रांस के राजा के रूप में शासन किया। वह वालोइस राजवंश का अंतिम फ्रांसीसी सम्राट था।
1593-अंग्रेजी नाटक के लेखक क्रिस्टोफर मार्लो को रहस्यमय परिस्थितियों में इनग्राम फ्रेजर द्वारा मौत के घाट उतार दिया गया ।
1646-स्पेन और नीदरलैंड ने युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किये।
1783-फिलाडेल्फिया के बेंजामिन टॉवर से अमेरिका में पहला दैनिक समाचार पत्र प्रकाशित किया गया।
1797-विलियम विलबरफोर्ड ने बारबरा एन स्पूनर से शादी की।
1814-छठे गठबंधन का युद्ध पेरिस के तत्वाधान पर हस्ताक्षर करने के साथ समाप्त हुआ, जिसने नेपोलियन को पदच्युत कर दिया और लुई सोलहवें को फेंच सिंहासन पर बहाल कर दिया।
1815-ईस्ट इंडीमैन जहाज अर्नस्टोन 372 जिंदगियों के साथ वर्तमान दक्षिण अफ्रीका के केप अगुलहास के पास वेन्हिस्कृंस में एक तूफान के दौरान बर्बाद हो गया था।
1826-उदंत मार्तंड (द राइजिंग सन) भारत में प्रकाशित होने वाला पहला हिंदी भाषा का समाचार पत्र था। 30 मई, को कलकत्ता (अब कोलकाता) से शुरू हुआ, साप्ताहिक समाचार पत्र, हर मंगलवार को पं जुगल किशोर शुक्ला द्वारा प्रकाशित किया जाता था।
1854-कंसास-नेब्रास्का अधिनियम कानून बन गया, 1820 के मिसौरी समझौता को रद्द करते हुए, नेब्रास्का और कंसास के अमेरिकी क्षेत्रों की स्थापना की और उन क्षेत्रों में बसने वालों को यह निर्धारित करने की अनुमति दी कि क्या वे अपनी सीमाओं के भीतर दासता की अनुमति देंगे।

निशाना *एक महीने के अंदर पाक आतंकियों ने तीसरे स्कूल को बनाया निशाना*

स्कूल में केरोसिन डालकर किया आग के हवाले

इस्लामाबाद, 29 मई (एजेंसियां)। आतंकियों ने एक बार फिर अफगानिस्तान सीमा के पास उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में लड़कियों के एक स्कूल को निशाना बनाया है। आतंकियों ने स्कूल में केरोसिन डालकर उसे आग के हवाले कर दिया। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि इस महीने में यह तीसरी घटना है जब लड़कियों के स्कूल को निशाना बनाया गया है। उत्तरी वजीरिस्तान क्षेत्र के परिसर में सोमवार रात आग लगा दी गई, जिससे एक बार फिर वर्षों से इस्लामवादियों के निशाने पर रही शिक्षा को लेकर नए सिरे से आशंकाएं पैदा हो गई हैं।

स्थानीय पुलिस प्रमुख रेहान खान ने डीपीए को बताया कि सुदूर क्षेत्र में हुई यह घटना बुधवार को रिपोर्ट की गई। बता दें कि उत्तरी वजीरिस्तान लंबे समय तक अलकायदा और उससे संबद्ध तालिबान का मुख्यालय रहा था, लेकिन 2014 में सेना द्वारा कई हमलों के बाद उन्हें वहां से खदेड़ दिया गया था। पाकिस्तानी तालिबान एक ऐसा समूह है जो अपने अफगान समकक्षों की तरह ही इस्लाम की कट्टर विचारधारा का पालन करता है। समूह ने अतीत में भी लड़कियों के स्कूलों पर बमबारी की है। इस क्षेत्र पर 2007 से 2009 के बीच जब पाकिस्तानी तालिबान का शासन था, तब वजीरिस्तान और नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई के गृह नगर स्वात में सैकड़ों लड़कियों के स्कूलों पर बमबारी की गई थी।

कई वर्षों के बाद हुए हमलों ने लोगों में यह डर पैदा कर दिया है कि 2014 की तरह ही आतंकवादी फिर से छात्रों को निशाना बना सकते हैं। 2014 में एक सैन्य-संचालित संस्थान में लगभग 150 बच्चों की हत्या कर दी गई थी। इससे पहले (18 मई को) आतंकियों ने खैबर पख्तूनख्वा में दक्षिण वजीरिस्तान की वाना तहसील में लड़कियों के स्कूल को बम से उड़ा दिया था। इस स्कूल को बनाने का काम चल ही रहा था कि यह दहशतगर्दों के निशाने पर आ गया। इससे पहले (9 मई को)

पाक ने जासूसी के आरोप में गिरफ्तार दो भारतीयों को राजनयिक पहुंच मुहैया कराई

इस्लामाबाद,। पाकिस्तान ने कथित तौर पर गिलगिट-बालटिस्तान से वर्ष 2020 में जासूसी के आरोप में गिरफ्तार दो भारतीय नागरिकों को राजनयिक पहुंच (कॉन्सुलर एक्सेस) प्रदान किया है। सूत्रों ने बताया कि भारतीय राजनयिकों और गिरफ्तार भारतीय नागरिकों के बीच सोमवार को बैठक हुई थी। हालांकि पाकिस्तान के विदेश विभाग ने मामले में कोई बयान जारी नहीं किया है, लेकिन सूत्रों ने इस बैठक की पुष्टि की है। सूत्रों ने बताया कि दोनों भारतीय नागरिक फिरोज अहमद लोन और नूर मुहम्मद वाणी कश्मीर के गुरेज इलाके के रहने वाले हैं।

दुनिया को जानें

सीरिया से सऊदी के लिए 13 साल के अंतराल के बाद हज यात्रा उड़ानें शुरू

दमिश्क, 29 मई (एजेंसियां)। सीरिया की राजधानी दमिश्क से सऊदी शहर जेद्दाह के लिए करीब 13 वर्षों के अंतराल के बाद हज यात्रा की सेवाएं पुनः शुरु हो गयी हैं। समाचार एजेंसी सना ने सीरिया के नागरिक उड्डयन महानिदेशक बासेम मंसूर के हवाले से बुधवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि 2023 में सीरिया और सऊदी अरब के बीच राजनयिक संबंधों की बहाली के बाद करीब 13 वर्षों के निलंबन के बाद सेवा पुनः शुरु होने पर 2024 में सीरियाई यात्री हज यात्रा पर निकले। मंगलवार को पहली उड़ान में 270 हज यात्री शामिल हैं।श्री मंसूर ने कहा कि अधिकारियों ने दमिश्क अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में प्रवेश करने से लेकर विमान में चढ़ने और उड़ान भरने तक तीर्थयात्रियों की मदद की। इनमें से अधिकतर बुजुर्ग शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि इस सप्ताह की शुरुआत में, सऊदी सरकार ने 2012 के बाद से सीरिया में अपना पहला राजदूत नियुक्त किया।

प्रादेशिकी

इंडिया समूह भ्रष्टाचारियों की सेना है : कंगना

मंडी। भारतीय जनता पार्टी की मंडी लोकसभा सीट से प्रत्याशी व फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने इंडिया समूह पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि यह समूह भ्रष्टाचारियों की सेना है। कंगना ने जोगिन्द्रनगर विधानसभा क्षेत्र में भव्य रोड़ शो के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश की जनता के आर्शीवाद से तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। इसका जीता-जागता उदाहरण देश व प्रदेश का जन सैलाब है जिसकी चपेट में आकर विपक्षियों का 'ठगबंधन' रूपी नैया डूबने वाली है और इन सबका मसीहा बनने वाले मां, भाई-बहन ननिहाल भागने वाले हैं। साथ ही यहां पर मंडी लोकसभा में भी मां, भाई-बहन भी घर-घर, गांव-गांव जा रहे हैं जिन्होंने खुद को लोकतंत्र होते भी रजवाड़ाशाही से बाहर नहीं आने दिया परन्तु मंडी लोकसभा क्षेत्र में खुद को रानी राजकुमार कहलाने वाले आज एक-एक वोट के लिए गांव की गलियां नाप रहे हैं।

75 साल का बुजुर्ग मांग रहा एक और मौका, युवा 22 साल में रिटायर : खेड़ा

- एक जून को देश व हिमाचल की तकदीर बदलने वाली है
- 10 साल में 45.4 फीसदी पहुंची बेरोजगारी की दर, पीएम मौन

हिमाचल में आपदा से 9900 करोड़ रूपए का नुकसान हुआ लेकिन जब मुआवजे की मांग की तो एक रुपए भी नहीं दिया। प्रधानमंत्री मोदी अक्सर हिमाचल को अपना दूसरा घर कहते हैं लेकिन अपने दूसरे घर के लिए एक कौड़ी भी नहीं दी : पवन खेड़ा

शिमला, 29 मई (देशबन्धु)। एक जून को हिमाचल और देश की जनता तकदीर बदलने वाली है। देश की जनता पूर्ण बहुमत के साथ इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने जा रही है। यह बात एआईसीसी मीडिया व पब्लिकेशन विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने शिमला में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान कही। उन्होंने पीएम मोदी और भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में युवाओं के साथ दस सालों में छल किया गया है। सीएमआईई की रिपोर्ट के मुताबिक देश में बेरोजगारी की दर 45.4 फीसदी हो गई। एक घण्टे में 2 नौजवान आत्महत्या कर रहे हैं। जो चिंता की बात है लेकिन पीएम मोदी न तो बेरोजगारी पर बात करते और और न ही महंगाई पर।

खेड़ा ने कहा कि देश की जनता के 10 साल बेकार गए हैं देश को सिर्फ धोखा और झूठा आश्वसन मिला है। उन्होंने कहा कि देश का राजा झूठ बोले तो दुख होता है। झूठ सुन - सुनकर आने वाली नस्लें बर्बाद होती हैं। पीएम मोदी ने अपने आपको देवतातुल्य मान लिया है। इसलिए वे असली मुद्दों पर बात नहीं करते हैं।

उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पर तंज कसते हुए कहा कि उनका काम पीएम मोदी को हवाई अड्डे पर ले जाने और लाना रह गया है। उन्हें खुद पता नहीं होता है कि वे भाजपा के अध्यक्ष हैं या नहीं यह जानकारी उन्हें मीडिया के माध्यम से ही मिलती है। नड्डा ने पीएम मोदी को नरों के इंद्र ही नहीं सुरों के भी इंद्र कहा था। आजकल पीएम मोदी खुद को बायोलॉजिकल नहीं परमात्मा का अवतात मानते हैं। इसलिए उन्हें खुद पता नहीं है कि वे एक व्यक्ति भी हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में देश की जनता को कोरोना वैक्सीन लगाई जिस पर आपका चेहरा था और वैक्सीन बनाने वाली कंपनी से आपने इलेक्ट्रोल बांड के माध्यम से 52 करोड़ का चंदा लिया लेकिन जब कंपनी ने कहा साइड इफेक्ट हो सकता है तो अपना हंसता हुआ नूरानी चेहरा गायब कर दिया। बुरे वक्त में देश की जनता आपके साथ थी लेकिन देश का राजा आपदा के समय गायब था। खेड़ा ने कहा कि हिमाचल में आपदा से 9900 करोड़ रूपए का नुकसान हुआ लेकिन जब मुआवजे की मांग की तो एक रुपए भी नहीं दिया। प्रधानमंत्री मोदी अक्सर हिमाचल को अपना दूसरा घर कहते हैं लेकिन अपने दूसरे घर के लिए एक कौड़ी भी नहीं दी। लेकिन प्रदेश में आपदा के दौरान केंद्र से सहायता न मिलने के बावजूद भी कांग्रेस सरकार ने जिस कर्मठता के साथ काम किया उसकी पूरे विश्व में तारीफ हुई। यूरोप, अमेरिका से लेकर लोगों के फोन आए वर्ल्ड बैंक और नीति आयोग ने भी प्रशंसा की।

खेड़ा ने भाजपा पर संवैधानिक संकट गिराने की कोशिश का आरोप लगाया।कहा कि पूरे देश में डर की चिंता बढ़ गई है यदि भाजपा सत्ता में आएगी तो आपके हक, अधिकार खत्म कर दिए जाएंगे । यह बात भाजपा नेता अरुण गोविल, लल्लू सिंह समेत कई अन्य नेता सार्वजनिक मंचों पर कह चुके हैं। उन्होंने मोदी पर चुटकी लेते हुए कहा कि बीते दस साल में एक भी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं कि लेकिन आजकल सभी चैनलों के मीडिया वालों को बुला बुलाकर इंटरव्यू दे रहे हैं। जब से मोदी जी तीन-चार मीडिया वालों को बुला बुलाकर इंटरव्यू दे रहे हैं तब से कपिल शर्मा शो की टीआपी गिर गई है। खेड़ा ने प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसते हुआ कहा कि 75 साल रिटायर होने की उम्र में एक बार और मौका मांग रहे हैं लेकिन 22 साल के युवक को अग्निवीर से रिटायर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही कांग्रेस न्याय पत्र की सभी गारंटियां पूरी की जाएगी। यह न्याय पत्र राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के विजन से तैयार किया गया है।

दुष्यंत गौतम की मौजूदगी में महेंद्र भट्ट ने ली वर्चुअल बैठक

मतगणना तैयारियों को लेकर भाजपा ने बनाई रणनीति

- मतगणना केंद्र पोलिंग एजेंटों एवं प्रभारी और लोकसभा मतगणना प्रभारियों के नाम तय कर जिम्मेदारी सौंपने के निर्देश दिए

देहरादून, 29 मई (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव मतगणना तैयारी को लेकर भाजपा ने अपनी रणनीति को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री उत्तराखण्ड प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम ने प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट की मौजूदगी में वर्चुअल बैठक लेकर सभी पार्टी प्रत्याशियों एवं पदाधिकारियों से इसको लेकर विस्तार से चर्चा की । प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने बताया कि गौतम ने बैठक में 4 जून को होने वाली मतगणना के संबंध में सांगठनिक स्तर पर अब तक की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने बैठक में सम्मिलित पदाधिकारियों से पार्टी के लोकसभा प्रत्याशियों से चर्चा करते हुए मतगणना केंद्र पोलिंग ऐजेंटों एवं प्रभारी और लोकसभा मतगणना प्रभारियों के नाम तय कर जिम्मेदारी सौंपने के निर्देश दिए हैं। साथ ही बैठक में तय हुआ कि मतगणना के परिणामों की मॉनिटरिंग के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। जिसमे मतगणना की अपडेट एवं इस पूरी प्रक्रिया में आने वाली शिकायतों के निवारण एवं जानकारी के समन्वय का काम किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी 5 सीटों पर पार्टी उम्मीदवारों का जीतना तो निश्चित है,

लेकिन हमारी कोशिश है रिकॉर्ड अंतर से विजय हासिल करना, लिहाजा हमारी कोशिश हो कि एक भी वोट बेकार न जाए। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष भट्ट ने वर्चुअल बैठक में शामिल पदाधिकारियों को 4 जून को आने वाले रिजल्ट के लिए तैयार होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, चुनाव पूर्व और मतदान की तारीख तक जीतोड़ मेहनत की है अब बस एक दिन और हमे मतगणना के समय सतर्क होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। एनडीए का जीतना और मोदी जी का तीसरी बार पीएम बनना तय है, लेकिन हम सबको लोकतांत्रिक महापर्व को इस अंतिम प्रक्रिया को सकुशल संपन्न करवाना है। इस बैठक में प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार, लोकसभा प्रत्याशी, प्रभारी, सह-प्रभारी, संयोजक व सह-संयोजक, जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी व सह-प्रभारी, विधानसभा प्रभारी एवं संयोजक वर्चुअली सम्मिलित हुए।

सार संक्षेप

बड़ा भंगाल के लिए बैजनाथ से पोलिंग दल रवाना

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिला के अतिदुर्गम क्षेत्र बड़ा भंगाल में सहायक मतदान केंद्र के लिए बैजनाथ से पोलिंग दल रवाना हो गया है। यह जानकारी देते हुए कांगड़ा के जिला निर्वाचन अधिकारी व उपायुक्त हेमराज बैरवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य निर्वाचन विभाग को कांगड़ा जिला के 20-बैजनाथ (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र 99-बड़ाभंगाल, जिसमें कुल 469 मतदाता पंजीकृत के लिए सहायक मतदान केन्द्र (ऑक्सिलरी पोलिंग स्टेशन) बनाने की अनुमति प्रदान की है।

पिछले साल के मुकाबले तिगुना जल चुका जंगल

हल्द्वानी। बीते रोज जारी हुए पिछले 24 घंटे के आंकड़े वन विभाग के लिए राहत भरे साबित हुए। आग की चार घटनाओं में चार हेक्टेयर जंगल ही प्रभावित हुआ। लेकिन पिछले साल के मुकाबले इस बार अब तक तीन गुना जंगल जल चुका है। एक नवंबर 2022 से 28 मई 2023 के बीच 484 आग की घटनाओं में 576 हेक्टेयर जंगल जला था।वहीं, नवंबर 2023 से 28 मई 2024 के बीच आग के 1152 मामले सामने आए। जिस वजह से उत्तराखंड में 1584 हेक्टेयर जंगल राख हो गया। अभी 15 जून तक चुनौती भरा समय जारी रहेगा। वन विभाग मुख्य फायर सीजन को 15 फरवरी से 15 जून तक मानता है। लेकिन सर्दियों में भी मामले सामने आने पर निगरानी का समय नवंबर से शुरू हो जाता है। इस फायर सीजन में मार्च तक स्थिति नियंत्रण में थी।करीब 32 हेक्टेयर जंगल ही राज्य में जला था। मगर अप्रैल की शुरुआत के साथ ही घटनाएं लगातार बढ़ती चली गई।

यूटिलिटी वाहन खाई में गिरा, चालक की मौत, तीन गंभीर

उत्तरकाशी। यमुनोत्री हाईवे पर हनुमानचट्टी के समीप सीमेंट से भरा एक यूटिलिटी वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। इस हादसे में चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि यूटिलिटी में सवार तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिन्हें पुलिस समेत एसडीआरएफ ने रेस्क्यू कर सड़क तक पहुंचाया है। उसके बाद उन्हें 108 के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को बड़कोट से सीमेंट भरकर एक यूटिलिटी वाहन जानकीचट्टी की ओर से जा रहा था। उसमें चालक समेत चार लोग सवार थे. जैसे ही वाहन हनुमानचट्टी के समीप पहुंचा तो वहां पर यूटिलिटी वाहन अचानक अनियंत्रित होकर करीब 100 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। सूचना मिलने पर स्थानीय लोग समेत पुलिस, एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची।

सुडोकू 6570 का हल

4	8	6	7	1	3	2	9	5
7	5	3	2	6	9	4	1	8
2	1	9	5	4	8	3	6	7
6	3	8	1	9	7	5	2	4
1	2	5	8	3	4	6	7	9
9	4	7	6	2	5	1	8	3
5	6	4	9	7	1	8	3	2
8	7	2	3	5	6	9	4	1
3	9	1	4	8	2	7	5	6

प्रदेश में धधक रहे जंगल, सरकार चुनावों में व्यस्त : सुरेश भारद्वाज

- प्रदेश की जनता को ऐसी सरकार की जरूरत नहीं है और मुख्यमंत्री को इस लापरवाही के लिए अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए

मुख्यमंत्री सुक्खू अपने गैर जिम्मेदाराना व्यवहार से सत्ता में बने रहने का अधिकार खो चुके हैं, नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दें : सुरेश भारद्वाज

शिमला, 29 मई (देशबन्धु)। हिमाचल के जंगलों की आग निरंतर विकराल रूप ले रही है। वनों में लगी आग की वजह से शिमला और सोलन के साथ-साथ प्रदेश के विभिन्न इलाकों में वन संपदा को नुकसान पहुंच रहा है। भारतीय जनता पार्टी पूर्व मंत्री सुरेश भारद्वाज ने शिमला में प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश आग से हो रही घटनाओं से हिमाचल के जंगल धूं-धूं कर जल रहे है और प्रदेश सरकार को इसकी जानकारी नहीं है अगर है तो इन घटनाओं को नज़रअंदाज कर रहे है। उन्होंने मुख्यमंत्री सुक्खू पर तंज कसते हुए कहा कि एक तो उनके पास इतना बड़ा मंत्रालय होने के बावजूद भी मंत्री नहीं है और मंत्रालय खुद मुख्यमंत्री के पास होने के बावजूद भी उसपर वे संवेदनहीन है। प्रदेश की जनता को ऐसी सरकार की जरूरत नहीं है और मुख्यमंत्री को इस लापरवाही के लिए अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। प्रदेश सरकार के पास वन विभाग बहुत से उच्चाधिकारी हैं और बहुत स्टाफ होने के बावजूद भी वनों की ऐसी हालत पहले कभी नहीं हुई थी। पिछली सरकार ने वन विभाग को सुविधाओ से भरपुर गाड़ियां सौंपी है और इनका उपयोग करना सरकार की जिम्मेवारी है।आग लगने के कारण वनों को नुकसान होने के साथ ही जीव जंतुओं और पर्यावरण पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने कहा कि आग की वजह से जल स्त्रोत सूख रहे हैं, प्रदेश के धधकते जंगलों की आग की आंच का असर ग्लेशियरों पर भी पड़ रहा है, जिससे पर्यावरण को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। भारद्वाज ने कहा कि जल, जंगल, जमीन हमारी धरोहर हैं, लेकिन हर साल जंगलों में आग लगने की वजह से करोड़ों रुपए की हानि हो रही है। उन्होंने इसे आने वाले भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बताया है। भारद्वाज ने कहा कि मुख्यमंत्री किसी बड़ी घटना के इंतजार में है। झूठी घोषणाएं, गारंटियां व स्लोगन लिखकर सरकार बना तो ली लेकिन खुद के विधायक और जनता की जानमाल की सम्भाल नहीं कर पा रहे है। उन्होंने कहा कि वनो में बहुत से जीव-जन्तु मर रहे हैं और सरकार बेसुध, संवेदनहीन और गैर जिम्मेदाराना व्यवहार कर रही है। प्रदेश के लोग आग से त्रस्त है, वन संपदा जल कर खाक हो गई है। मुख्यमंत्री अपने इस गैर जिम्मेदाराना कार्य के लिए इस्तीफा दे। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में पिछले 15 से 20 दिनों के अन्दर 31 जगह आग लगी। इसमें हमीरपुर में पंप हाउस, पीएचसी भी आग के हवाले हो गए। सोलन के जंगल भी पिछले एक सप्ताह से धधक रहे, कालका-शिमला ट्रैक के आसपास लगी आग जिससे प्रभावित होकर चार ट्रेनें रोकनी पड़ी। हिमाचल प्रदेश के जंगलों में आग लगने का सिलसिला जारी है। हजारों हेक्टेयर भूमि पर वन क्षेत्र को नुकसान हुआ है। जीव-जंतु आग की भेंट चढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री सुक्खू के आरोपों पर भाजपा की कड़ी प्रतिक्रिया, माफी की मांग की

शिमला। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कर्ण नंदा ने बताया कि भाजपा हिमाचल प्रदेश का एक प्रतिनिधिमंडल पूर्व मंत्री आर डी कश्यप की अगुवाई में आज शिमला में चुनाव आयोग से मिला। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व रिटायर्ड आईएएस जे सी शर्मा और पूर्व मेयर कुसुम सदरेट भी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग को एक मेमोरेंडम सौंपा, जिसमें मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा प्रचार में लगाए गए आरोपों की कड़ी निंदा की गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री ने दावा किया था कि 55 लाख रुपये पकड़े गए है, जो कि निराधार, गलत और तथ्यों से परे है। कर्ण नंदा ने अपने बयान में कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू राजनीतिक वातावरण को खराब करने का प्रयास कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें चुनाव में अपनी हार का आभास हो रहा है। भाजपा का मानना है कि मुख्यमंत्री का यह बयान केवल जनता का ध्यान भटकाने के लिए है। भाजपा ने चुनाव आयोग से मांग की है कि यदि 55 लाख रुपये की सामग्री का आरोप सही है, तो मुख्यमंत्री को बताना चाहिए कि वह राशि किस होटल से प्राप्त हुई और किस सरकारी खाते में जमा की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी झूठ की राजनीति कर रही है और केवल वोट बटोरने की कोशिश में जुटी है। भाजपा ने चेतावनी दी है कि अगर ये आरोप सिद्ध नहीं होते हैं, तो भाजपा उग्र रुख अपनाएगी और कानूनी नोटिस जारी करेगी। भाजपा ने मुख्यमंत्री से सार्वजनिक माफी की मांग की है और कहा है कि अगर आरोप सिद्ध नहीं होते हैं तो मुख्यमंत्री को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

एलटी शिक्षकों की मांग हुई पूरी सेवा नियमावली में हुआ संशोधन

- राज्य में सहायक अध्यापकों को संवर्ग परिवर्तन का मौका तभी मिलेगा जब वह अपने मूल संवर्ग में 5 साल की संतोषजनक सेवा पूरी कर लेंगे।

देहरादून, 29 मई (देशबन्धु)। राज्य में सहायक अध्यापकों की लंबे समय से चली आ रही मांग को आखिरकार राज्य सरकार ने पूरा कर दिया है। सरकार एलटी शिक्षकों की सेवा नियमावली में संशोधन करते हुए जल्द ही एसओपी जारी करने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार द्वारा सहायक अध्यापकों को स्थानांतरण में छूट देने के बाद अब इन शिक्षकों के एक तरफ अंतर मंडलीय स्थानांतरण हो सकेंगे, तो वही ऐसा होने से प्रदेश के कई शिक्षकों को अपनी इच्छित जिलों में नियुक्ति का मौका मिल सकेगा। हालांकि, राज्य सरकार ने सहायक अध्यापकों को अपने पूरे सेवा काल में एक बार ही संवर्ग परिवर्तन करने का मौका देने का फैसला लिया है। राज्य में सहायक अध्यापकों को संवर्ग परिवर्तन का मौका तभी मिलेगा जब वह अपने मूल संवर्ग में कम से कम 5 साल की संतोषजनक सेवा पूरी कर लेंगे। ऐसे शिक्षकों को अपनी 5 साल की सेवा पूरी करने के बाद दूसरे मंडल में स्थानांतरण के लिए मौका मिल सकता है। राज्य के ऐसे कई शिक्षकों को फायदा मिलने जा रहा है जो पिछले लंबे समय से तमाम वजहों के कारण अपने संपर्क में बदलाव की मांग कर रहे थे। इसी को देखते हुए शिक्षकों की लंबे समय से सरकार से नियमों में संशोधन की भी मांग की जा रही थी। राज्य में सालों पुरानी इस मांग पर विचार करते हुए सरकार ने इस पर सकारात्मक निर्णय लिया है। हालांकि, इस मामले में राज्य सरकार की तरफ से एसओपी जारी किया जाना बाकी है। शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने कहा सहायक अध्यापकों को मंडल बदलने में अब यह नया नियम सहायक हो सकेगा। दूसरे मंडल में तैनाती लेने के बाद संबंधित शिक्षक अपने नए संवर्ग में सबसे जूनियर माने जाएंगे। इसके लिए शिक्षकों द्वारा अपने मंडल में ही आवेदन करने होंगे इसके बाद निदेशक माध्यमिक शिक्षा के स्तर पर इस पर निर्णय लिया जाएगा।

यूके 04 सीरीज का 0005 नम्बर 4 लाख 11 हजार रुपए में हुआ नीलाम

- 0007 व 0009 नम्बर के सरकार को मिले 2-2 लाख

हल्द्वानी, 29 मई (देशबन्धु)। अपनी कार या बाइक के लिए स्पेशल नंबर पाने के लिए कई लोग काफी पैसे खर्च करते हैं। दरअसल ये नंबर आम नंबरों की तरह आसानी से नहीं मिलते बल्कि इनके लिए बोली लगती है। सबसे ज्यादा बोली लगाने वाले को वो नंबर मिलते हैं। उत्तराखंड परिवहन विभाग ने भी कुछ ऐसे नंबरों का ऑक्शन किया है।

दरअसल, कई लोग अपने गाड़ी और मोबाइल नंबर के स्पेशल और फैंसी नंबर के लिए पैसे खर्च करने से परवाह नहीं करते हैं। इन नंबरों के लिए अलग से बोली लगती है और ये फैंसी नंबर काफी महंगे भी होते हैं। कई बार देखा गया है कि फैंसी और वीआईपी नंबर की कीमत गाड़ी की कीमत से भी अधिक होती है।

उत्तराखंड परिवहन विभाग ने यूके 04 सीरीज के लिए इसी महीने यूनिक नंबरों की ऑनलाइन बोली लगाई। देखा गया है कि 0001 नंबर की सबसे अधिक बोली लगाई जाती है। परिवहन विभाग द्वारा 0001 नंबर की न्यूनतम बोली एक लाख रुपए तय है जो इस बार 1,72000 रुपये पर अलॉट हुआ है। वहीं, 0005 नंबर की न्यूनतम बोली 25000 रुपये थी जो अधिकतम 4 लाख 11000 रुपए में अलॉट हुआ। जो नीरज सिंह नाम के एक व्यक्ति ने लिया है। इसके अलावा 0007 और 0009 नंबर की न्यूनतम बोली 25000 रुपये थी जो दो-दो लाख रुपए में अलॉट हुए हैं। संभागीय परिवहन अधिकारी संदीप सैनी ने बताया कि नए नंबर की सीरीज शुरू हो गई है, जिसके तहत लोगों ने फैंसी नंबरों के लिए ऑनलाइन

बोलियां लगाई थीं। 25 मई बोली लगाने की आखिरी तिथि थी। उन्होंने कहा कि लोगों में फैंसी नंबर को लेकर क्रेज देखा जा रहा है, जिसका नतीजा है कि लोग ऑनलाइन बोली में अधिकतर भाग ले रहे हैं। इससे परिवहन विभाग के आमदनी में भी इजाफा हो रहा है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन नंबर अलॉट होने के बाद अब वाहन स्वामी अपने वाहनों के कागजात को परिवहन विभाग कार्यालय में लाकर नंबर ले सकता है।

कालसी में हुई वृद्ध की हत्या का दून पुलिस ने किया खुलासा

देहरादून, 29 मई (देशबन्धु)। कालसी पुलिस ने वृद्ध की हत्या का खुलासा करते हुए हत्यारे पड़ोसी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्यारोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त डंडा बरामद करते हुए उसे न्यायालय में पेश करते हुए जेल भेज दिया। खजान सिंह पुत्र अषाडू, निवासी ग्राम रुपऊ, कालसी ने थाना कालसी में आकर प्रार्थना पत्र दिया कि गत 13 मई को हरिया पुत्र थेचकू व दिनेश पुत्र हरिया निवासगण ग्राम रुपऊ ने उनके पिता अषाडू की बेरहमी से हत्या कर दी गई। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना कालसी में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्ष कालसी को घटना में शामिल आरोपी की गिरफ्तारी के लिए आवश्यक दिशा-निदेश देते हुए थाना कालसी में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया गया तथा घटना के आसपास मौजूद लोगों से गहनता से पूछताछ कर जानकारी एकत्रित ढ की गई।

उत्तराखण्ड में गर्मी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

मैदानी क्षेत्रों में पारा पहुंचा 41 डिग्री के पार

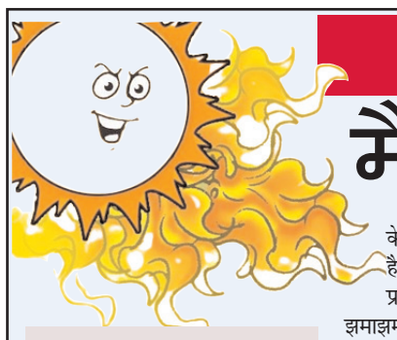

- प्रदेश में दो जून तक झमाझम बारिश का अलर्ट जारी
- भीषण गर्मी ने जनजीवन किया बेहाल

■ अमरनाथ तिवारी

देहरादून, 29 मई (देशबन्धु)। उत्तराखंड में गर्मी के सारे रिकॉर्ड तोड़ने के बाद राहत भरी खबर आ रही है। 31 मई से 2 जून तक पूरे प्रदेश में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड में इस साल की गर्मी ने पुराने सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। मई के महीने ने इतनी गर्मी आज तक नहीं पड़ी, अबकी बार रिकॉर्ड तोड़ गर्मी हो रही है। गर्मी से पहाड़ों के कुछ स्थानों पर पानी का संकट भी छा रहा है तो मैदानों में बिजली कटौती देखने को मिल रही है। भीषण गर्मी ने जनजीवन बेहाल कर दिया है। मैदानी क्षेत्रों में पारा 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया है। यहाँ गर्मी लोगों के पसीने छुड़ा रही है, चिलचिलाती गर्मी ने लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल कर दिया है। इसी बीच सभी प्रदेशवासियों के लिए मौसम विभाग की तरफ से एक अच्छी खबर आई है जून के शुरुआत से ही हल्की बारिश के आसार बन रहे हैं। मौसम विभाग की तरफ से बड़ी राहत की खबर आ रही है। 30 मई से एक ताज़ा पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पश्चिम भारत की ओर आ रहा है, जिसके बाद गर्मी से बड़ी राहत मिलेगी। बरसात होने के चलते राज्य में पारा गिरने की संभावना है। आ रही खबरों के अनुसार अगले 2 से 3 दिनों के दौरान केरल में मानसून की संभावना के लिए परिस्थितियाँ अब अनुकूल होती जा रही हैं। दक्षिण अरब सागर के कुछ और हिस्सों, मालदीव और कोमोरिन क्षेत्र के शेष हिस्सों, लक्षद्वीप क्षेत्र के कुछ हिस्सों, केरल, दक्षिण-पश्चिम और मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों, पूर्वोत्तर में दक्षिण-पश्चिम मानसून आगे बढ़ने लगा है। उत्तराखंड राज्य मौसम विभाग ने 2 जून तक मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए राज्य के उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी, देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा, चंपावत तथा नैनीताल जनपदों में येलो अलर्ट जारी करते हुए कहीं-कहीं गरजन के साथ आकाशीय बिजली गिरने तथा वर्षा के तीव्र दौर होने की संभावना जताई है।

प्रादेशिकी

नगर निगम की भूमि वक्फ के नाम दर्ज करने के मामले में होगी कार्रवाई

सहारनपुर, 29 मई (एजेंसियां)। सहारनपुर नगर निगम की भूमि को तीन दशक पहले वक्फ संपत्ति के तौर पर दर्ज कराने के मामले की जांच रिपोर्ट सहारनपुर जिला प्रशासन ने राज्य सरकार को प्रेषित की है। अधिकृत सूत्रों ने बताया कि सहारनपुर नगर निगम की भूमि कब्रिस्तान और मरघट के रूप में थी जिसे 1994 में उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के सचिव के आदेश पर वक्फ संपत्ति के रूप में दर्ज कर दिया गया था और उस भूमि पर दुकानें बना ली गई थी। मंडलायुक्त हर्षिकेश भाष्कर यशोद ने इस मामले की जांच कराई। जांच रिपोर्ट कार्रवाई के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव को भेजी गई है जिस पर शासन निर्णय लेगा। कमिश्नर के मुताबिक 1976 में मुख्य सचिव ने वक्फ संपत्तियों के सर्वे कराया था।

लोकसभा चुनाव में अबकी बार चार सौ पार का मंत्र होगा साकार : योगी

■ **लोकसभा क्षेत्रों में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में मांगे वोट**

लखनऊ/गोरखपुर, 29 मई (देशबन्धु)। गोरखपुर में रोड शो के दौरान बुधवार शाम उमड़े जनसैलाब से गदगद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इसी उत्साह से अबकी बार 400 पार का मंत्र साकार होगा। उन्होंने कहायह जनसैलाब इस बात का प्रमाण है कि इस बार 400 पार का लक्ष्य प्राप्त करते हुए केंद्र में तीसरी बार मोदी सरकार बनने जा रही है। इस बार पूरे देश की जनता यही गुनगुना रही है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे और रामभक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर। उन्होंने सभी लोगों को पहले जून को पहले मतदान और उसके बाद ही कोई अन्य काम करने का संकल्प भी दिलाया। गोरखपुर महानगर के सबसे व्यस्त तीन किलोमीटर के दायरे में भगवा ज्वार उमड़ पड़ा। ढोल नगाड़ों, बैंड बाजा, डमरू, तुरही के धुनों के बीच प्रभु श्रीराम, पीएम मोदी, सीएम योगी के नाम पर जमीन से गनन तक जाते जयकारों की गूंज ने ऐसा माहौल बनाया कि चर्चाओं में गोरखपुर लोकसभा चुनाव का परिणाम एक ही तरफ जाता दिखा। रोड शो में उमड़े

एक जून को पहले मतदान और उसके बाद ही कोई अन्य काम करने का लें संकल्प : योगी आदित्यनाथ

जनसैलाब ने एक बार फिर इस तथ्य को स्थापित किया कि गोरखपुर में तो योगी नाम केवलम। आगे पीछे जोश से लबरेज भारी भीड़ और बीच में रथ पर सवार सीएम योगी। रास्ते भर बरसते फूल और चिर परिचित अंदाज में कमल निशान दिखाकर अभिवादन स्वीकार करते योगी। पूरे रोड शो में जोश और जुनून ऐसा कि मानो यह प्रचंड जीत का जश्न होगा। योगी बुधवार को कुशीनगर, सलेमपुर, गोरखपुर और बांसगांव लोकसभा क्षेत्रों में पार्टी प्रत्याशियों के लिए चार जनसभाओं को करने के बाद शाम को गोरखपुर महानगर में रोड शो करने पहुंचे थे।

धर्म व जाति के सारे समीकरण ध्वस्त नजर आए

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रोड शो में धर्म व जाति के सारे समीकरण ध्वस्त नजर आए। बिना भेदभाव की नीति पर चलने वाले योगी के रोड शो में जहां सभी जातियों के लोग उमड़ पड़े तो वहीं इसमें बड़ी भागीदारी अल्पसंख्यक समाज के लोगों की भी रही। रास्ते में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अपने घरों और दुकानों से फूल बरसा कर सीएम के रोड शो का स्वागत किया। घरों की छतों से कई मुस्लिम महिलाओं ने अपने मोबाइल फोन में वीडियो व तस्वीरों के जरिये योगी के इस यादगार रोड शो को संजोकर रख लिया। योगी के रोड शो में उमड़े हुजूम की पूरे रास्ते खूब आवभगत भी हुई। रास्ते मे पड़ने वाले घरों व दुकानों से लोगों के लिए स्वत: स्फूर्त शीतल पेयजल, मिष्टान्न, बिस्कुट और कोल्ड ड्रिंक दिए गए। लोगों की इस सेवा भावना की योगी ने करबद्ध होकर होकर सराहा।

शाम करीब साढ़े पांच बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में स्थानीय टाउनहाल तिराहे से शुरू होकर विजय चौराहे पर संपन्न हुआ। रोड शो 51 वेदपाठी विद्यार्थियों के शंखनाद से प्रारंभ हुआ। करीब तीन किलोमीटर लंबे भव्य रोड शो का 41 स्थानों पर विभिन्न व्यापारिक व सांस्कृतिक संगठनों के लोगों व आम नागरिकों ने फूल बरसा कर जोरदार स्वागत किया। विजय रथ पर सवार मुख्यमंत्री और उनके साथ सांसद.प्रत्याशी रविकिशन व महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव आस्था, श्रद्धा एवं विश्वास के फूलों से पूरे रास्ते सराबोर होते रहे। लोगों के इस विश्वास से भावुक मुख्यमंत्री योगी हाथ जोड़कर, मुस्कुराते हुए, अंगुलियों से विजय चिह्न बनाते हुए, जनता पर अपनी तरफ से भी फूल बरसाते हुए सबका अभिवादन स्वीकार करते रहे। इस अवसर पर कई स्थानों पर महिलाओं के समूह ने योगी की आरती भी उतारी। रोड शो के दौरान अपार उत्साह के बीच जय श्रीराम, जो राम को लाए हैं.हम उनको लाएंगे, एक ही नारा एक ही नाम, मोदी.योगी जय श्रीराम, रामभक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर, फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी बार चार सौ पार, गोरखपुर का एक मिशन रविकिशन .रविकिशन के जयकारों के बीच कुछ और सुनाई नहीं दे रहा था।

चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

मवाना, 29 मई (देशबन्धु)। नगर स्थित कृषक इंटर कॉलेज में बुधवार को प्रधानाचार्य देवेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानाचार्य देवेन्द्र कुमार ने कहा कि चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति और किसानों के जीवन में अपने नाम की ऐसी छाप छोड़कर गए हैं कि शायद ही कोई और जननेता इसकी बराबरी पर कहीं खड़ा हो भी सके। चौधरी चरण सिंह एक ऐसा नाम है जो भारतीय राजनीति और इसके लोकतंत्र के लिए किसी हीरो से कम नहीं। ये वो नाम है जो ना जाने कितने ही बड़े संवैधानिक पदों पर रहकर ये दिखा गया कि कतार में खड़े आखिरी व्यक्ति के जीवन में कैसै बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने अपना सारा जीवन किसानों की दुर्दशा को कम करने में खपा दिया। साल 1950 में चौधरी साहब ने जमींदारी उन्मूलन अधिनियम की शुरुआत की थी। इसके तहत पूरे भारत में जारी सामंती व्यवस्था को खत्म किया गया और यह सुनिश्चित किया गया कि किसान अपनी खेती की भूमि पर स्वामित्व अधिकार प्राप्त करें। ये उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक थी। चौधरी चरण सिंह ने मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री रहते हुए ग्रामीण विकास के महत्व पर जोर दिया और शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच की खाई को पाटने के लिए हर संभव प्रयास किए।

मतगणना की तैयारियों को लेकर अधिकारियों संग किया निरीक्षण

मेरठ, 29 मई (देशबन्धु)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी दीपक मीणा द्वारा मतगणना केन्द्र सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 की मतगणना हेतु की जा रही तैयारियों के संबंध में संबंधित अधिकारियों

■ **मतगणना संबंधी व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश**

के साथ निरीक्षण किया गया। उन्होंने मतगणना केन्द्र पर बैठने की व्यवस्था, एजेंटो के आने-जाने की व्यवस्था, मीडिया सेंटर, जलपान, पंखो की व्यवस्था, वाहन पार्किंग, ऑब्जर्वर तथा आरओ के लिए व्यवस्थाएं, मतगणना की ससमय फीडिंग तथा उसका एनाउन्समेंट, रूट के अनुसार साईनेज, सीसीटीवी, वीडियोग्राफी, बैलेट पेपर की गिनती हेतु मतगणना टेबिल व कर्मचारियों का प्रशिक्षण, मतगणना स्थल पर विद्युत की निर्बाध आपूर्ति, कम्युनिकेशन सेंटर, साफ-सफाई, मोबाइल टॉयलेट, इंटरनेट आदि व्यवस्थाओं

का जायजा लिया व संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। तदोपरांत जिलाधिकारी महोदय ने सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में उपस्थित अधिकारियो के साथ बैठक की व संबंधित अधिकारी को समस्त व्यवस्थाओ को जल्द पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये। इस अवसर पर एसएसपी रोहित सिंह सजवाण, सीडीओ नूपुर गोयल, ज्वाईंट मजिस्ट्रेट नारायणी भाटिया, अपर जिलाधिकारी प्रशासन बलराम सिंह, अपर जिलाधिकारी नगर बृजेश सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त सूर्य कांत त्रिपाठी, जिला सूचना अधिकारी सुमित कुमार, एसपी ट्रैफिक राघवेन्द्र मिश्रा, नगर मजिस्ट्रेट अनिल कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी व प्रमुख राजनैतिक दल के प्रत्याशी/प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सार संक्षेप

सुभारती विवि के संकाय सदस्य वार्षिक अवॉर्ड से सम्मानित

मेरठ। चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी के बृहस्पति भवन में राष्ट्रीय सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन समाज विकास संस्थान द्वारा किया गया। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को उत्कृष्ट कार्य करने हेत वार्षिक अवार्ड द्वारा सम्मानित किया गया। इसमें विभिन्न प्रदेशों से विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ के डीन, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट एण्ड कामर्स प्रो. डॉ. आर.के. घई को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन अवार्ड 2023-24 से सम्मानित किया गया। इस विश्वविद्यालय की प्रो. डॉ0 पदमा मिश्र मैनेजमेंट फैकल्टी को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन अवार्ड, डॉ. रीना बिशनोई लॉ फैकल्टी को ए.पी.जे. अब्दुल कलाम अवार्ड एवं अजय राज सिंह लॉ फैकल्टी को शिरोमणि अवार्ड सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. जी.के. थपलियाल एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो. डॉ. शल्या राज ने डीन फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट एण्ड कामर्स प्रो. डॉ. आर.के. घई एवं अन्य सम्मानित संकाय सदस्यों को शुभकामनाएं दी।

राशन कार्डधारकों को निशुल्क खाद्यान्न का वितरण 31 तक

मेरठ। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ0प्र0 जवाहर भवन, लखनऊ के पत्र के द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अन्तर्गत माह मई 2024 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न का 14 से 29 मई तक निःशुल्क वितरण कराए जाने के निर्देश निर्गत किये गये थे आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ0प्र0 जवाहर भवन, लखनऊ के पत्र के द्वारा कतिपय राशन कार्डधारकों उपभोक्ताओं को खाद्यान्न का शत-प्रतिशत वितरण न होने के कारण खाद्यान्नं वितरण आवश्यक वस्तुओं के वितरण का कार्य माह मई-2024 में दिनांक 30.05.2024 से 31.05.2024 तक विस्तारित की गयी है। उक्त अवधि में ई-पोस मशीन के माध्यम से आधार आधारित वितरण किया जायेगा।

किशोर की ट्रैक्टर की साइड लगने से नीचे गिरकर दर्दनाक मौत

मवाना। शादी समारोह से डीजे की गाड़ी के साथ वापस लौट रहे बहसूमा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोर की ट्रैक्टर की साइड लगने से नीचे गिरकर दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर मवाना खुर्द चौकी पर खड़ा करवा दिया परिजनों को जैसे ही घटना की सूचना मिली तो कोहराम मच गया परिजन एकत्रित होकर घटनास्थल पर पहुंचे जहां से मृतक को ई रिक्शा में डालकर मवाना सीएचसी लेकर पहुंचे जहां पर चिकित्सकीय प्रशिक्षण के बाद चिकित्सकों ने 15 वर्षीय किशोर को मृत घोषित कर दिया।

सूचना

मैंने अपने पुत्र अलताफ और उसकी पत्नी इसराना से उनके गलत आचरण के चलते संबंध विच्छेद कर लिए हैं। उनके किसी कृत्य या लेनदेन के लिए मैं या मेरा परिवार उत्तरदायी नहीं है।

-मांगे पुत्र छोटे निवासी ग्राम सलावा थाना सरधना (मेरठ)

शोभित विवि के छात्रों का बहुराष्ट्रीय कंपनियों में इंटर्नशिप पर चयन

मेरठ, 29 मई (देशबन्धु)। शोभित विश्वविद्यालय के नाइस स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज विभाग

के एमबीए प्रथम वर्ष के सभी छात्रों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों में विभिन्न स्पेशलाइजेशन में इंटर्नशिप के लिए चयन हुआ है। इस अवसर पर शोभित विश्वविद्यालय के सीनियर कॉर्पोरेट रिलेशन निदेशक देवेन्द्र नारायन द्वारा सभी छात्रों को इंटर्नशिप सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। उन्होंने छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा की यह सफलता आपके समर्पण एवं एवं मेहनत का परिणाम है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों में इंटर्नशिप के माध्यम से आप व्यावसायिक दुनिया में अपने कदम मजबूती से रख सकेंगे जो आगे का आपका मार्ग प्रशस्त करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉक्टर विनोद कुमार त्यागी ने भी इस उपलब्धि पर सभी छात्र-छात्राओं को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए प्रबंधन विभाग को इस सफलता श्रेय दिया। नाइस स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज विभाग के निदेशक प्रोफेसर डॉ. राजुल दत्त ने सभी छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों में इंटर्नशिप के माध्यम से छात्र व्यावसायिक क्षेत्र को और नजदीक से जान पाएंगे। डॉ. अभिषेक डबास ने बताया कि छात्रों का चयन कंपनी के पदाधिकारी द्वारा कई महत्वपूर्ण चरणों के बाद किया गया। इस अवसर पर डॉ. नेहा यजुर्वेदी, और डॉ. अंशु चौधरी, डॉ प्रीती गर्ग, एवं छात्र मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

शिक्षकों को नई नीतियों का निर्धारण करने की दी जानकारी

■ **तक्षशिला पब्लिक स्कूल में शिक्षकों के लिए इन हाऊस क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रम आयोजित**

■ **विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों पर की गई कार्यशाला आयोजित**

मेरठ, 29 मई (देशबन्धु)। कंकरखेड़ा स्थित तक्षशिला पब्लिक स्कूल में शिक्षकों के लिए इन हाऊस क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. प्रवीन कुमार पथरा द्वारा किया गया। जिसमें विभिन्न शैक्षणिक पहलुओं जैसे-दर्शनशास्त्र, स्कूली शिक्षा का उद्देश्य, बाल केंद्रित शिक्षा, ब्लूम टेक्सोनोमी के अनुसार पाठ के उद्देश्य व प्रश्न पत्र को तैयार करना और विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों पर यह कार्यशाला आयोजित कराई गई। जिसमें शिक्षको को विभिन्न बिंदुओं का ज्ञान कराते हुए उन्हें शिक्षा की नई तकनीक से परिचित कराया गया तथा नई शिक्षा नीति की उद्देश्य पूर्ति के लिए शिक्षकों को नई नीतियों का निर्धारण करने की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के चेयरमैन डा0 ओमपाल सिंह ने इस कार्यशाला को उत्कृष्ट श्रेणी का बताते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य व शिक्षक-शिक्षिकाओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला से सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं लाभान्वित होंगे, जिससे वे बच्चों के व्यक्तित्व का विकास कर सकेंगे।

किसानों के मसीहा थे चौधरी चरण सिंह : कुलपति

मेरठ, 29 मई (देशबन्धु)। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने बुधवार सुबह पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर

कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि चौधरी चरण सिंह जी किसानों के मसीहा थे उन्होंने अपना पूरा जीवन ईमानदारी से जिया वह हमेशा किसने की चिंता किया करते थे हमें भी उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए ईमानदारी से अपना कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर रिसर्च डायरेक्टर एवं चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर बीरपाल सिंह, प्रोफेसर दिनेश कुमार, प्रोफेसर अनिल मलिक, डॉक्टर राहुल कुमार, इंजीनियर मनीष मिश्रा, प्रेस प्रवक्ता मितेंद्र कुमार गुप्ता, इंजीनियर मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

अनित्य पर ध्यान नहीं नित्य पर दें ध्यान : भारत भूषण

मवाना/हस्तिनापुर, 29 मई (देशबन्धु)। जैन तीर्थ क्षेत्र हस्तिनापुर के प्राचीन बड़ा मंदिर में चल रहे 40 दिवसीय श्री शांतिनाथ विधान के 15वें दिन 246 परिवारो ने हिस्सा ले धर्मलाभ अर्जित किया। विधान की शुरूआत जिनेन्द्र

भगवान का अभिषेक कर कि गई। तदोपरांत भंगवतों की शांतिधारा सुधीर जैन, आशीष जेन, आलोक जैन, अरिहंत जैन, प्रशांत जैन, रेणूका जैन, सरोज जैन, शिखा जैन, रूचिका जैन, श्रुति जैन, ने कर पुण्य का संचय किया। बाल ब्र0 सुनीता दीदी के दिशा निर्देशन में विधा की समस्त क्रियाऐं पं0 आशीष जैन शास्त्री, आयूष जैन शास्त्री ने मंगलिक क्रियायें सम्पन्न कराई। विधान के मध्य आयोजित धर्मसभा में आचार्य भारत भूषण महाराज ने कहा है कि -इस विधान में द्वितीय वलय में चार प्रकार की आराधना व बारह भावनाओं का चिंतन किया गया है। बिना आराधना के भावना मे विशुद्धी नहीं आ सकती है। इसलिए दर्शन, ज्ञान, चारित्र, तप ये चार आराधना अनित्य आदि बारह भावनाओं की वृद्धि में सहायक है। हे जीव ! अनित्य पर तूने राग किया है अनित्य ही रहेगा, नित्य हो नही सकता है। क्षण भंगुर द्रव्य से राग किया है। जल के बुलबुले के समान इस तन पर राग किया है। जो जलकर राख हो जायेगा। तन-धन, यौवन तो इन्द्र धनुष के समान नश्वर है। ये तन जो तेरे साथ नही जायेगा तेरा है ही नहीं। तूने चौतन्य अविनाशी आत्मा पर ध्यान नही दिया जो तेरा है। धन, दौलत, ख्याति, पूजा, दुकान, मकान सब अनित्य है। और तूने नित्य स्वभावी आत्मा को इन अनित्य द्रव्यो मे नित्य लगाया है इसी कारण तूझे अनित्य पर्याय प्राप्त हुई पर नित्य (सिद्ध पर्याय) आज तक प्राप्त नही हुई। ऐसे अनित्य भाव का चिंतन करते हुए ऐसी अविनाशी पद को प्राप्त कर आत्म कल्याण करे। सायंकालीन महाआरती में संगीत के मधुर ध्वनि पर महाआरती की गई पंचपरमेष्ठी भगवान की आरती का दीपप्रज्जवल सरोज जैन, रेणूका जैन, शिखा जैन, रूचिका जैन ने किया। और रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रश्नमंच, धार्मिक अन्ताक्षरी के पुरस्कार निर्मला जैन ने दिए।

विकास लक्ष्यों की जांच को समिति गठित

मवाना, 29 मई (देशबन्धु)। ग्राम पंचायतों के समग्र विकास को अब और धार देने के लिए नो टीमों के 17 सतत विकास लक्ष्यों की जांच हेतू गठित समिति की एक कार्यशाला का खंड विकास अधिकारी की अध्यक्षता में विकास खंड पर आयोजन किया गया। कार्यशाला में सहायक विकास अधिकारी पंचायत द्वारा समिति के सदस्यों को जांच बिन्दुओ की विस्तृत जानकारी दी गयी। ग्राम पंचायतो के समग्र विकास के लिए निर्धारित नो थीम गरीबी मुक्त और उन्नत आजीविका पंचायत, स्वस्थ पंचायत, बाल हितैषी पंचायत, पर्याप्त जल वाली पंचायत, स्वच्छ एवं हरित पंचायत, आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा युक्त पंचायत, सामाजिक रूप से संरक्षित पंचायत, सुशासित पंचायत और महिला हितैषी पंचायत के 17 सतत लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं। उक्त थीमों से संबंधित सवालो के उत्तर ग्राम पंचायतों द्वारा पीडीआई पोर्टल पर भरे गये है। उक्त सवालों के जवाब के आनलाइन पोर्टल पर संबंधित विभागों के नोडल अधिकारी उत्तरो की जांच करेंगे तथा सही उत्तर को अग्रेषित तथा गलत को वापस करेंगे।

निशुल्क नेत्र परीक्षण व चिकित्सा शिविर का किया गया आयोजन

किठौर, 29 मई (देशबन्धु)। बुधवार को डॉ अखिलेश मोहन मुख्य चिकित्सा अधिकारी मेरठ के निर्देशन में 50 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय किठौर

में निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सा शिविर में 321 लाभार्थियों का नेत्र परीक्षण किया गया जिसमें से 7 लाभार्थी मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए चिन्हित किए गए जिनकी कल पी एल शर्मा जिला चिकित्सालय में सर्जरी की जाएगी। शिविर में निशुल्क चश्मा वितरण भी किया गया। शाह आलम बी सी पी एम ने अपनी माता खुशनूदी की याद में अपनी टीम के साथ गत वर्षों की भांति विशेष योगदान दिया। चिकित्सा शिविर में डॉ. मनीषा बंसल नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ. विकास चौधरी नेत्र रोग विशेषज्ञ, विजय कुमार नेत्र परीक्षण अधिकारी, डॉ. सुनील कुमार, बिजेंद्र प्रधान, विनय कुमार, चंद्रेश कुमार की टीम द्वारा नेत्र परीक्षण गतिविधियां आयोजित की गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परीक्षितगढ़ से डॉक्टर रविशंकर, इकरार एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माछरा से डॉक्टर तरुण राजपूत एवं राजन भिवानिया ने उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर शम्स परवेज भी उपस्थिति रहे इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विश्वास चौधरी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

आयोजन *इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए वर्कशॉप का हुआ आयोजन*

उत्तर प्रदेश बन रहा है इलेक्ट्रिक वाहनों का हब : दुर्गा शंकर

लखनऊ, 29 मई (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा की अध्यक्षता में आज प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में भारत सरकार, राज्य सरकार एवं प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साथ उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। ईवी चार्जिंग वे अहेड विषय पर आयोजित वर्कशॉप में बोलते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि आने वाला समय इलेक्ट्रिक वाहनों का है। 2070 तक भारत सरकार ने देश को सौ प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों वाला देश बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है जिसे हमें पूरा करने के लिये कार्य करना है। उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण का केन्द्र बने इसके लिये सरकार पूरा प्रयासकर रही है। पर्यावरण के लिये जरूरी भी है कि इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जाये। सरकार इसके लिये सभी तरह के इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी दे रही है। प्रदूषण कम करने के लिये सरकार प्रतिबद्ध है। लखनऊ में अशोक लेलैन्ड इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण हेतु कारखाना लगा रही है दो वर्षो में उत्पाद प्रारम्भ हो जाने की सम्भावना है। इसी तरह टाटा मोटर का भी यहाँ कारखाना स्थापित है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण एवं उनकी चार्जिंग हेतु एक सुव्यवस्थित ढ़ाचा एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो जिससे आगामी वर्षो में सरकार के निर्धारित इलेक्ट्रिकल वाहनों के निर्माण एवं प्रोत्साहन के लक्ष्य को

■ **वरिष्ठ अधिकारियों संग उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा**

प्रदेश पूरा कर सकें। मुख्य सचिव ने उप्र पावर कारपोरेशन एवं ऊर्जा निगमों के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल के नेतृत्व में वाहनों के लिये किये जा रहे चार्जिंग नेटवर्क के निर्माण के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहाकि आज की वर्कशॉप इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। मुख्य सचिव ने कहाकि विगत वर्षों में उत्तर प्रदेश ने विकास के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण और सबसे अच्छा कार्य किया है। आज इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के क्षेत्र में भी प्रदेश में तेजी के साथ कार्य हो रहा है। उप्र पावर कारपोरेशन के अन्तर्गत एक नई कम्पनी बना दी गयी है जो वाहनों के विकास एवं सुविधा के लिये एक रोडमैप बनायेगी। आज का वर्कशॉप भी इसी दिशा में एक कदम है। दुर्गा शंकर मिश्रा ने बताया कि अयोध्या में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया गया है जिससे वहां प्रदूषण न हो। 2030 तक प्रदेश में तीस प्रतिशत वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहन बनाना है। इसलिये 2022 में इलेक्ट्रि वाहनों के लिये एक पॉलिसी लायी गयी है। जिसमें ऐसे वाहनों की खरीद पर 20 लाख तक सब्सिडी दी जा रही है। उप्र पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने मुख्य सचिव तथा वर्कशॉप में आये हुये प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कहाकि आज के वर्कशॉप का उद्देश्य प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास के लिये एक महत्वपूर्ण, बेहतर एवं उपयोगी नेटवर्क की नीति का आधार तैयार करना है जिससे बनायी गयी नयी कम्पनी यूपी रिन्यूवेबिल एण्ड ईवी इन्फ्रास्ट्रक्चर लि. आगे वर्कशाप में प्राप्त सुझावों के आधार पर बेहतर कार्य कर सके। होटल हयात के इस वर्कशॉप में इण्डिया स्मार्ट ग्रिड फोरम के अध्यक्ष रिजी कुमार पिल्लई, रीवर फ्रन्ट एथॉरिटी के अध्यक्ष तथा अरबन प्लानिंग में सलाहकार केशव वर्मा, उप्र के इन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड इण्डिस्ट्रियल डेवलपमेन्ट कमिश्नर मनोज कुमार सिंह, भारत सरकार के जी 20 के शेरपा अभिताभ कान्त तथा वर्कशॉप को पावर कारपोरेशन के प्रबन्ध निदेशक पंकज कुमार ने भी सम्बोधित किया और अपने विचार रखे।

किठौर कस्बे में बिजली विभाग ने चलाया चेकिंग अभियान

किठौर, 29 मई (देशबन्धु)। लगातार भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए बिजली विभाग अब बड़े बकायादारों से वसूली करने में जुट गया है कस्बा किठौर में बुधवार को बिजली विभाग की टीम ने जगह-जगह छापेमारी कर जल्द से जल्द विद्युत बिल जमा

करने के लिए कहा है साथ ही कई जगह चेकिंग अभियान भी इस दौरान किया गया क्षेत्रीय एसडीओ व जैई धनंजय कुमार ने बड़े बकायेदारों के विरुद्ध अभियान चलाकर बिल जमा करने के लिए कहा है कुछ न मौके पर ही बिल जमा कर कर दिया अन्य को जल्दी बिल जमा करने की चेतावनी दि गई एसडीओं ने कहा अगर जल्दी बकाया जमा नहीं कराया गया तो ऐसे लोगों को चिन्हित कर उनके बिजली कनेक्शन काट दिए जाएंगे जैई ने बताया कि इस दौरान बिजली पुलिस विभाग के अभियान पुलिस का बड़ा सहयोग मिला है आगे भी यह है।

कांग्रेस की सरकार होने के कारण केंद्र ने हिमाचल को नहीं दी आपदा में मदद : प्रियंका

कुल्लू/मंडी, 29 मई (देशबन्धु)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कुल्लू और मंडी में पार्टी प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह के पक्ष में जनसभाएं की और ताबड़तोड़ प्रचार किया। उन्होंने रोड शो भी निकला, जिसमें लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिमाचल प्रदेश को अपना घर बताते हैं, लेकिन जब राज्य में आपदा आई तो वह एक बार भी हिमाचल प्रदेश नहीं आए और केंद्र की ओर से आपदा प्रभावितों के लिए एक पैसा तक नहीं दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार वहीं मदद प्रदान करती है, जहां भाजपा की सरकारें होती हैं और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की सरकार होने के कारण केंद्र सरकार ने एक रूपए की मदद भी नहीं भेजी। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का गर्व है कि पूरी कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू आपदा में हिमाचल प्रदेश के लोगों के साथ खड़े रहे और प्रभावितों की मदद की। उन्होंने कहा कि सेवा ही कांग्रेस पार्टी की विचारधारा है और हिमाचल प्रदेश की जनता जानती है कि संकट के समय उनके साथ कौन खड़ा रहा।

पिछले दस साल में मोदी सरकार ने केवल अपने खरबपति मित्रों को खुश करने की नीतियां बनाई। कर्मचारियों को पुरानी पेंशन देने के लिए केंद्र सरकार के पास पैसे नहीं हैं, जबकि उन्होंने उद्योगपतियों को 16 लाख करोड़ रुपए के कर्ज माफ किए : प्रियंका गांधी वाड्रा

प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा ने एक साज़िश के तहत विधायकों को ख़रीद कर राज्य के ईमानदार लोगों की चुनी हुई ईमानदार सरकार को गिराने का प्रयास किया है, लेकिन लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि 10 वर्ष में भाजपा विश्व की सबसे अमीर पार्टी बन गई क्योंकि छापे मारकर चंदा वसूल किया गया। जिस कंपनी के वैक्सीन के कारण मौतें हो रही हैं, भाजपा ने उसी कंपनी से 52 करोड़ का चंदा लिया। गुजरात में जिस कंपनी का पुल गिरा, भाजपा ने उसी से चंदा लिया और जिन-जिन पर छापे मारे, उनसे चंदा लेकर छापे बंद कर दी। उन्होंने कहा कि मंडी लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह कभी भी पार्टी के सेवा के लिए पीछे नहीं हटे, जबकि भाजपा की उम्मीदवार अपने ही पार्टी के कार्यकर्ताओं के बारे में क्या कह रही हैं। उन्होंने सभी से विक्रमादित्य सिंह को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की और कहा कि सांसद बनकर वह पूरी निष्ठा के साथ अपना दायित्व निभाएँगे।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा दिया, जिससे छोटे-छोटे कारोबार फले-फूले। लेकिन मोदी सरकार की नीतियां छोटे और मध्यम उद्योगों को कुचलने की हैं। पहले नोट बंदी की और कोविड के बाद पर्यटन उद्योग को राहत देने की बजाय मोदी सरकार ने जीएसटी थोप दिया, जिससे पर्यटन उद्योग को नुकसान झेलना पड़ा है। केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नीतियाँ बनाई जाएंगी।

कर्मचारियों को पुरानी पेंशन देने के लिए केंद्र सरकार के पास पैसे नहीं

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि पिछले दस साल में मोदी सरकार ने केवल अपने खरबपति मित्रों को खुश करने की नीतियां बनाईं। कर्मचारियों को पुरानी पेंशन देने के लिए केंद्र सरकार के पास पैसे नहीं हैं, जबकि उन्होंने उद्योगपतियों को 16 लाख करोड़ रुपए के कर्ज़ माफ़ किए और देश के संसाधन उनको सौंपे जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने सेब के कोल्ड स्टोर उद्योगपति मित्रों को सौंप दिए हैं, जो सेब के दाम कंट्रोल कर रहे हैं, जिसके कारण सेब बाग़वानों को सेब के उचित दाम नहीं मिल रहे हैं। इसके साथ ही सेब पर इंपोर्ट ड्यूटी घटाई, जिससे सेब बाग़बानों को नुकसान हुआ। कांग्रेस 55 साल तक सत्ता में रही, लेकिन कभी भी जनता के हितों के साथ समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ग़लत नीतियों के कारण महंगाई और बेरोज़गारी बढ़ी है और आज 70 करोड़ युवा बेरोज़गार हैं।

कांग्रेस सरकार बनने के बाद महिलाओं को 8500 रुपए प्रति माह मिलेंगे

प्रियंका गांधी ने कहा कि केंद्र में कांग्रेस सरकार बनने के बाद महिलाओं को 8500 रुपए प्रति माह और एक साल में एक लाख रुपए दिए जाएँगे। सरकारी क्षेत्र में ख़ाली पड़े 30 लाख पदों को भरा जाएगा और इसमें महिलाओं को 50 फ़ीसदी आरक्षण देंगे। आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय दोगुना किया जाएगा और किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की क़ानूनी गारंटी का अधिकार देंगे। इसके अतिरिक्त किसान की फसल को नुक़सान होने पर 30 दिन में मुआवज़ा प्रदान किया जाएगा, किसानों की कर्ज़ माफ़ी के लिए आयोग बनाया जाएगा और कृषि उपकरणों पर सीएसटी ख़त्म किया जाएगा।

'अंतिम 48 घंटे की एसओपी को लेकर आदेश दिए'

केलांग, 29 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति के जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त राहुल कुमार ने 48 घंटे पूर्व प्रचार-प्रसार बंद किए जाने, जिला के बाहर के राजनीतिक व्यक्ति और कार्यकर्ता को 48 घंटे पूर्व जिला छोड़ने को लेकर दिए गए राजनीतिक दलों को दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि चुनाव आयोग ने दिनांक 16 मार्च, 2024 से लोकसभा आम और विधानसभा उप चुनाव-2024 के कार्यक्रम की घोषणा की है जिसके तहत प्रचार अवधि 30 मई को शाम 6.00 बजे समाप्त हो जाएगी और मतदान एक जून को निर्धारित है। श्री कुमार नें आदेश जारी करते हुए कहा कि राज्य चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसरण में, हिमाचल प्रदेश के जिला लाहौल स्पीति में राजनीतिक पदाधिकारियों पार्टी कार्यकर्ताओं के जुलूस-पदाधिकारियों, अभियान-पदाधिकारियों आदि की उपस्थिति पर प्रतिबंध रहेगा। जो की 30 मई, 2024 को शाम छह बजे से एक जून, 2024 को शाम छह बजे तक या मतदान समाप्ति तक रहेगा और जो की निर्वाचन क्षेत्र के बाहर से लाए गए हैं व जिला के 21-लाहौल स्पीति विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता नहीं हैं। उन्होंने कहा कि लिहाज़ा ऐसे व्यक्तियों को जिला में मौजूद नहीं रहना चाहिए क्योंकि अभियान अवधि समाप्त होने के बाद उनकी निरंतर उपस्थिति स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान के माहौल को कमजोर कर सकती है।

श्री कुमार ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि कि अधिकृत चुनाव कर्मचारियों और पुलिस अधिकारियों के अलावा किसी भी व्यक्ति को मतदान केंद्र के 100 मीटर की परिधि के भीतर या भीतर सेल्यूलर फोन, कॉर्डलेस फोन, वायरलेस फोन या ध्वनि बढ़ाने वाले किसी भी उपकरण को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मतदान केंद्रों के लिए आज रवाना होंगी पोलिंग पार्टियां

केलांग। लोकसभा आम चुनाव व विधानसभा उप निर्वाचन-2024 के लिए पहली जून को होने वाले मतदान को लेकर लाहौल स्पीति -21 विस अनुसूचित जनजातीय क्षेत्र लाहौल के पोलिंग पार्टियों को केलांग पुलिस ग्राउंड में अंतिम पूर्वाभ्यास आयोजित करवाया गया। जिसमें ईवीएम पीपीटी के माध्यम से मास्टर ट्रेनर द्वारा मतदान प्रक्रिया की बारीकियां समझाई गईं। इसके अतिरिक्त मतदान संपन्न करवाने के लिए चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों व गाइडलाइन्स बारे विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई । इस मौके पर इलेक्शन डयूटी के लिए तैनात अधिकारियों को ईवीएम और वीवीपैट के संचालन की ट्रेनिंग देने के साथ मतदान के दौरान प्रयोग होने वाले दस्तावेजों बारे जानकारी दी गई व मतदान पार्टियों को चुनाव सामग्री भी प्रदान की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल कुमार ने चुनाव डयूटी के लिए तैनात सभी पीठासीन व मतदान अधिकारियों को टीम भावना के साथ पूरी निष्ठा से समन्वय के साथ कार्य करने को भी निर्देशित किया ।

मतदान केन्द्र में चार से अधिक लोगों के एकत्रित होने पर प्रतिबंध

शिमला। हिमाचल प्रदेश में शिमला जिला दण्डाधिकारी अनुपम कश्यप ने धारा 144 की शक्तियों का प्रयोग कर आदेश जारी करते हुये बताया कि लोकसभा चुनाव 2024 के दृष्टिगत शिमला जिले में मतदान केन्द्र के 100 मीटर के दायरे में मतदान के लिये लाइन में लगे लोगों और कानून एवं व्यवस्था में तैनात कर्मियों को छोड़कर चार से अधिक लोगों के एक साथ एकत्रित एवं चलने पर प्रतिबंध होगा। श्री कश्यप ने कहा कि चुनाव ड्यूटी में तैनात सुरक्षा कर्मियों को छोड़कर अन्य व्यक्तियों को मतदान केन्द्र के 100 मीटर के दायरे में आग्नेयास्त्र , घातक हथियार, बैनर, स्टिक लेकर चलने पर प्रतिबंध रहेगा। चुनाव ड्यूटी में शामिल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को छोड़कर 100 मीटर के दायरे में लाउड स्पीकर, मोबाइल फोन, माइक्रो फोन का उपयोग करने पर भी प्रतिबंध रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य गतिविधियां जो चुनाव प्रक्रिया को बाधा कर सकती है, उस पर भी पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। यह आदेश सीआरपीसी की धारा 144 (2) के तहत स्थिति की गंभीरता को देखते हुये पारित किए जाते हैं तथा यह आदेश सरकारी कर्मचारी, कानून एवं व्यवस्था, आवश्यक सेवायें एवं चुनाव संचालन से जुड़े लोगों पर लागू नहीं होंगे।

कांगड़ा से कांग्रेस उम्मीदवार आनंद शर्मा के लिए हुड्डा ने की चुनावी जनसभाएं

चंडीगढ़, 28 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि हिमाचल प्रदेश की जनता अग्निवीर योजना के विरुद्ध और ओल्ड पेंशन स्कीम के समर्थन में वोट करने जा रही है। श्री हुड्डा बुधवार हरियाणा, चंडीगढ़ के बाद कांगड़ा से कांग्रेस उम्मीदवार

आनंद शर्मा के लिये चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे। श्री शर्मा की तारीफ करते हुये कहा कि जनता की आवाज़ को लोकसभा में उठाने और जनता की लड़ाई लड़ने वाले नेता हैं। वह केन्द्र सरकार में आपकी ताकत बनेंगे। उन्होंने नगरोटा, बगवॉ और चंबा में चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुये कांग्रेस की जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संविधान को बदलना और जनता को मिले संवैधानिक अधिकारों को छीनना चाहती है। यह वह अधिकार हैं, जिन्हें कांग्रेस की सरकारों ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के दिये संविधान के जरिये नागरिकों के लिये बनाये थे। जैसे कि आरक्षण का अधिकार, सूचना का अधिकार, मनरेगा, भोजन और शिक्षा का अधिकार। अब कांग्रेस किसी कड़ी में पहली नौकरी पक्की देने का अधिकार और किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी का अधिकार देने जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सीधे जनता से जुड़े जमीनी मुद्दों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि भाजपा के पास न बताने के लिये कोई काम है और न ही भविष्य के लिये कोई रोडमैप, इसलिये इस बार देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनना तय है।

हम तलवारों के बजाय अपने वोटों से अन्याय, जुल्म के खिलाफ लड़ रहे हैं : मान

श्री आनंदपुर साहिब, 29 मई (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को श्री आनंदपुर साहिब से आप उम्मीदवार मलविंदर सिंह कंग के लिये मोरिंडा में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। श्री मान ने कहा कि श्री आनंदपुर साहिब एक पवित्र और ऐतिहासिक भूमि है। यह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के चारों साहिबजादों का शहीदी स्थल है, जिन्होंने हमें अन्याय और अत्याचार के खिलाफ लड़ना सिखाया। उन्होंने कहा कि आज हम तानाशाही के खिलाफ लड़ रहे हैं और हमें आपके समर्थन की जरूरत है। आज हम अन्याय, अत्याचार और तानाशाही के खिलाफ तलवारों की बजाय अपने वोटों से लड़ते हैं। इसलिये इस लड़ाई में आम आदमी पार्टी का साथ दें और आप उम्मीदवार मलविंदर सिंह कंग को संसद के लिये अपना प्रतिनिधि चुनें। अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर बादल पर हमला बोलते हुये श्री मान ने कहा कि श्री बादल अपनी पंजाब बचाओ यात्रा निकालने के लिये तब दो घंटे के लिये बाहर आते हैं, जब तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे होता है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति की जीप पर छत लगी हो वह आम लोगों की समस्या नहीं जान सकता। श्री मान ने कहा कि वह पूरे पंजाब को 45 डिग्री सेल्सियस में कवर कर रहे हैं। इसलिये ये लोग हमसे

यह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के चारों साहिबजादों का शहीदी स्थल है, जिन्होंने हमें अन्याय और अत्याचार के खिलाफ लड़ना सिखाया। उन्होंने कहा कि आज हम तानाशाही के खिलाफ लड़ रहे हैं और हमें आपके समर्थन की जरूरत है: भगवंत मान

या हमारी मेहनत का मुकाबला नहीं कर सकते।

भाजपा अपनी हार देखकर धर्म की राजनीति पर उतर आई: धालीवाल

आम आदमी पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी कैबिनेट मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने बुधवार को अपने चुनाव प्रचार के आखिरी चरण में भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुये कहा कि पंजाब में मिलने वाली करारी हार को देखते हुये भाजपा धर्म की राजनीति पर उतर आयी है। श्री धालीवाल ने भाजपा के उम्मीदवार चरणजीत सिंह संधू पर व्यंग्य करते हुये कहा कि श्री संधू साहब चार जून की शाम को अमेरिका लौटने की तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें अमृतसर से करारी हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के उम्मीदवार सांसद गुरजीत सिंह औजला लोकसभा में अमृतसर के मुद्दों को उठाने में पूरी तरह से विफल साबित हुये हैं। श्री धालीवाल ने कहा कि हमारा दृष्टिकोण अमृतसर का विकास करना और केंद्र से अमृतसर में एक विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय, पीजीआई स्तर का अस्पताल लाना है।

मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में राजनीतिक प्रचार पर प्रतिबंध

जालंधर, 29 मई (एजेंसियां)। पंजाब में जालंधर के जिला उपायुक्त डॉ हिमांशु अग्रवाल ने एक जून, 2024 को मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में राजनीतिक प्रचार पर प्रतिबंध के आदेश जारी किये हैं। डॉ हिमांशु ने बुधवार को बताया कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 130 के तहत कोई भी राजनीतिक दल मतदान के दिन एक जून 2024 को मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में प्रचार नहीं करेगा। उपायुक्त ने कहा कि 30 मई को शाम छह बजे से एक जून को मतदान की समाप्त होने तक जिला जालंधर के अधिकार क्षेत्र में पांच से अधिक लोगों की सार्वजनिक सभा 48 घंटे की अवधि के लिए प्रतिबंधित है। यह स्पष्ट किया जाता है कि यह 48 घंटों के दौरान घर-घर जाने पर प्रतिबंध नहीं लगाता है, क्योंकि डोर-टू-डोर प्रचार वैन केवल चार व्यक्तियों के सीमित समूह के साथ किया जायेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी राजनीतिक नेता, पदाधिकारी या पार्टी कार्यकर्ता जो संसदीय क्षेत्र जालंधर के पंजीकृत मतदाता नहीं हैं, उन्हें 30 मई की शाम छह बजे के बाद निर्वाचन क्षेत्र खाली करना होगा। इसके अलावा 30 मई से एक जून और चार जून को ड्राई-डे घोषित किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि उपरोक्त दिनों में शराब बेचने/परोसने वाली किसी भी शराब की दुकान, होटल, रेस्टोरेंट, क्लब और अन्य प्रतिष्ठानों को किसी को भी शराब बेचने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

बीजेपी प्रत्याशी के काफिले की कार से एक्सीडेंट, दो की मौत

गोंडा, 29 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बीच कैसरगंज से बीजेपी प्रत्याशी करण भूषण शरण सिंह के काफिले से बड़ा हादसा हो गया। उनके काफिले में शामिल कार ने एक बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार दो भाइयों की मौत हो गई। इस हादसे में अन्य दो राहगीर भी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सड़क किनारे बैठी महिलाएं भी इसकी जद में आई हैं। चिकित्सकों ने उपचार के लिए लाए गए युवकों को मृत घोषित कर दिया है। पुलिस ने सभी के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद क्षेत्राधिकारी करनैलगंज मौके पर पहुंचे और क्षतिग्रस्त गाड़ी को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बृजभूषण शरण सिंह के बेटे व कैसरगंज से बीजेपी प्रत्याशी करण भूषण सिंह गोंडा से हुजूरपुर जा रहे थे जब ये हादसा हुआ।

काफिले में शामिल एक कार ने बहराइच-हुजूरपुर मार्ग पर स्थित छतईपुरवा के पास पहुंचते ही ओवरटेक करने के चक्कर में निदुरा गांव के पास मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयावह थी कि इसने सामने मौजूद बिजली के खंभे को भी रौंद दिया। इस घटना के बाद भी करण भूषण का काफिला वहां नहीं रुका। उपचार के दौरान दो बच्चों की मौत के बाद आक्रोशित भीड़ ने अस्पताल में हंगामा खड़ा कर दिया। लोगों ने घटना में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि करण भूषण सिंह बीजेपी नेता बृजभूषण सिंह के बेटे हैं, लेकिन इस लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने बृजभूषण सिंह को टिकट ना देकर उनके बेटे को चुनावी मैदान में उतारा है।

'राम का नाम लेने से काम नहीं चलेगा, उनके आदर्शों पर चलना होगा'

पटना, 29 मई (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि राम का नाम लेने से काम नहीं चलेगा, उनके आदर्शों पर चलना होगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा था किये चुनाव राम विरोधी और राम भक्तों के बीच है। उनके इस बयान पर पूछे जाने पर बुधवार को तेजस्वी यादव ने कहा, 'इस देश में कौन राम भक्त नहीं है? हम लोग तो दूरदर्शन के समय से ही रामायण देखते आ रहे हैं। हमारे घर में राम हैं। हमारे घर में मंदिर है। लेकिन रामराज्य के लिए बेहतर है बेरोजगारी को दूर करना। महंगाई को दूर करना, गरीबी को दूर करना। राम का नाम लेने से काम नहीं चलेगा, राम के आदर्शों पर चलने से काम होगा। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को योगी आदित्यनाथ ने पटना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को परम राम भक्त बताते हुए कहा था कि देश की जनता कहती है कि राम भक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर।

'इस देश में कौन राम भक्त नहीं है? हम लोग तो दूरदर्शन के समय से ही रामायण देखते आ रहे हैं। हमारे घर में राम हैं। हमारे घर में मंदिर है। लेकिन रामराज्य के लिए बेहतर है बेरोजगारी को दूर करना। महंगाई को दूर करना, गरीबी को दूर करना: तेजस्वी यादव

तेजस्वी ने कहा कि इस बार चुनावी मुद्दा महंगाई, बेरोजगारी और युवाओं को सशक्त बनाना है। बिहार ने पिछले चुनाव में इनको गुजरात से भी अधिक सांसद दिया, यहां 40 में से 39 सांसद इन्हें मिले। लेकिन इसके बाद बिहार को ठेंगा मिला और गुजरात को सब कुछ मिला। इसलिए बिहार की जनता इस बार उनको सबक सिखाएगी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान के नौकरी के बदले जमीन लिखवाने के बयान पर उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि पांच लाख लोगों को नौकरी दी है, एक भी युवा बता दें जिनसे जमीन ली गई हो। चिराग पासवान ने राजद पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि राजद जमीन लिखवा कर नौकरी देती है। इससे पहले मंगलवार को योगी आदित्यनाथ के बिहार दौरे को लेकर तेजस्वी यादव ने कहा था कि बिहार में चुनाव प्रचार के लिए नॉर्थ कोरिया के किम जोंग उन को भी बुला लें।

राजनीतिक दल घोषणापत्र में तंबाकू नियंत्रण को शामिल करने के लिए तैयार नहीं: विशेषज्ञ

जालंधर, 29 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के सलाहकार डॉ नरेश पुरोहित ने बुधवार को कहा कि राजनीतिक दलों को लोगों के स्वास्थ्य या कल्याण में कोई दिलचस्पी नहीं दिखती। इसके बजाय, वे केवल वोट बटोरने में रुचि रखते हैं। डॉ पुरोहित ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में अग्रणी दलों के चुनावी घोषणापत्रों पर एक नज़र डालने से पता चलता है कि उनमें से किसी में भी तंबाकू के उपयोग के खतरों से निपटने की राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है। विश्व तंबाकू निषेध दिवस से पहले इस मुद्दे पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुये, प्रख्यात महामारी विज्ञानी डॉ पुरोहित ने यहां मीडिया को बताया कि भारत में तंबाकू के कारण हर साल 10 लाख लोगों की मौत होती है और तंबाकू के उपयोग से होने वाले कैंसर की दर पुरुषों में 40 प्रतिशत और महिलाओं में 15-20 प्रतिशत है।

उन्होंने कहा, 'भारत के सभी 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) में से पंजाब और चंडीगढ़ में तंबाकू सेवन की दर सबसे कम है। एनएफएचएस-5 के आंकड़ों के अनुसार, पंजाब में बमुश्किल 13 प्रतिशत पुरुष और 0.4 प्रतिशत महिलायें तथा चंडीगढ़ में 12 प्रतिशत

पुरुष और 0.6 प्रतिशत महिलायें तंबाकू का सेवन करती हैं।' डॉ पुरोहित ने राजनीतिक दलों से तंबाकू नियंत्रण जैसे व्यापक सार्वजनिक हित से संबंधित मुद्दों को शामिल करने पर गंभीरता से विचार करने का आह्वान किया और कहा कि चिकित्सा संसाधनों पर पहले से ही बहुत अधिक दबाव है। एसोसिएशन ऑफ स्टडीज इन कैंसर केयर के प्रधान अन्वेषक डॉ पुरोहित ने बताया कि राजनीतिक दलों द्वारा घोषणापत्र में तंबाकू नियंत्रण उपायों और नीतियों को शामिल करने की अनिच्छा के कारण तंबाकू से संबंधित बीमारियों और मौतों का अनावश्यक बोझ बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि अब 1,800 लोगों पर एक डॉक्टर है, जबकि डब्ल्यूएचओ के दिशानिर्देश के अनुसार 1,600 लोगों पर एक डॉक्टर होना चाहिये। उन्होंने कहा, 'लगभग 14 लाख डॉक्टरों और 28 लाख नर्सों के पास संसाधनों की कमी है। भारत में अस्पताल के बिस्तरों की संख्या प्रति 1,000 रोगियों पर 3.511 के डब्ल्यूएचओ दिशानिर्देशों से काफी कम है। रोकथाम योग्य तम्बाकू-जनित बीमारियों को सीमित करने और अधिक वास्तविक जरूरतों के लिए हमारे चिकित्सा संसाधनों को बचाने के लिये सामूहिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है।' उन्होंने पार्टियों से सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम कोटपा के सख्त क्रियान्वयन, शैक्षणिक संस्थानों के आसपास दवाओं और तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध, तम्बाकू किसानों के पुनर्वास और उन्हें वैकल्पिक फसल उगाने के लिये समर्थन और प्रोत्साहन देने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

पंजाब के सभी मतदान केंद्र तंबाकू मुक्त होंगे: सिबिन सी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) सिबिन सी ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिये राज्य के सभी मतदान केंद्रों को तंबाकू मुक्त घोषित किया है। श्री सिबिन सी ने बुधवार को कहा कि राज्य के सभी मतदान केंद्रों में सिगरेट, बीड़ी और अन्य तंबाकू उत्पादों का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी को संबंधित मतदान केंद्रों पर तंबाकू मुक्त स्थिति सुनिश्चित करने के लिये नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों को तंबाकू मुक्त घोषित करने का उद्देश्य धूम्रपान न करने वालों को सेकेंड हैंड धुयें के संपर्क से बचाना और लोगों के बीच एक स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करना है। यह पहल तंबाकू के उपयोग और कैंसर, हृदय रोग, दीर्घकालिक फेफड़ों के रोग, अंधापन आदि सहित इससे जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों को कम करने के लिये व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियानों और विधायी प्रयासों के अनुरूप है।

सवैतनिक अवकाश न देने वाले नियोक्ताओं पर लगेगा जुर्माना : गर्ग

शिमला, 29 मई (एजेंसियां)। मतदाताओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार हिमाचल प्रदेश के पंजीकृत मतदाताओं के लिए मतदान के दिन एक जून को वेतन सहित अवकाश घोषित किया गया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनीष गर्ग ने बताया कि इसके अन्तर्गत प्रदेश सरकार के सभी कार्यालय जैसे बोर्ड, निगम, शिक्षण संस्थान और औद्योगिक प्रतिष्ठान इसमें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दैनिक वेतन भोगियों के लिए भी यह सवेतन अवकाश होगा और यह नेगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंटस एक्ट 1981 की धारा 25 के तहत लागू होगा। उन्होंने कहा कि यह दिशा-निर्देश व्यापारिक एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों के कर्मियों पर

भी लागू होंगे, जिनपर नेगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंटस एक्ट लागू नहीं होता। इस संबंध में हिमाचल सरकार द्वारा एक अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि श्रम आयुक्त एवं चीफ इन्सपेक्टर ऑफ फैक्टरीज हिमाचल प्रदेश ने सहायक निदेशक कारखाना, ऊना, सोलन और प्रदेश के सभी श्रम अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश भी जारी किए हैं। दिशा-निर्देशों के अनुसार कारखाना निरीक्षणालय ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135-बी के प्रावधान के संबंध में जानकारी दी है, जिसमें मतदान के दिन कर्मचारियों को सवेतन अवकाश देने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों (उपायुक्तों) को भी यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि कर्मचारी, विशेषकर दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी या असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को भी मतदान के दिन सवेतन अवकाश मिले। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यवसाय, व्यापार, औद्योगिक उपक्रम या किसी अन्य प्रतिष्ठान में कार्यरत व्यक्ति, जो लोकसभा या विधानसभा के चुनावों के दौरान वोट देने का हकदार है, को मतदान के दिन वेतन सहित अवकाश दिया जाएगा। ऐसे किसी भी व्यक्ति के वेतन में ऐसी छुट्टी के कारण कोई कटौती नहीं की जाएगी।

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

पावरग्रिड	1.52 प्रतिशत
सन फ़ार्मा	0.92 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	0.71 प्रतिशत
आईटीसी	0.44 प्रतिशत
भारती एयरटेल	0.26 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

टेक महिंद्रा	2.35 प्रतिशत
आईसीआईआई बैंक	2.19 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	1.92 प्रतिशत
बजाज फिनसर्व	1.89 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	1.48 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	74,220
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	74400
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2600-2700
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4000-4100
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	6100-6200
दाल चना	7100-7200
मसूर काली	7550-7650
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9850-9950
अरहर दाल	11700-11800

आरबीआई के तीन नए फैसलों से फिनटेक सेक्टर को मिलेगा मजबूती

■ **रिपॉजिटरी आने का सीधा फायदा ग्राहकों को मिलेगा**

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। फिनटेक इंडस्ट्री के लीडर्स की ओर से बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में शुरू किए गए प्रवाह पोर्टल, रिटेल डायरेक्ट मोबाइल ऐप और फिनटेक रिपॉजिटरी की सराहना की गई। साथ ही कहा कि इससे देश के फिनटेक सेक्टर को बूस्ट मिलेगा। रिपॉजिटरी सभी फिनटेक संस्थाओं को अपने तकनीकी कार्यान्वयन और गतिविधियों को दस्तावेज करने और साझा करने के लिए एक केंद्रीकृत मंच प्रदान करेगी, जिससे उद्योग के भीतर अधिक पारदर्शिता आएगी और विश्वास को भी बढ़ावा मिलेगा।

फाइब के मुख्य तकनीकी अधिकारी (सीटीओ), अनिल सिन्हा ने कहा कि रिपॉजिटरी में एडवांस एआई और एमएल जैसी टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। इसकी मदद से फिनटेक फर्म, डेटा आधारित इनसाइट्स, संचालन में

आरबीआई द्वारा उठाए गए कदम भारत के वित्तीय क्षेत्र के लक्ष्य के लिए काफी अच्छे हैं : अंकित रतन

कार्यकुशलता लाने के साथ ग्राहकों को अधिक व्यक्तिगत और कुशल अनुभव प्रदान कर सकती है। इससे प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी और इंडस्ट्री की ग्रोथ में सहायता मिलेगी। रिपॉजिटरी आने का सीधा फायदा ग्राहकों को मिलेगा। इससे पारदर्शिता और विश्वास बढ़ेगा। एडवांस एआई और एमएल के इस्तेमाल होने से यह काफी सुरक्षित हो गया है। इसकी मदद से व्यक्तिगत और किफायती वित्तीय सॉल्यूशंस उपलब्ध कराना आसान हो जाएगा। साथ ही वित्तीय सुविधाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मदद मिलेगी और ग्राहकों की संतुष्टि भी बढ़ेगी। प्रवाह पोर्टल के आने से कोई भी संस्था या व्यक्ति आसानी से नियामकों की मंजूरी के लिए आवेदन कर सकता है। साइनजी के सह-संस्थापक और सीईओ, अंकित रतन ने कहा कि आरबीआई द्वारा उठाए गए कदम भारत के वित्तीय क्षेत्र के लक्ष्य के लिए काफी अच्छे हैं।

रिटेल डायरेक्ट मोबाइल ऐप के माध्यम से रिटेल निवेशकों को आसानी से आरबीआई के रिटेल डायरेक्ट पोर्टल का एक्सेस मिलेगा।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने की भारत के साख को सकारात्मक

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने भारत के साख (रेटिंग) परिदृश्य को 'स्थिर' से बढ़ाकर 'सकारात्मक' कर दिया है। साथ ही मजबूत वृद्धि और सरकारी व्यय की बेहतर गुणवत्ता के आधार पर रेटिंग को 'बीबीबी-' पर बरकरार रखा गया है। एसएंडपी ने कहा कि यदि भारत सतर्क राजकोषीय और मौद्रिक नीति अपनाता है जिससे सरकार के बढ़े हुए कर्ज तथा ब्याज के बोझ में कमी आती है और आर्थिक जुझारू क्षमता बढ़ती है तो वह अगले दो साल में भारत की साख को बढ़ा सकती है। एसएंडपी ने कहा कि सकारात्मक परिदृश्य हमारे इस दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है कि निरंतर नीतिगत स्थिरता, गहन आर्थिक सुधार तथा उच्च बुनियादी ढांचा निवेश दीर्घकालिक वृद्धि संभावनाओं को बनाए रखेंगे। एसएंडपी ने भारत के लिए परिदृश्य को 'स्थिर' से संशोधित कर 'सकारात्मक' कर दिया है। साथ ही 'बीबीबी-' दीर्घकालिक और 'ए-3' अल्पकालिक विदेशी तथा स्थानीय मुद्रा सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग की पुष्टि की है। 'बीबीबी-' सबसे निचली निवेश श्रेणी रेटिंग है। एजेंसी ने पिछली बार 2010 में रेटिंग परिदृश्य को 'नकारात्मक' से बढ़ाकर 'स्थिर' किया था।

सेबी ने एजीआई ग्रीनपैक पर लगाया 5 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की ओर से पैकेजिंग प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी एजीआई ग्रीनपैक पर 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

बाजार नियामक द्वारा ये जुर्माना कंपनी द्वारा स्टॉक एक्सचेंज पर सही, पर्याप्त और स्पष्ट जानकारी उपलब्ध न कराने को लेकर लगाया गया है। बता दें, सेबी का यह आदेश कंपनी द्वारा भारत की सबसे पुरानी और बड़ी कंटेनर ग्लास बनाने वाली कंपनी हिंदुस्तान नेशनल ग्लास (एचएनजी) के अधिग्रहण को लेकर जानकारी छिपाने को लेकर दिया गया है। आदेश में कहा गया कि एजीआई ग्रीनपैक ने एचएनजी के अधिग्रहण को लेकर 31 अक्टूबर, 2022 और 16 मार्च, 2023 को दिए डिसक्लोजर में कई जरूरी जानकारियां नहीं बताई थीं। सेबी की ओर से बताया गया कि कंपनी ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) द्वारा उसे जारी किए गए कारण बताओ नोटिस के बारे में नहीं बताया था। साथ ही सीसीआई को एजीआई द्वारा जमा किए गए

संशोधित आवेदन और एजीआई और एचएनजी के समायोजन को मंजूरी देने वाले सीसीआई के आदेश को लेकर मुकदमेबाजी से जुड़ी सूचना नहीं दी थी। अप्रैल से अक्टूबर 2023 के बीच एजीआई के शेयर में 236 प्रतिशत का उछाल देखा गया है। इस दौरान शेयर ने 334 के न्यूनतम स्तर से बढ़कर 1,089 के उच्चतम स्तर को छू गया।

सेबी के आदेश से पहले सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश और कर्नाटक उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विक्रमजीत सेन ने राय दी थी कि एजीआई ने सीसीआई अनुमोदन के बारे में आंशिक और कपटपूर्ण खुलासा किया था। सेबी के आदेश में आगे कहा गया कि अगर कंपनी 45 दिनों के अंदर जुर्माना नहीं चुकाती है तो सेबी अधिनियम, 1992 की धारा 28ए के तहत कार्रवाई की जाएगी।

उत्तराखंड के 15 हजार विक्रेता अमेजॉन के माध्यम से बेच रहे उत्पाद : श्रीकांत

देहरादून, 29 मई (एजेंसियां)। देश की बहु प्रचारित कम्पनी एमेजॉन इंडिया के माध्यम से उत्तराखंड के 15,000 से अधिक विक्रेता (सेलर) अपना उत्पाद बेचते हैं। राज्य में एमेजॉन के माध्यम से पिछले तिमाही में क्रिकेट किट की रिकॉर्ड 130 फीसदी बिक्री हुई है। यह जानकारी कम्पनी के होम, किचन और आउटडोर्स निदेशक केएन श्रीकांत ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में नए ग्राहकों की संख्या में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

उत्तराखंड में नए ग्राहकों की संख्या में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई

श्रीकांत ने बताया कि देश भर में एमेजॉन के माध्यम से लगभग साढ़े चार करोड़ उत्पाद बेचे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड से इस प्लेटफार्म पर खरीददारी करने पर उपभोक्ताओं को पांच प्रतिशत की रियायत दी जाती है। इसके अलावा, यहां से 45 दिन के क्रेडिट पर कोई भी सामान लिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि देहरादून में होम, किचन एवम आउटडॉर्स कारोबार में वार्षिक आधार पर 30 फीसदी की वृद्धि देखने को मिली है।

एमेजॉन निदेशक ने बताया कि उत्तराखंड में कम्पनी के माध्यम से सोलर पावर प्रोडक्ट, इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों के मामले में भी सर्वाधिक बेहतर बाजार उपलब्ध हुआ है।

एलएंडटी स्विचगियर बनी लॉरिट्ज नुडसेन

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। देश में विद्युत प्रबंधन तथा इलेक्ट्रिकल एवं ऑटोमेशन बाजार के अग्रणी ब्रांडों में से एक एलएंडटी स्विचगियर (एलएंडटी इलेक्ट्रिकल एंड ऑटोमेशन) को अब 'लॉरिट्ज़ नुडसेन इलेक्ट्रिकल एंड ऑटोमेशन' नाम से जाना जायेगा।

■ **तीन साल में 850 करोड़ रु करेगी निवेश**

कंपनी ने बुधवार को यह घोषणा की। एलएंडटी समूह ने अपने इलेक्ट्रिकल और ऑटोमेशन (एलएंडटीईएंडए) व्यवसाय को 2020 में श्नाइडर इलेक्ट्रिक समूह को बेच दिया था, तब से एलएंडटी स्विचगियर श्नाइडर समूह का हिस्सा बन गया है।

श्नाइडर इलेक्ट्रिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर हर्वेक ने एलएंडटी स्विचगियर को नए लॉरिट्ज नुडसेन ब्रांड

लॉरिट्ज नुडसेन का दृष्टिकोण नवोन्मेष व उत्कृष्टता को प्राथमिकता देता है : पीटर हर्वेक

के रूप में प्रस्तुत किए जाने के अवसर पर संवाददाताओं को बताया कि 'लॉरिट्ज नुडसेन' अगले तीन साल में रणनीतिक रूप से लगभग 850 करोड़ रुपए का निवेश कर इलेक्ट्रिकल क्षेत्र में भारत के तेज़ विकास की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण इकाई के रूप में अपनी भूमिका को और मजबूती से स्थापित करना चाहती है । हर्वेक ने वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के साथ-साथ नवोन्मेष को बढ़ावा देने में लॉरिट्ज़ नुडसेन की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि लॉरिट्ज़ नुडसेन का दृष्टिकोण नवोन्मेष और उत्कृष्टता को प्राथमिकता देता है, जो भारत के विकास के साथ निकटता से जुड़ा है। लॉरिट्ज़ नुडसेन, ग्राहकों पर और अधिक ध्यान देकर एलएंडटी स्विचगियर ब्रांड की 70 वर्ष से अधिक की विरासत को आगे बढ़ाते हुए, अपने मुख्य एलवी और एमवी व्यवसाय को मज़बूत करने के लिए तैयार है।

सार संक्षेप

अवाडा समूह ने सोलर प्रोजेक्ट के लिए जुटाए 315 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। अवाडा समूह की इकाई अवाडा एनर्जी ने कर्नाटक में अपने इस्तेमाल वाली सौर परियोजना के लिए असीम इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस से 315 करोड़ रुपए का वित्त जुटाया है। कंपनी ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि ढांचागत वित्त प्रदाता एआईएफएल से उसे अपनी सौर बिजली परियोजना के लिए वित्तपोषण मिला है। इस परियोजना को कर्नाटक सहकारी दुग्ध उत्पादक महासंघ लिमिटेड (केएमएफ) के साथ दीर्घावधि बिजली खरीद समझौते के तहत विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में स्थित है। अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने बयान में कहा कि 315 करोड़ रुपए का यह सफल वित्तपोषण असीम इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस के साथ हमारे दीर्घकालिक संबंधों को दर्शाता है।

आईनॉक्स विंड एनर्जी ने हिस्सेदारी बेचकर जुटाए 900 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। पवन ऊर्जा समाधान प्रदाता आईनॉक्स विंड एनर्जी ने आईनॉक्सजीएफएल समूह की अनुषंगी कंपनी आईनॉक्स विंड लिमिटेड के शेयर बेचकर 900 करोड़ रुपए जुटाए हैं। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, यह आईनॉक्स विंड लिमिटेड में बाह्य ऋण को पूरी तरह से खत्म करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आईनॉक्स विंड भारत की अग्रणी पवन ऊर्जा समाधान प्रदाता है, जबकि आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड (आईडब्ल्यूईएल), आईनॉक्स विंड लिमिटेड के प्रवर्तकों में से एक है। जुटाई गई धनराशि का इस्तेमाल आईनॉक्स विंड के कर्ज को कम करने तथा कंपनी की कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाएगा। इससे इसका बही-खाता मजबूत हो सकेगा। आईडब्ल्यूईएल ने मंगलवार शाम को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह लेनदेन शेयर बाजार में लेनदेन के जरिए पूरा किया गया है।

कल से शुरू होगा मिंत्रा ईओआरएस-20

नई दिल्ली। देश के अग्रणी फैशन, ब्यूटी और लाइफस्टाइल डेस्टिनेशन मिंत्रा ने पिछले एक दशक में फैशन की दुनिया में क्रांतिकारी बदलाव के जश्न के तौर पर बुधवार को अपने फ्लैगशिप फैशन उत्सव ईओआरएस (एंड ऑफ रीजन सेल) के 20वें एडिशन की घोषणा की। 31 मई से शुरू होने वाला यह मेगा इवेंट खरीददारों को चकाचौंध कर देगा। इसमें 8,800 से ज्यादा ब्रांडों के 30 लाख से अधिक स्टाइल पेश किए जाएंगे। देश के चहेते फैशन कार्निवल के पिछले समर एडिशन की तुलना में इस बार ब्रांड कैटलॉग में 47 फीसदी और ट्रेंड-फर्स्ट सेलेक्शन में लगभग 50 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। खरीददारों को प्रीमियम और इंटरनेशनल ब्रांड पर अभूतपूर्व वैल्यू मिलेगी जो देश के फैशन का ट्रेंड सेट करने और उसे प्रीमियम बनाने में मददगार साबित होगा।

ब्याज दर कटौती की आशंका बढ़ने से लुढ़का बाजार

■ **सेंसेक्स 0.89 प्रतिशत का गोता लगाकर 74,502.90 अंक पर** ■ **निफ्टी 0.8 प्रतिशत टूटकर 22,704.70 अंक पर बंद**

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दर में कटौती शुरू करने की समय अवधि को लेकर एक बार फिर बढ़ी आशंका से बांड यील्ड के चार सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के दबाव में विश्व बाजार के लुढ़कने से स्थानीय स्तर पर हुई बिकवाली से आज शेयर बाजार लगातार चौथे दिन भारी गिरावट के साथ बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 667.55 अंक अर्थात 0.89 प्रतिशत का गोता लगाकर 75 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे 74,502.90 अंक रह गया। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 183.45 अंक यानी 0.8 प्रतिशत टूटकर 22,704.70 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.38 प्रतिशत फिसलकर 43,352.41 अंक पर आ गया जबकि स्मॉलकैप 0.23 प्रतिशत बढ़कर 47,542.62 अंक हो गया।इस दौरान बीएसई में कुल 3929 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2136 में बिकवाली जबकि 1680 में लिवाली हुई वहीं 113 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 37 कंपनियां लाल जबकि शेष 13 हरे निशान पर रही।बीएसई में 13 समूहों में गिरावट का रुख रहा। इससे कमोडिटीज 0.18, सीडी 0.19, ऊर्जा 0.90, एफएमसीजी 0.52, वित्तीय सेवाएं 1.32, आईटी 0.92, ऑटो 0.30, बैंकिंग 1.37, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.15, तेल एवं गैस

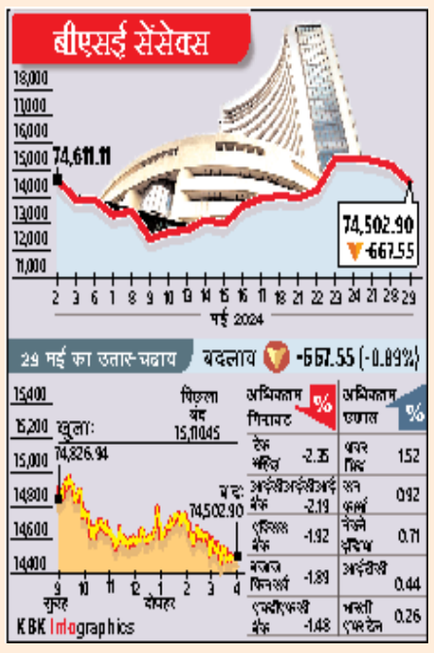

0.95, रियल्टी 0.88, टेक 0.59 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.60 प्रतिशत लुढ़क गए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिकवाली का दबाव रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.34, जर्मनी का डैक्स 0.69, जापान का निक्केई 0.77 और हांगकांग का हैंगसेंग 1.83 प्रतिशत गिर गया। वहीं, चीन के शंघाई कम्पोजिट में 0.05 प्रतिशत की बढ़त रही।

अंत में पिछले दिवस के 75,170.45 अंक के मुकाबले 0.89 प्रतिशत लुढ़ककर 74,502.90 अंक रह गया। इसी तरह निफ्टी भी 125 अंक उतरकर 22,762.75 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 22,825.50 अंक के उच्चतम जबकि 22,685.45 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 22,888.15 अंक की तुलना में 0.80 की गिरावट के साथ 22,704.70 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स की जिन कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही उनमें टेक महिंद्रा 2.35, आईसीआईआई बैंक 2.19, एक्सिस बैंक 1.92, बजाज फिनसर्व 1.89, एचडीएफसी बैंक 1.48, अल्ट्रासिमको 1.46, विप्रो 1.12, रिलायंस 1.02, इंफ़ोसिस 1.00, एसबीआई 0.96, टाइटन 0.95, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.92, टीसीएस 0.90, एलटी 0.64, एचसीएल टेक 0.44, टाटा मोटर्स 0.39, मारुति 0.38, टाटा स्टील 0.37 और एनटीपीसी 0.22 प्रतिशत शामिल है।

वहीं, पावरग्रिड 1.52, सन फ़ार्मा 0.92, नेस्ले इंडिया 0.71, आईटीसी 0.44, भारती एयरटेल 0.26 और इंडसइंड बैंक के शेयर 0.10 प्रतिशत लाभ में रहे।

फ्रेशर्स के लिए भारत में तेजी से बढ़ रही तीन नौकरियां : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। सॉफ्टवेयर इंजीनियर, सिस्टम इंजीनियर और प्रोग्रामिंग एनालिस्ट उन तीन टॉप नौकरियों में शामिल है, जिनमें फ्रेश ग्रेजुएट्स की मांग सबसे अधिक है। बुधवार को आई एक रिपोर्ट में ये जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट में बताया गया कि एंट्री लेवल जॉब के लिए डिजाइन, एनालिस्ट्स और प्रोग्रामिंग टॉप स्किल हैं, जिनकी मांग सबसे अधिक है। सालाना आधार पर ऑन-साइट यानी कार्यस्थल पर नौकरी में 15 प्रतिशत की गिरावट हुई है। वहीं, हाइब्रिड नौकरियों में 52 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है।

लिंक्डइन प्रोफेशनल नेटवर्क की ओर से जारी की गई एक रिपोर्ट में बताया गया है कि नौकरी परिदृश्य में बदलाव नए ग्रेजुएट्स को चुनने और आगे बढ़ने के लिए कार्य व्यवस्था की एक विस्तृत रेंज प्रदान करता है। आगे कहा गया कि बैचलर डिग्री के साथ युवा पेशेवरों

■ **सबसे अधिक है फ्रेश ग्रेजुएट्स की मांग**

को लिए यूटिलिटी तेजी से बढ़ती हुई इंडस्ट्री है। इसके अलावा ऑयल, गैस एवं माइनिंग, रियल एस्टेट, सामानों की रेंटल सर्विसेज और कंज्यूमर सर्विसेज में नए ग्रेजुएट्स के लिए नौकरियां तेजी से बढ़ रही हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि जिन लोगों के पास बैचलर डिग्री नहीं है। उनके पास भी नौकरी के काफी सारे अवसर हैं, जिसमें शिक्षा, टेक्नोलॉजी और मीडिया सेक्टर शामिल है। लिंक्डइन करियर एक्सपर्ट और इंडिया सीनियर मैनेजिंग एडिटर, निरजिता बनर्जी की ओर से कहा गया है कि कई स्किल आज के समय इंडस्ट्रीज में हस्तांतरणीय हैं। एआई के आने से कई फील्ड में टेक से जुड़े रोजगार बढ़ रहे हैं। इस कारण से कंपनियां विविध शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले पेशेवरों की तलाश कर रही हैं।

खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में रहा टिकाव

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में

खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा। **तेल-तिलहन :** वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जून का पाम ऑयल वायदा 82 रिंगिट उबलकर 4033 रिंगिट प्रति टन हो गया। वहीं, जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.04 सेंट की गिरावट लेकर 45.48 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे। **दाल-दलहन :** दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मूसर दाल, मूंग दाल उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़ी रही। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

चना 6600-6700, दाल चना 7600-7700, मसूर काली 7650-7750, मूंग दाल 10600-10700, उड़द दाल 12800-12900, अरहर दाल 11500-11600 रुपए प्रति क्विंटल रहे।

वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर आशावादी दृष्टिकोण

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। विश्व आर्थिक मंच द्वारा बुधवार को जारी नवीनतम मुख्य अर्थशास्त्री आउटलुक में 2024 में वैश्विक अर्थव्यवस्था के बारे में आशावादी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है, जिसमें महत्वपूर्ण राजनीतिक जोखिम भी शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, 82 प्रतिशत मुख्य अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि इस साल वैश्विक अर्थव्यवस्था या तो मजबूत होगी या स्थिर रहेगी, जो वर्ष 2023 के अंत से लगभग दोगुना है। वैश्विक स्थितियों में मंदी की भविष्यवाणी करने वालों की हिस्सेदारी जनवरी में 56 प्रतिशत से नाटकीय रूप से घटकर केवल 17 प्रतिशत रह गई है। हालांकि, भू-राजनीतिक और घरेलू राजनीतिक तनाव बहुत अधिक हैं। लगभग 97 प्रतिशत अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि भू-राजनीतिक कारक 2024 में

■ **एशियाई अर्थव्यवस्थाएं भी दिखा रही है मजबूत संभावनाएं**

■ **82 प्रतिशत अर्थशास्त्रियों को मजबूत वैश्विक अर्थव्यवस्था की उम्मीद**

वैश्विक आर्थिक अस्थिरता में योगदान देंगे। इसके अतिरिक्त, 83 प्रतिशत का मानना है कि घरेलू राजनीति भी अस्थिरता का एक महत्वपूर्ण स्रोत होगी, खासकर जब दुनिया की लगभग आधी आबादी इस साल मतदान करने जा रही है।

विश्व आर्थिक मंच की प्रबंध निदेशक सादिया जाहिदी ने कहा कि मुख्य अर्थशास्त्रियों के नवीनतम आउटलुक से वैश्विक आर्थिक माहौल में सुधार के स्वागत योग्य लेकिन अस्थायी संकेत मिलते हैं। यह उस जटिल परिदृश्य को रेखांकित करता है, जिससे वैश्विक स्तर राजनेता जूझ रहे हैं। नीति-निर्माण की तत्काल आवश्यकता है, जो न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था के इंजनों को पुनर्जीवित करने की कोशिश करे, बल्कि अधिक समावेशी, टिकाऊ और लचीले विकास की नींव भी रखे। आर्थिक विकास के लिए आउटलुक के अनुसार सर्वेक्षण अमेरिका में पर्याप्त सुधार दिखा रहा है, जहां लगभग सभी मुख्य अर्थशास्त्री (97 प्रतिशत) अब इस वर्ष मध्यम से मजबूत विकास की उम्मीद करते हैं, जो जनवरी में 59 प्रतिशत से अधिक है। एशियाई अर्थव्यवस्थाएं भी मजबूत संभावनाएं दिखा रही हैं, सभी उत्तरदाताओं ने दक्षिण एशिया और पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्रों में कम से कम मध्यम विकास का अनुमान लगाया है। चीन के लिए उम्मीदें थोड़ी कम आशावादी हैं, जिसमें तीन-चौथाई मध्यम विकास की उम्मीद कर रहे हैं और केवल 4 प्रतिशत ने मजबूत विकास की भविष्यवाणी की है। इसके विपरीत, यूरोप का परिदृश्य निराशाजनक बना हुआ है, लगभग 70 प्रतिशत अर्थशास्त्रियों ने 2024 के शेष भाग के लिए कमजोर वृद्धि की भविष्यवाणी की है। अन्य क्षेत्रों में मोटे तौर पर मध्यम वृद्धि का अनुभव होने की उम्मीद है, जो पिछले सर्वेक्षण के बाद से मामूली सुधार दर्शाता है।

खेल जगत

जर्मनी से नजदीकी मुकाबले में हारे भारतीय लड़के

मोनचेंग्लादबाक। योगेम्बर रावत और गुरजोत सिंह के गोलों के बावजूद भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम यूरोप दौरे के अपने चौथे मैच के दौरान अंतिम मिनट तक चले मैच में जर्मनी से 2-3 से हार गई। मंगलवार को जर्मनी के मोनचेंग्लादबाक में पहले क्वार्टर में दोनों टीमों को पेनल्टी कॉर्नर के जरिए बढ़त लेने के मौके मिले मगर रक्षापंक्ति ने एक दूसरे के मौकों को विफल कर दिया। दूसरे क्वार्टर के पहले पांच मिनट में जर्मनों ने मैदानी गोल से गतिरोध तोड़ते हुए बढ़त ले ली। हालांकि भारत ने पेनाल्टी कार्नर के जरिये मिले मौके को भुनाया जब डिफेंडर योगेम्बर रावत ने गोल कर स्कोर पहले हाफ में बराबरी पर समाप्त किया। तीसरे क्वार्टर के कुछ मिनट बाद भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और फारवर्ड गुरजोत सिंह ने इसका भरपूर फायदा उठाते हुए अपनी टीम को बढ़त दिला दी।

विराट कोहली के जुड़े बिना भारत ने न्यूयॉर्क में शुरू किया अभ्यास

- विराट के भारत के बांग्लादेश के खिलाफ वार्म अप मैच में खेलने पर संशय
- विराट के पहुंचने को लेकर बीसीसीआई ने फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

टी-20 क्रिकेट विश्व कप

नई दिल्ली, 29 मई (देशबन्धु)। कप्तान रोहित शर्मा की अगुआई में 15 सदस्यीय भारतीय क्रिकेट टीम के ज्यादातर सदस्यों ने अमेरिका और वेस्ट इंडीज में होने वाले नौवें टी-20 क्रिकेट विश्व कप में शिरकत करने के लिए मंगलवार को न्यूयॉर्क पहुंच अपने पहले अभ्यास सत्र में शिरकत की। यह जानकारी बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर एक विडियो जारी कर दी। टी-20 विश्व कप के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विराट कोहली का भारतीय टीम अभी भी न्यूयॉर्क पहुंचने का इंतजार है। विराट के नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क में टी-20 विश्व कप से पहले 1 जून को बांग्लादेश के खिलाफ पहले और इकलौते वार्म अप मैच में खेलने को संशय पैदा हो गया है। विराट कब न्यूयॉर्क पहुंचेंगे इसको लेकर बीसीसीआई को ओर से फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी है।

भारत की 15 सदस्यीय टीम के पहले अभ्यास सत्र का मकसद खुद को न्यूयॉर्क के मौसम के मुताबिक ढालना है। नौवें टी-20 विश्व कप में शिरकत करने के लिए भारतीय क्रिकेट टीम अलग अलग जत्थों में न्यूयॉर्क पहुंची। भारतीय क्रिकेट टीम टी-20 विश्व कप में ग्रुप ए अपना पहला मैच 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ खेलने के बाद 9 जून को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से , 12 जून को मेजबान अमेरिका से न्यूयॉर्क में खेलेगी जबकि अपना अंतिम ग्रुप मैच 15 जून को कनाडा के खिलाफ लाउडरहिल, फ्लोरिडा में खेलेगी। बीसीसीआई द्वारा सोशल मीडिया पर जारी विडियो में भारतीय क्रिकेट टीम के स्ट्रेंग्थ एंड कंडिशनिंग कोच सोहम देसाई ने करीब दो महीने तक चली आईपीएल 2024 का हिस्सा रहे भारतीय टीम के खिलाड़ियों के अभ्यास सत्र और उनके मैच के लिए खुद को तैयार करने की बाबत बताया। वहीं भारत के तुरुप के गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इस विडियो में कहा कि हमारे खिलाड़ी न्यूयॉर्क पहुंचने के बाद से अब तक क्रिकेट नहीं खेले हैं। हम न्यूयॉर्क में बुधवार के क्रिकेट के अभ्यास के लिए आए हैं।

न्यूयॉर्क का मौसम वाकई अच्छा है और हम यहां क्रिकेट अभ्यास को तैयार हैं।' भारतीय क्रिकेटरों ने कुछ बेसिक स्ट्रेंग्थ - कंडीशनिंग की। कुछ दौड़ लगाई। हल्की फुल्की फुटबॉल भी खेली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्ट्रेंग्थ एंड कंडिशनिंग कोच सोहम देसाई ने मंगलवार के अभ्यास सत्र की बाबत कहा कि हमारे खिलाड़ी करीब ढाई महीने राष्ट्रीय टीम से दूर थे। सभी खिलाड़ियों को एक साथ अभ्यास कराने का मकसद यह जानना है कि वे कहां खड़े हैं और टी-20 विश्व कप से पहले क्या करना जरूरी है। हमारा मकसद करीब 45 से लेकर एक घंटे तक मैदान पर अभ्यास कर लय पाना है। हम चाहते हैं कि हमारे खिलाड़ी लय में रहे और दौड़ लगाए। हमारा हर खिलाड़ी टी-20 विश्व कप में टीम के पहले मैच से पहले ही योजना बना कर तैयार रहें।' हार्दिक पांडया को छोड़ कर 2024 आईपीएल के लीग चरण में बाहर होने वाली टीमों के खिलाड़ी सबसे पहले न्यूयॉर्क पहुंचे। हार्दिक अपनी मुंबई इंडियंस टीम के प्ले की होड़ से बाहर होने के बाद कुछ आराम लेकर न्यूयॉर्क पहुंचे। आईपीएल के खत्म होने के बाद कुछ ब्रेक ले भारतीय टीम के साथ न्यूयॉर्क में जुड़े उपकप्तान हार्दिक पांडया दुनिया के इस कोने में क्रिकेट खेलने को बेताब दिखे और उन्होंने अच्छे माहौल' की बाबत बात की।वहीं बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा बहुत, बहुत मजे आस कर रहे थे जबकि सूर्य कुमार यादव को न्यूयॉर्क में अभ्यास का पहला वाकई गजब का लगा।

अभिषेक के बड़ा होते समय युवराज उनके आदर्श थे : राजकुमार शर्मा

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आईपीएल 2024 में अपना जलवा दिखाया और 204.22.के स्ट्राइक रेट से 16 पारियों में 484 रन जोड़े। अभिषेक के पिता और उनके बचपन के कोच राजकुमार शर्मा ने आईएएनएस के साथ खास साक्षात्कार में इस युवा खिलाड़ी के करियर पर युवराज सिंह और राहुल द्रविड़ जैसे खिलाड़ियों के प्रभाव के बारे में बातचीत की।

राजकुमार ने कहा कि मुझे अच्छा लगता है कि युवराज सिंह जैसे विश्व स्तरीय खिलाड़ी युवाओं को प्रशिक्षित करते हैं। युवी का उसके करियर पर काफी बड़ा प्रभाव रहा है। उन्होंने कड़ी मेहनत की और उसे दिन-रात प्रशिक्षण कराया है। उन्होंने कहा कि वह युवराज को अपना आदर्श समझता है और कहता है कि मैं युवी पाजी की तरह बल्लेबाजी करूंगा। वह उनके वीडियो देखता है और एक बार जब वे एक साथ ट्रेनिंग करना शुरू कर देते हैं तो युवी ने खुद कहा कि मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं खुद बल्लेबाजी कर रहा हूं और फिर वह तथा उनकी पूरी टीम उसे प्रशिक्षित कराती है। युवी खुद खड़े रहते हैं और उसे बल्लेबाजी करता देखते हैं। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने आईपीएल के 2024 सत्र में शानदार बल्लेबाजी का नमूना पेश किया। उन्होंने सत्र के दौरान 204.22 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से रन बनाये और ट्रेविस हैड के साथ तूफानी ओपनिंग साझेदारियां कीं। राजकुमार ने आगे बताया कि उनका बेटा कितना प्रतिभाशाली है जिसकी बदौलत उसे क्रिकेट के कुछ बड़े नामों से मिलने का मौका मिला जिन्होंने उसे बड़े स्तर पर चमकने में मदद की। उन्होंने कहा कि मैं उसके लिए अच्छे गेंदबाज लाता था और वह उन्हें छक्के मार देता था और गेंद को स्टेडियम के पार पहुंचा देता था हर कोई यह देखकर स्तब्ध था कि एक बच्चा इतने लम्बे छक्के मार देता है। मैं हर किसी को बताता था कि वह कितना प्रतिभाशाली है। जब वह थोड़ा बड़ा हुआ तो वह प्रोफेशनल कोचों और शीर्ष खिलाड़ियों के पास गया और मैंने इस परिणाम के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। वह युवराज सिंह, राहुल द्रविड़ और ब्रायन लारा से मिला और देश की यात्रा करने लगा तथा अच्छा खेलने लगा।

मुझे अच्छा लगता है कि युवराज सिंह जैसे विश्व स्तरीय खिलाड़ी युवाओं को प्रशिक्षित करते हैं। युवी का उसके कॅरियर पर काफी बड़ा प्रभाव रहा है : राजकुमार

अपने कदमों पर तो खड़ा हो गया, अब इंडिया के लिए खड़ा होना बाकी है

मुबंई, 29 मई (एजेंसियां)। आईसीसी टी-20 विश्व कप 2024 के आधिकारिक प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स ने स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के साथ एक प्रोमो लॉन्च किया है। स्टार स्पोर्टस ने बुधवार को ट्वीट कर प्रोमो का वीडियो शेयर किया है जिसमें पंत के साथ बैकग्राउंड म्यूजिक के साथ कहा जा रहा है दिल में एक कसक अभी बाकी है, दिल में एक धड़क अभी बाकी है, अपने कदमों पर तो खड़ा हो गया, अभी इंडिया के लिये खड़ा होना बाकी है। वीडियो में ऋषभ पंत देश को गर्व, खुशी और आशा के साझा बैनर के तहत एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। टीम इंडिया आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में सबसे बड़े क्रिकेट गौरव के लिए तैयार है। यह देश और दुनिया के हर कोने में रहने वाले प्रत्येक भारतीय के लिए एक भारत के रूप में खड़े होने का समय है। यह हम भारतीयों के लिए समय है कि हम राष्ट्रगान के लिए एक भारत के रूप में एक साथ खड़े हों, नीले कपड़ों में मौजूद लोगों के प्रति अपना विश्वास व्यक्त करें और उनके साथ खड़े हों, जो हमारे देश का प्रतिनिधित्व कर रहे है।

अल्टीमेट टेबल टेनिस 2024 : चेन्नई में 22 अगस्त से होगी नए सीजन की शुरुआत

चेन्नई, 29 मई (एजेंसियां)। शीर्ष-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं को आकर्षित करने और भारतीय पैडलर्स के तीव्र विकास में मदद करने की अपनी क्षमता के लिए मशहूर भारत की प्रमुख टेबल टेनिस लीग अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) टूर्नामेंट 22 अगस्त से 7 सितंबर तक चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में एक रोमांचक नए सीजन के लिए तैयार हो रहा है।

नीरज बजाज और वीता दानी द्वारा भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) के तत्वावधान में प्रमोटेड यह फ्रैंचाइजी आधारित लीग 2017 में अपनी स्थापना के बाद से भारतीय टेबल टेनिस के लिए एक गेमचेंजर रही है। यह सुनिश्चित करते हुए कि यूटीटी जैसी पहल फले-फूले और भारत के टेबल टेनिस पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण योगदान दें, टीटीएफ़आई देश भर में इस खेल को बढ़ावा देने और आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ख़ास बात यह है कि पहली बार यह आठ टीमों की लीग होगी, जो युवा भारतीय पैडलर्स को दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों के साथ अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करेगी। इस महत्वपूर्ण विस्तार का उद्देश्य प्रतिस्पर्धा के मानक को ऊपर उठाना और खेल के भीतर उभरती प्रतिभाओं के विकास को बढ़ावा देना है। यूटीटी के को-प्रमोटर नीरज बजाज ने कहा कि अतिरिक्त टीमों के लीग में शामिल होने से प्रतिस्पर्धा का स्तर बढ़ेगा, जो रणनीतिक रूप से पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद की अवधि के साथ मेल खाता है। इससे हम देश भर में ओलंपिक के बाद के उत्साह का लाभ उठा सकेंगे। इसके अलावा, चेन्नई में लीग का आयोजन करने का निर्णय शहर की प्रतिष्ठित खेल संस्कृति का सम्मान है। इस शहर ने कई दिग्गज पैडलर्स को जन्म दिया है, लेकिन इसकी शानदार विरासत का सम्मान करने के लिए यह हमारी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है। देश में टेबल टेनिस की बढ़ती लोकप्रियता को उल्लेखनीय भारतीय उपलब्धियों से बल मिला, जिसने लीग के नए क्षेत्रों में विस्तार को उत्प्रेरित किया है। इस कारण लीग ने दो प्रतिष्ठित फ्रैंचाइजी को शामिल करने की गर्व से घोषणा की।

■ टीटीएफ़आई देश भर में इस खेल को बढ़ावा देने और आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है

सार संक्षेप

नौ खिलाड़ियों से खेल रहे ऑस्ट्रेलिया ने नामीबिया को हराया

त्रिनिदाद। नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टी 20 विश्व कप के अपने पहले अभ्यास मैच में नामीबिया को सात विकेट से हरा दिया। जोश हेजलवुड ने नई गेंद से जबरदस्त गेंदबाजी की जबकि डेविड वार्नर ने तूफानी अर्धशतक जड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने आईपीएल के कारण अपने छह प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के बावजूद अपनी ताकत दिखाई। टीम ने आपने बैकरूम स्टाफ से चार स्थानापन्न खिलाड़ी उतारे। हेजलवुड ने जबरदस्त ओपनिंग स्पैल डाला, तीन ओवर में बिना कोई रन दिए दो विकेट झटके। उनके दूसरे विकेट निकोलस डेविन का कैच फील्डिंग कोच बोरोवेक ने लपका। पार्ट टाइम गेंदबाज टिम डेविड ने पूरे चार ओवर डाले। ऑस्ट्रेलिया ने नामीबिया को 119 रन पर रोक दिया। डेविड वार्नर ने मात्र 20 गेंदों पर अर्धशतक जड़कर ऑस्ट्रेलिया का काम आसान कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने लक्ष्य को निर्धारित ओवरों के आधे में हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया का अगला अभ्यास मैच गुरुवार को वेस्ट इंडीज से होगा।

जोकोविच फ्रेंच ओपन में हर्बर्ट को हराकर दूसरे दौर में पहुंचे

पेरिस। सार्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच फ्रांस के पियरे ह्यूजेस हर्बर्ट को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गये है। मंगलवार को यहां दुनिया के नम्बर वन टेनिस खिलाड़ी जोकोविच ने दो घंटे 33 मिनट तक चले मुकाबले में ह्यूजेस हर्बर्ट पर 6-4, 7-6, 6-4 से जीत दर्ज की। जोकोविच की 93वीं जीत है। जोकोविच रोलां गैरो पर तीन बार के विजेता हैं और अपनी नंबर एक रैंकिंग बचाने के लिए उन्हें एक बार फिर फाइनल में जगह बनानी होगी। दूसरे दौर में जोकोविच का मुकाबला स्पेन के खिलाड़ी रॉबर्टो कारबेलास बेइना से होगा।

इंडियन ग्रां प्री 2025 तक स्थगित

नोएडा। मोटरसाइकिल रेसिंग की विश्व संस्था एफआईएम ने इंडियन ग्रां प्री 2024 को संचालन मुद्दों के कारण 2025 तक स्थगित करने की घोषणा की है। इस इवेंट को 2024 कैलेंडर में 16वीं रेस के रूप में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में आयोजित होना निर्धारित था। मोटो जीपी ने एक बयान में कहा कि एफआईएम, आईआरटीए और डोरना स्पोर्ट्स ने घोषणा की है कि इंडियन ग्रां प्री संचालन मुद्दों के कारण 2024 में नहीं होगी और मोटो जीपी 2025 के शुरू में इसे आयोजित करेगा। बयान में कहा गया है, उत्तर प्रदेश सरकार की मोटो जीपी को लेकर दीर्घकालीन प्रतिबद्धता को देखते हुए इसके मार्च 2025 में लौटने की उम्मीद है जब मौसम दर्शकों और राइडर्स दोनों के अनुकूल हो। इससे पहले मोटोजीपी ग्रां प्री ऑफ़ इंडिया के पहले संस्करण ने मोटरस्पोर्ट इतिहास में नए बेंचमार्क स्थापित किये थे भारत और दुनिया भर से एक लाख से अधिक दर्शकों ने इसे यहां आकर देखा था।

नॉर्वे शतरंज : प्रगनानंद को विश्व चैंपियन लिरेन से मिली शिकस्त

स्टवान्गर (नॉर्वे), 29 मई (एजेंसियां)। नॉर्वे शतरंज के दूसरे दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रगनानंद को मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लिरेन से शिकस्त का सामना करना पड़ा। मंगलवार को स्पेयरबैंक 1 एसआर-बैंक में मैग्नस कार्लसन, अलीरेज़ा फ़िरोज़ा और डिंग लिरेन ने आर्मागेडन (सडन डेथ) खेलों में सफेद रंग के मोहरों से जीत हासिल की और प्रत्येक ने 1.5 अंक हासिल किए। विश्व चैंपियन डिंग लिरेन के खिलाफ 2-0 की बढ़त के साथ आगे बढ़ने वाले भारत के विलक्षण प्रगनानंद ने नॉर्वे शतरंज के मुख्य दौर में अपना पहला क्लासिकल पहला मैच ड्रॉ खेला। इसके बाद चीनी जीएम आर्मागेडन टाई-ब्रेकर में विजयी हुए। दिन की बहुप्रतीक्षित जोड़ी मैग्नस कार्लसन और हिकारू नाकामुरा ने करीबी प्रतिस्पर्धा वाली क्लासिकल गेम खेली जो ड्रॉ पर समाप्त हुई। कार्लसन ने दबाव में अपने असाधारण कौशल का प्रदर्शन करते हुए, एक महत्वपूर्ण जीत हासिल की। इस बीच, अलीरेज़ा फ़िरोज़ा और फ़ेबियानो कारुआना ने भी एक जटिल संघर्ष के बाद अपना खेल ड्रा कराया। स्पीड शतरंज में फ़िरोज़ा की क्षमताएं आर्मागेडन गेम में चमक गईं और उन्होंने महत्वपूर्ण 1.5 अंक हासिल किए। उधर, वैशाली ने कोनेरू को हराकर महिला टूर्नामेंट में बढ़त बना ली है। वैशाली आर ने नॉर्वे शतरंज महिला टूर्नामेंट में अपनी पहली क्लासिकल जीत दर्ज करने के लिए साथी भारतीय कोनेरू हम्पी को हराया। शुरुआत में हम्पी के मामूली लाभ के बावजूद, समय के दबाव में एक गंभीर गलती ने वैशाली को जीत का मौका दे दिया और उन्होने भारत की नंबर एक महिला खिलाड़ी के खिलाफ अपनी पहली जीत का दावा किया और लाइव रेटिंग सूची में भारत की नंबर दो महिला खिलाड़ी बन गई। जू वेनजुन और अन्ना मुज़िकचुक के साथ लेई टिंगजी और पिया क्रैम्लिंग के बीच अन्य दो क्लासिक मैच कड़े मुकाबले में ड्रा पर समाप्त हुए।

सेन, श्रीकांत बाहर, सिंधु दूसरे दौर में

सिंगापुर ओपन

सिंगापुर, 29 मई (एजेंसियां)। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु ने शानदार जीत के साथ सिंगापुर ओपन बीडब्लूएफ 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है जबकि लक्ष्य सेन और किदाम्बी श्रीकांत पहले दौर में बाहर हो गए। सिंधु ने विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी लाइन कजेर्सफेल्ट को लगातार गेमों में 21-12, 22-20 से पराजित किया। सिंधु ने 4-3 की बढ़त बनायी और फिर इसे आगे बढ़ाते हुए पहला गेम 21-12 से जीत लिया। दूसरा गेम आखिर में जाते-जाते रोमांचक हो गया। डेनिश खिलाड़ी ने सिंधु को गलतियां करने के लिए मजबूर किया और 19-16 की बढ़त बना ली। दो बार की ओलम्पिक पदक विजेता सिंधु ने चार गेम अंक बचाये और वापसी करते हुए 22-20 से गेम और मैच जीत लिया। लक्ष्य सेन विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और मौजूदा ओलम्पिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसन से तीन गेमों के संघर्ष में 13-21, 21-16, 13-21 से हार गए। इससे पहले श्रीकांत जापान के कोडई नाराओका से 14-21,3-11 से हारकर बाहर हो गए। श्रीकांत दूसरे गेम में चोट के कारण रिटायर हो गए। श्रीकांत की चोट के बारे में अब तक पता नहीं चला है।

भारतीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम जर्मनी से 2-3 से हारी

मोनचेनग्लाडबाच, 29 मई (एजेंसियां)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम यूरोप टूर के अपने चौथे मैच में जर्मनी से अंतिम मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 2-3 से हार गयी। योगम्बर रावत और गुरजोत सिंह ने भारतीय टीम के लिए एक-एक गोल किया। पहले क्वार्टर में काफी एक्शन देखने को मिला। भारतीय टीम के पास पेनल्टी कार्नर के जरिये बढ़त बनाने के मौके थे लेकिन दोनों टीमें एक-दूसरे के डिफेंस से पार नहीं पा सकीं। पहला क्वार्टर गोल रहित रहा। दूसरे क्वार्टर में पांच मिनट बाद ही जर्मन ने गतिरोध तोड़ते हुए मैदानी गोल दागकर बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने वापसी का प्रयास जारी रखा और योगम्बर रावत के जरिये पेनल्टी कॉर्नर से गोल दागकर आधे समय तक स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। भारत ने तीसरे क्वार्टर में कुछ ही मिनट बाद एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और फॉरवर्ड गुरजोत ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए बढ़त बना ली। जर्मनी ने कुछ मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। तीसरे क्वार्टर तक स्कोर 2-2 से बराबर रहा। अंतिम क्वार्टर के आखिरी मिनटों में जर्मनी को पेनल्टी कॉर्नर मिला और उन्होंने इसका फायदा उठाते हुए गोल कर मुकाबला 3-2 से अपने नाम कर लिया। भारतीय टीम इस यूरोप दौरे का अपना आखिरी मुकाबला जर्मनी से ब्रेडा में बुधवार को खेलेगी।

पेरिस ओलंपिक दुनिया के पहले कार्बन जीरो हॉकी टर्फ पर खेला जाएगा

लुसाने (स्विट्ज़रलैंड), 29 मई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक खेलों की हॉकी प्रतियोगिता इस बार अभूतपूर्व होने जा रही है। हॉकी मैच दुनिया के पहले कार्बन-जीरो हॉकी टर्फ पर खेले जाएंगे जो खेलों में सतह के मामले में नए मापदंड स्थापित कर रहे हैं।

कार्बन-जीरो टर्फ 80 फीसदी गन्ने से बनाये जाते हैं और ग्रीन ऊर्जा का इस्तेमाल कर इनका निर्माण किया जाता है जिसका पर्यावरण पर कम प्रभाव होगा। हर मैच से पहले इसमें सिंचाई के लिए कम पानी की जरूरत होगी। XXXIII ओलंपियाड में हॉकी प्रतियोगिता का लक्ष्य न केवल खेल उपलब्धियों में बल्कि पर्यावरण और वैश्विक खेल आयोजनों के दायरे में जागरूकता को आगे बढ़ाने में भी एक स्थायी विरासत छोड़ना है। अंतरराष्ट्रीय

- कार्बन-जीरो टर्फ 80 फीसदी गन्ने से बनाए जाते हैं
- हर मैच से पहले इसमें सिंचाई के लिए कम पानी की जरूरत होगी

हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने हॉकी को विश्व स्तर पर टिकाऊ खेल बनाने के लिए सख्त प्रतिबद्धता जताई है और पेरिस 2024 उस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में उठाए गए एक और कदम का प्रतिनिधित्व करेगा। प्रारंभिक कदम पानी के उपयोग में लगातार कमी के साथ उठाए गए थे, जो कि टोक्यो में ओलंपिक खेलों में इस्तेमाल किए गए टर्फ द्वारा प्रदर्शित किया गया था, जिसमें केवल चार साल पहले रियो में इस्तेमाल किए गए टर्फ की तुलना में इष्टतम प्रदर्शन के लिए 39 फीसदी कम पानी की आवश्यकता थी। ओलंपिक गेम्स पेरिस 2024 में, हॉकी अभिनव पोलिग्रास पेरिस जीटी ज़ीरो हॉकी टर्फ पर खेली जाएगी, जो खेल सतहों में स्थिरता के लिए नए मानक स्थापित कर रही है। एफआईएच ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि स्पोर्ट ग्रुप द्वारा विकसित और पॉलीटन द्वारा पेरिस में स्थापित, यह उन्नत टर्फ दुनिया का पहला कार्बन-जीरो हॉकी टर्फ है, जो पेरिस 2024 खेलों की स्थिरता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता के अनुरूप है, । कार्बन-जीरो पॉलीग्रास पेरिस जीटी ज़ीरो 80 फीसदी गन्ने से बनाया गया है और ग्रीन ऊर्जा का उपयोग करके निर्मित किया गया है। एफआईएच विज्ञप्ति में कहा गया है कि उत्पादन प्रक्रिया कम उत्सर्जन और ऊर्जा दक्षता पर जोर देती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि टर्फ का जीवनचक्र-निर्माण से निपटान तक-उच्चतम पर्यावरण मानकों का पालन करता है। यह पर्यावरण-अनुकूल टर्फ प्रदर्शन पर कोई समझौता नहीं करता है। एथलीट उसी उच्च गुणवत्ता वाली खेल क्षमता, गेंद की गति और स्थिरता की उम्मीद कर सकते हैं जिसके लिए पॉलीग्रास सतहें जानी जाती हैं, जिन पर 8 ओलंपिक खेलों और कई विश्व कपों में भरोसा किया गया है। पेरिस 2024 ओलंपिक हॉकी का लक्ष्य यह प्रदर्शित करना होगा कि स्थिरता और शीर्ष स्तरीय एथलेटिक प्रदर्शन साथ-साथ चल सकते हैं। इसके अलावा, पॉलीग्रास पेरिस जीटी ज़ीरो को पानी बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।